हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

टार की फैक्ट्री में भीषण आग

20 किलोमीटर तक दिखा धुएं का गुबार, बुझाने में लगे पांच घंटे

फैक्ट्री के अंदर रखे ऑयल ड्रम में लगातार हुआ विस्फोट

खमतराई थाना क्षेत्र के भनपुरी, औद्योगिक क्षेत्र में शनिवार दोपहर साढ़े 12 बजे आग लगने की घटना हुई। आग लगने की जानकारी मिलने पर मौके पर फायर ब्रिगेड की गाड़ियां पहुंचीं।

15 मिनट के अंदर बेकाबू हुई आग

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार फैक्ट्री में आगजनी की घटना दोपहर साढ़े 12 बजे हुई। पौन बजे तक आग विकराल रूप धारण कर चुकी थी। आसपास के रहवासियों के अनुसार फैक्ट्री के अंदर तेज धमाकों के साथ आग की लपटें उठ रही थीं। इसके साथ ही आग की चपेट में आकर ड्रम में रखे ऑयल में रुक रुक कर विस्फोट हो रहा था। ऑयल में विस्फोट होने की वजह से काले धुएं का गुबार उठ रहा था।

आनंद का सच्चा भाव

18 कैरेट रेट (75.00%) = ₹114621/-

22 कैरेट रेट (91.60%) = ₹139990/-

24 कैरेट रेट (99.99%) = ₹152813/-

सोने का भाव* प्रति 10 ग्राम | GST Extra

*Conditions apply

anand Jewels

Pandri, Raipur

आदिवासी संस्कृति में बसती है छत्तीसगढ़ की आत्मा : द्रौपदी मुर्मू

बस्तर आकर ऐसा लग रहा जैसे मैं अपने घर आई हूं : राष्ट्रपति

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने कहा कि आदिवासियों की संस्कृति में ही छत्तीसगढ़ की आत्मा बसती है। उन्होंने बस्तर की आराध्य देवी मां दंतेश्वरी के जयघोष के साथ अपने उद्बोधन में कहा कि भारत में छत्तीसगढ़ ऐसा राज्य है, जहां जनजातीय संस्कृति, परंपराओं और प्राचीन विरासतों के संरक्षण के लिए बस्तर पंडुम जैसे आयोजन किए जा रहे हैं। राष्ट्रपति ने कहा बस्तर आकर मुझे ऐसा महसूस हो रहा कि जैसे मैं अपने घर आई हूं। यह आयोजन आदिवासी समाज की गौरवशाली सांस्कृतिक चेतना का जीवंत प्रतिबिंब है। शनिवार 7 फरवरी को राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मू ने जगदलपुर में संभाग स्तरीय बस्तर पंडुम-2026 का शुभारंभ किया।

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जगदलपुर

- बालिका शिक्षा, शांति और विकास के नए सूर्योदय का संदेश
- बस्तर पंडुम जनजातीय गौरव, परंपरा और पहचान का राष्ट्रीय उत्सव

जगदलपुर के ऐतिहासिक लालबाग मैदान में आयोजित समारोह में राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मू ने विशाल जनसमूह और आदिवासी कलाकारों को संबोधित करते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ सरकार आदिवासी समाज के उत्थान के लिए समर्पित भाव से कार्य कर रही है। पीएम जनमन, प्रधानमंत्री जनजातीय गौरव उत्कर्ष अभियान और नियद नेल्लानार जैसी योजनाएं जनजातीय क्षेत्रों को विकास की मुख्यधारा से जोड़ रही हैं। उन्होंने विशेष रूप से आदिवासी बालिकाओं की शिक्षा पर बल देते हुए कहा कि बेटियों की शिक्षा से ही समाज और राष्ट्र का भविष्य सुरक्षित होता है, इसके लिए शासन के साथ समाज और अभिभावकों की सहभागिता भी आवश्यक है। राष्ट्रपति ने कहा कि बस्तर पंडुम केवल सांस्कृतिक ▶▶|शेष पेज 8 पर

साधारण मेला नहीं बल्कि लोक संस्कृति का उत्सव

राज्यपाल रेमन डेका ने कहा कि बस्तर पंडुम कोई साधारण मेला नहीं, बल्कि लोक संस्कृति का उत्सव है। यहां के लोकनृत्य, लोकगीत, पारंपरिक वेशभूषा, आभूषण, ढोल-नगाड़े और व्यंजन मिलकर बस्तर की आत्मा को सजीव रूप में प्रस्तुत करते हैं। गौर, परघौनी, मुरिया, धुरवा और लेजा नृत्य बस्तर की सांस्कृतिक चेतना के प्रतीक हैं। उन्होंने कहा कि ढोकरा कला छत्तीसगढ़ की पहचान है, जिसकी मांग देश-विदेश में बढ़ रही है और यह जनजातीय शिल्पकारों के कौशल का प्रमाण है।

बस्तर पंडुम जनजातीय समाज के जीवन-दर्शन

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा कि बस्तर केवल जंगलों की धरती नहीं, बल्कि समृद्ध संस्कृति और परंपराओं की धरती है। बस्तर पंडुम जनजातीय समाज के जीवन-दर्शन, आस्था, बोली-भाषा, नृत्य-गीत, वेशभूषा और खान-पान का जीवंत प्रतिबिंब है। उन्होंने कहा कि आज बस्तर में डर की जगह भरोसे ने और हिंसा की जगह विकास ने ले ली है। जहां कभी गोलियों की आवाज गूंजती थी,आज वहां स्कूलों की घंटियां बज रही हैं। अति-संवेदनशील गांवों में पहली बार तिरंगा फहराया जाना लोकतंत्र और संविधान की जीत है।

तीन दिनों का छग प्रवास

अमित शाह पहुंचे, नक्सलवाद पर अंतिम प्रहार के लिए आज करेंगे दिनभर मंथन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह तीन दिनों के छत्तीसगढ़ प्रवास पर शनिवार शाम रायपुर पहुंचे। तय समय से आधे घंटे पहले ही वे यहां पहुंचे। विमानतल पर उनका स्वागत मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय सहित प्रदेश के मंत्रियों, सांसद, विधायकों ने किया। रविवार को दिनभर बैठकों का दौर चलेगा। इस बैठक में प्रदेश के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय, प्रदेश के डिप्टी सीएम और गृह मंत्री विजय शर्मा के साथ प्रदेश के पुलिस अधिकारी, नक्सल मोर्चे पर लगे आला ▶▶|शेष पेज 8 पर

विमानतल पर स्वागत

श्री शाह एयरपोर्ट पर मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में जनप्रतिनिधियों एवं वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारियों ने आत्मीय स्वागत किया। इस अवसर पर केंद्रीय राज्य मंत्री तोखन साहू, उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा, तकनीकी शिक्षा एवं रोजगार मंत्री गुरु खुशवंत साहेब, सांसद संतोष पांडेय, बृजमोहन अग्रवाल, रायपुर महापौर श्रीमती मीनल चौबे, विधायक मोतीलाल ▶▶|शेष पेज 8 पर

टी-20 विश्वकप का आगाज

मुंबई। टी20 विश्व कप 2026 का आगाज शनिवार को हुआ। भारत ने अपने अभियान की शुरुआत अमेरिका के खिलाफ मुकाबले से की। इससे पहले भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड ने रंगारंगा उद्घाटन समारोह का प्रबंध किया। पूर्व विश्व कप विजेता कप्तान रोहित शर्मा और आईसीसी अध्यक्ष जय शाह मैदान पर ट्रॉफी लेकर पहुंचे। टॉस अमेरिका ने जीता और भारत के खिलाफ पहले गेंदबाजी चुनी।

- भारत और अमेरिका के बीच हुआ पहला मुकाबला
- 20 टीमों के बीच कुल 55 मुकाबले
- 05 ग्रुपों में सभी टीमों को बांटा गया
- 05 भारतीय शहरों में टी-20 विश्व कप

इन देशों की टीमें शामिल: इनमें भारत, श्रीलंका, पाकिस्तान, ऑस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड, दक्षिण अफ्रीका, इंग्लैंड, नेपाल, वेस्टइंडीज, नामीबिया, नीदरलैंड्स, अमेरिका, स्कॉटलैंड, इटली, आयरलैंड, ओमान, जिम्बाब्वे, अफगानिस्तान, कनाडा और संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) की टीमें शामिल हैं।

SIKSHA 'O' ANUSANDHAN

Empowering students for a brighter future

LAW PROGRAMMES
- B.A. LL.B. (H) - Integrated
- BBA LL.B. (H) - Integrated
- LL.M. - 1 Year

APPROVAL & RECOGNITIONS
- Approved by UGC and BCI
- Re-accredited by NAAC with A++ Grade
- Granted with Category-1 Graded Autonomy by UGC

NIRF INDIA RANKINGS 2025
- 15th Best in University Category
- 10th Best in Law Category

INTERNATIONAL RANKINGS 2026
- Ranked in QS World Rankings 2026
- Ranked in Times World Rankings 2026

To apply for admission through CLAT 2026, Please visit: www.soa.ac.in

कूनो राष्ट्रीय उद्यान में पांच शावकों का जन्म

शिवपुरी/श्योपुर। मप्र के कूनो राष्ट्रीय उद्यान में मादा चीता 'आशा' ने पांच शावकों को जन्म दिया है जिसके साथ ही देश में इस वन्यजीव की कुल संख्या बढ़कर 35 हो गई है। मुख्यमंत्री मोहन यादव ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, कूनो में गर्व का क्षण है। मादा चीता आशा द्वारा पांच स्वस्थ शावकों को जन्म देने से भारत में चीता संरक्षण अभियान को मजबूती मिली है।

ट्रक की चपेट में आने से छह की गई जान

मथुरा। यमुना एक्सप्रेसवे पर एक कंटेनर ट्रक के बस से टकरा जाने से छह लोगों की मौत हो गई और एक अन्य घायल हो गया। यह घटना मथुरा जिले के सुरीर थाना क्षेत्र में शुक्रवार देर रात दो बजकर 45 मिनट पर हुई। सुरीर पुलिस थाने के प्रभारी निरीक्षक अजय कुमार ने बताया कि यह दुर्घटना तब हुई जब नोएडा से कानपुर जा रही एक बस को बीच में एक यात्री के शौचालय जाने के कारण रोका गया था।

एलआईसी का प्रोटेक्शन प्लस

पेश है

विशेषताएँ:
- आपकी आवश्यकताओं के अनुसार अनेक निवेश फंड विकल्प उपलब्ध
- अपनी जोखिम बीमा-सुरक्षा बढ़ाएँ, टॉप अप प्रीमियम भुगतानों के साथ
- आयु एवं अवधि के अनुसार उच्च बीमा राशि चुनने का विकल्प
- 5 वर्ष बाद आंशिक निकासी की अनुमति

प्लान सं.: 886 यूआईएन: 512L361V01

एक नॉन-पार, लिंक्ड, जीवन, व्यक्तिगत, बचत प्लान

ऑनलाइन भी उपलब्ध

हमारा वॉट्सएप नं. 8976862090 कहिए 'Hi'

अधिक जानकारी के लिए आप अपने बीमा एजेन्ट/नज़दीकी एलआईसी शाखा से संपर्क करें विज़िट करें: www.licindia.in

डाउनलोड करें एलआईसी मोबाइल ऐप LIC digital | विज़िट करें: licindia.in | कॉल सेन्टर सर्विस (022) 6827 6827

हमें यहाँ फॉलो करें: LIC India Forever | IRDAI Regn No.: 512

LIC भारतीय जीवन बीमा निगम LIFE INSURANCE CORPORATION OF INDIA

हर पल आपके साथ

LIC/P1/2025-26 /20/Hin

धोखेधड़ी वाले फ़ोन कॉल्स तथा झूठे/भ्रामक प्रस्तावों से सावधान रहें. आईआरडीएआई या इनके कर्मचारी बीमा व्यवसाय जैसे कि बीमा पॉलिसियों की बिक्री, बोनस की घोषणा या प्रीमियम्स के निवेश, राशियां लौटाना जैसी कोई भी गतिविधियों में शामिल नहीं होते हैं. जिन पॉलिसीधारकों या संभावित ग्राहकों को ऐसे फ़ोन कॉल्स मिलें, वे कृपया पुलिस में इसकी शिकायत दर्ज करें. कृपया बिक्री के समापन से पहले बिक्री पुस्तिका को ध्यान से पढ़ लें.

लिंक्ड इंश्योरेन्स प्रोडक्ट्सभिन्न होते हैं पारंपरिक इंश्योरेन्स प्रोडक्ट्स से तथा उनके साथ जोखिम घटक होते हैं.
लिंक्ड इंश्योरेन्स पॉलिसियों में अदा किए गए प्रीमियम पूंजी बाजार तथा सार्वजनिक रूप से उपलब्ध इंडेक्स से जुड़े निवेश जोखिम होते हैं. फ़ंड की कार्यकुशलता तथा पूंजी बाजार/सार्वजनिक रूप से उपलब्ध इंडेक्स को प्रभावित करने वाले घटकों के आधार पर युनिट्स के एनएवीज़ घट-बढ़ सकते हैं तथा बीमित व्यक्ति अपने निर्णयों के लिए जिम्मेदार होगा.
भारतीय जीवन बीमा निगम/लाइफ़ इंश्योरेन्स कॉर्पोरेशन ऑफ़ इंडिया केवल जीवन बीमा कंपनी का नाम है तथा प्रोटेक्शन प्लस केवल लिंक्ड इंश्योरेन्स संविदा का नाम है तथा किसी भी रूप में संविदा की गुणवत्ता, इसकी भावी संभावनाओं या आमदनियों की ओर संकेत नहीं करता है.
कृपया अपने बीमा एजेन्ट या मध्यवर्ती या इंश्योरेन्स कंपनी द्वारा जारी पॉलिसी दस्तावेज से संबंधित जोखिमों और लागू प्रभारों की जानकारी प्राप्त कर लें.
इस संविदा के अंतर्गत पेश किए गए विभिन्न फ़ंड्स केवल फ़ंड्स के नाम हैं तथा वे किसी भी रूप में इन प्लान्स की गुणवत्ता, उनकी भावी संभावनाओं तथा आमदनियों की ओर संकेत नहीं करते हैं.

AB ZINDAGI MEIN EK NAYA ELEGANCE HOGA

An elegant residential sanctuary enriched with contemporary amenities, Anandam Eleganza is a pristine development at Sondongari-Hirapur offering a harmonious living environment and seamless workplace access. A landmark project, it will redefine opulent luxury in the region. Come, choose a better life for yourself and your family.

INTRODUCING

ANANDAM
Eleganza

VILLA PLOTS @ SONDONGARI-HIRAPUR

Plots available in various sizes.

Launching on 7th - 8th Feb

SPECIAL LAUNCH PRICE
AVAILABLE TODAY.
Be among the first to book.

A NEW PROJECT BY THE CREATORS OF ANANDAM WORLDCITY.

97521 44441 / 44447 / 4448

SCAN FOR LOCATION

REGN. NO.: PCGRERA131025001979
(https://rera.cgstate.gov.in)

Site Address: Beside Loha Market, Sondongari Main Road, Raipur, Chhattisgarh.

CREDAI CHHATTISGARH

ANOTHER IDEA
ATUL PUBLICITY

Note: All the plans, drawings, facilities, etc. are subject to the approval of the respective authorities and would be changed if necessary. The discretion remains with the developer. All renderings and maps are artist's conception and not actual depiction of the walls, driveways or landscaping and the developer reserves the right to make changes at any time, without notice or obligation, to the information contained in this advertisement.

बिलासपुर
रविवार 8 फरवरी 2026
फाल्गुन कृष्ण पक्ष सप्तमी
वर्ष : 25, अंक : 317
पृष्ठ : 12+8 = 20 मूल्य : 5.00***

मौसम
अधि. 30.1
न्यून. 15.8

हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित
haribhoomi.com

समाचार ही नहीं, विचार भी

9 विजेता टीम को मिलेगा 7.5 करोड़ रुपए का ...

आज-कल
2 भारत-अमेरिका व्यापार समझौते के मायने

inh 24x7
छत्तीसगढ़ एवं मध्यप्रदेश का सर्वाधिक लोकप्रिय चैनल देखें
TATA PLAY चैनल नं. 1155 | airtel चैनल नं. 366

खबर संक्षेप

2500 से अधिक ठगों पर की गई कार्रवाई

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस ने 'ऑपरेशन साइहॉक 3.0' के तहत खुफिया जानकारी के आधार पर कई राज्यों में साइबर ठगी नेटवर्क के खिलाफ बड़े पैमाने पर अभियान चलाया है, जिसमें 2,563 लोगों के खिलाफ कार्रवाई की गई है। 627 करोड़ रुपए से अधिक के धोखाधड़ी मामलों को आपस में जोड़ा गया है।

कार-ट्रक की टक्कर परिवार के चार की मौत

चंडीगढ़। पंजाब के मानसा जिले में मानसा-सिरसा मार्ग पर एक ट्रक से कार की टक्कर के बाद हरियाणा में रहने वाले एक ही परिवार के चार लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। यह हादसा मानसा के सरदुलगढ़ इलाके के सरदुलेवाला गांव के पास हुआ, जब हरियाणा के सिरसा जिले में रहने वाला परिवार शुक्रवार देर रात चंडीगढ़ में एक शादी समारोह में शामिल होने के बाद घर लौट रहा था। अशोक कुमार, उषा, रितु और राधा सहित चार लोगों की मौके पर ही मौत हो गई।

तेज रफ्तार कार नहर में गिरी, तीन की मौत

नर्मदापुरम। मप्र के नर्मदापुरम जिले में देर रात तेज रफ्तार एक कार पुल की रेलिंग तोड़ते हुए नहर में जा गिरी, जिससे वाहन में सवार तीन युवकों की मौत हो गई। यह हादसा इटारसी-पथरोटा मार्ग स्थित पथरोटा नहर पुल पर रात करीब 12 बजे हुआ। कार चालक लकी पटेल (30), शिवम तिवारी (26) और अभय उर्फ अभि चौहान (19) की नहर में डूबने से मौत हो गई।

जुए के अड्डा का भंडाफोड़ 17 स्लॉट मशीनें जब्त

नागपुर। महाराष्ट्र के नागपुर शहर में पुलिस ने जुआ खेलने के एक अड्डे का भंडाफोड़ करके मौके से 17 स्लॉट मशीनें जब्त की। पुलिस ने सूचना के आधार पर शुक्रवार को तिमकी-पचपाओली रेलवे क्रॉसिंग के पास एक इमारत की ऊपरी मंजिल पर छापा मारा, जहां जुए में शामिल तीन लोगों को पकड़ा गया। पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि छापा मारने वाले दल ने 17 स्लॉट मशीनें, 4,000 रुपये नकद और अन्य इलेक्ट्रॉनिक उपकरण भी जब्त किए।

भारतीय छात्र ने लंदन में शुरू की 'थॉमस टूर' सेवा

लंदन। लंदन स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स (एलएसई) से हाल ही में मैक्रो-इकोनॉमिक्स में स्नातकोत्तर की डिग्री हासिल करने वाले केरल के एक छात्र ने रोजी-रोटी कमाने और ब्रिटेन में नौकरी की तलाश में जुटे स्नातकों का मनोबल बढ़ाने के लिए 'थॉमस टूर्स' नाम की अनूठी टूर गाइड सेवा शुरू की है। तिरुवल्ला के मल्लापल्ली गांव के रहने वाले जेम थॉमस मैथ्यू (23) ने अपने दादा के नाम पर 'थॉमस टूर' सेवा शुरू की है।

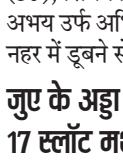

शाह के दौरे से पहले बस्तर में 51 नक्सलियों ने किया सरेंडर, 1 करोड़ 61 लाख के इनामी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जगदलपुर/बीजापुर

केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह के दौरे से पहले बस्तर संभाग के सुकमा और बीजापुर जिलों में शनिवार को 51 नक्सलियों ने सरेंडर कर दिया। बीजापुर एवं सुकमा में संगठन से जुड़े वरिष्ठ माओवादी कमांडरों ने हथियारों और विस्फोटक सामग्री के साथ आत्मसमर्पण किया, जिससे माओवादी संगठन को बड़ा रणनीतिक झटका लगा है। वहीं बीजापुर जिले में साउथ सब जोनल ब्यूरो से जुड़े 30 माओवादी कैडरों ने भी आत्मसमर्पण किया। इनमें 20 महिलाएं और 10 पुरुष शामिल हैं। आत्मसमर्पण करने वाले कैडर कंपनी पीपीसीएम (पार्टी प्लाटून कमेटी सदस्य), एरिया कमेटी सदस्य, पार्टी सदस्य, डीएकेएमएस, केएएमएस और जनताना सरकार ▶▶|शेष पेज 8 पर

अलग खबर

ओडिशा बेल्ट में माओवादी गतिविधियों के संचालन में निभा रहे थे अहम भूमिका

लांचर व एसएलआर सहित कई हथियार सौंपे

आत्मसमर्पण के दौरान सुकमा में तीन एके-47, दो एसएलआर, इंसास, बीजीएल लांचर, पांच सिंगल शाट, बड़ी मात्रा में राउंड, मैगजीन, जिलेटिन, डेटोनेटर और कार्डेक्स वायर सुरक्षा बलों को सौंपे गए। साथ ही बीजापुर में आत्मसमर्पण पर कार्डेक्स वायर का एक बंडल और 50 जिलेटिन स्टिक भी सुपुर्द की गईं।

मुख्यधारा की ओर लौटता विश्वास

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा कि छत्तीसगढ़ के बस्तर अंचल में शांति, विश्वास और विकास की दिशा में एक और महत्वपूर्ण सफलता सामने आई है। जिला बीजापुर में 30 और सुकमा में 21 माओवादी कैडरों ने राज्य सरकार की पुनर्वास आधारित पहल "पूना मारगेमः पुनर्वास से पुनर्जीवन" के अंतर्गत आत्मसमर्पण कर समाज की मुख्यधारा में लौटने का निर्णय लिया।

सेमरा की पहाड़ी पर मिले हथियार और विस्फोटक

ये हथियार हुए बरामद

धमतरी। आत्मसमर्पित नक्सलियों की निशानदेही पर डीआरजी की टीम ने सेमरा पहाड़ी पर नक्सलियों द्वारा छिपाकर रखे गए हथियार व विस्फोटक सामग्री बरामद की है। पुलिस के अनुसार धमतरी की डीआरजी टीम चंदनबाहरा एवं ▶▶|शेष पेज 8 पर

टीम द्वारा पहाड़ी क्षेत्र से बरामद किए हथियारों में 1 नग बीजीएल बैरल ग्रेनेड लांचर राइफल, 1 नग 8 एमएम राइफल, 3 नग बीजीएल ग्रेनेड, 8 नग बीजीएल के खाली कार्टिज, 25 ग्राम गन पाउडर, 1 नग पोच शामिल है। पुलिस जखीरे को जब्त कर आगे की कार्रवाई में जुटी है।

भारत-अमेरिका अंतरिम व्यापार समझौते की रूपरेखा पर सहमत

एक्सट्रा ट्रंप टैरिफ खत्म, भारत के लिए खुला 30,000 अरब डॉलर का बाजार

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली/वाशिंगटन

भारत और अमेरिका ने शनिवार को अंतरिम व्यापार समझौते के लिए एक रूपरेखा पर पहुंचने की घोषणा की, जिसके तहत दोनों देश द्विपक्षीय व्यापार को बढ़ावा देने के लिए कई वस्तुओं पर आयात शुल्क कम करेंगे। अमेरिका, भारतीय वस्तुओं पर शुल्क को मौजूदा 50 प्रतिशत से घटाकर 18 प्रतिशत करेगा। वहीं भारत सभी अमेरिकी औद्योगिक वस्तुओं और अमेरिकी खाद्य एवं कृषि उत्पादों की एक विस्तृत श्रृंखला पर आयात शुल्क समाप्त या कम करेगा। इनमें सूखे अनाज, पशु आहार के लिए लाल ज्वार, मेवे, ताजे और प्रसंस्कृत फल, सोयाबीन तेल, शराब और स्पिरिट शामिल हैं।

भारत और अमेरिका के एक संयुक्त बयान के मुताबिक, भारत ने अगले पांच साल में 500 अरब डॉलर के अमेरिकी ऊर्जा उत्पाद, विमान और विमान कलपुर्जे, कीमती धातु, प्रौद्योगिकी उत्पाद और कोकिंग कोयला खरीदने का इरादा जताया है। बयान के मुताबिक, अमेरिका और भारत को पारस्परिक और द्विपक्षीय रूप से लाभकारी व्यापार से संबंधित एक अंतरिम समझौते के लिए रूपरेखा तैयार करने की घोषणा करते हुए खुशी हो रही है। इसके अलावा, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक कार्यकारी आदेश के माध्यम से रूसी तेल की खरीद पर पिछले वर्ष अगस्त में भारत पर लगाए गए 25 प्रतिशत अतिरिक्त आयात शुल्क को हटा दिया है। ट्रंप ने कहा कि भारत ने इस दिशा में कई 'महत्वपूर्ण कदम' उठाए हैं। भारत ने रूस से प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से तेल ▶▶|शेष पेज 8 पर

क्या होगा फायदा

शुल्क में कमी से वस्त्र और परिधान, चमड़ा और जूते, प्लास्टिक और रबर, जैविक रसायन, गृह सज्जा, हस्तशिल्प उत्पाद जैसे भारत के श्रम-प्रधान क्षेत्रों और कुछ मशीनरी के निर्यात को बढ़ावा मिलेगा। इसके अतिरिक्त, जेनेरिक दवाइयों, रत्नों और हीरों, तथा विमान के कल-पुर्जों सहित कई प्रकार की वस्तुओं पर शुल्क शून्य हो जाएगा, जिससे भारत की निर्यात प्रतिस्पर्धी क्षमता और 'मेक इन इंडिया' को और बढ़ावा मिलेगा। भारत को विमान कलपुर्जों पर धारा 232 के तहत छूट, वाहन कलपुर्जों पर शुल्क दर कोटा और जेनेरिक दवाइयों पर बातचीत के माध्यम से प्राप्त लाभ भी मिलेंगे, जिससे इन क्षेत्रों में निर्यात में मजबूत वृद्धि होगी।

इन अमेरिकी चीजों पर जारी रहेगी रोक

- गेहूं, चावल, मक्का, बाजरा, रागी, जौ, ज्वार, ओट्स और उनसे बना आटा/मैदा
- आलू, प्याज, मटर, बीन्स, मशरूम और फ्रोजन सब्जियां
- संतरे, अंगूर, नींबू, स्ट्रॉबेरी
- दूध (लिक्विड, पाउडर, कंडेन्स्ड), क्रीम, दही, बटर मिल्क, मक्खन, घी,

क्या होगा सस्ता?

- भारत ने कुछ खास क्षेत्रों में इंपोर्ट ड्यूटीज कम की है, जिससे हाई-एंड सर्वर, एआई हार्डवेयर, जीपीयू और डेटा सेंटर के उपकरण सस्ते होंगे. इससे भारत के डिजिटल इन्फ्रास्ट्रक्चर को मजबूती मिलेगी।
- मशीनरी और गाड़ियों की बात करें तो औद्योगिक मशीनरी, इलेक्ट्रिकल्स और वाहनों के कलपुर्जों पर टैक्स घटाया है।

भारतीय निर्यातकों को क्या मिला?

- कपड़ा और जूते
- दवाइयां
- जेम्स और ज्वेलरी
- हस्तशिल्प और कालीन
- विमान के कलपुर्जे

किसान पूरी तरह सुरक्षितः गोयल

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि भारत ने अंतरिम व्यापार समझौते के तहत अमेरिका को सेब पर कोटा-आधारित शुल्क रियायत दी है, जबकि घरेलू सेब उत्पादकों के हितों को पूरी तरह सुरक्षित रखा गया है। अमेरिका से आने वाले सेब पर 80 रुपए प्रति किलोग्राम का आयात मूल्य और 25 प्रतिशत आयात शुल्क लगाया है।

झटके लगे और हादसा

सूरजकुंड मेले में गिरा झूला, इंस्पेक्टर की मौत

एजेंसी ▶▶| फरीदाबाद

हरियाणा के फरीदाबाद में आयोजित सूरजकुंड मेले में शनिवार शाम को एक बड़ा हादसा हो गया। सूरजकुंड मेले में झूला टूटकर गिरने से 13 लोग घायल हो गए हैं। कुछ लोगों की हालत नाजुक बताई जाती है जबकि एक पुलिस इंस्पेक्टर की मौत हो गई है। घायलों को नजदीकी अस्पताल में भर्ती करवाया गया है। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि करीब 6:15 सूरजकुंड मेले में दर्शक झूलों पर झेल रहे थे। इसी दौरान एक झूले में तकनीकी खराबी आ गई। इस खराबी के कारण झूले में बैठे दर्शकों को झटके लगने शुरू हो गए। तीसरा झटका लगते ही झूला नीचे आ गिरा। इससे झूले में सवार और वहां मौजूद लोग नीचे गिर पड़े। झूले में सवार दर्शकों के चोटिल होते ही चारों ओर चीख-पुकार और अफरा-तफरी मच गई।

ऑपरेटर के खिलाफ होगी कार्रवाई

हादसे की सूचना मिलते ही वरिष्ठ अधिकारी मौके पर पहुंचे। प्रशासन ने पूरे इलाके की बैरिकेडिंग की ताकि रेस्क्यू ऑपरेशन में समस्या ना आए। घायलों को तुरंत चार्मवुड विलेज स्थित निजी अस्पताल ले जाया गया। कुछ की हालत नाजुक बताई जा रही है। डीसी आयुष सिन्हा ने कहा कि जॉयराइड ऑपरेटर के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

गेट भी गिरा एक जख्मी

सूरजकुंड मेला परिसर के गेट नंबर-दो के पास बने बुंदेलखंड गेट का गेट गिर गया। इससे सेक्टर-28 निवासी सुमित मल्होत्रा घायल हो गए। स्थानीय लोगों का कहना है कि यह गेट हिल रहा था, जिसको ठीक करने का काम किया जा रहा था। इसी दौरान झटके से गेट गिर गया, जिसकी चपेट में आकर सुमित घायल हो गए।

31 साल पुराना केस

दो दिन की न्यायिक हिरासत में पप्पू यादव

एजेंसी ▶▶| पटना

बिहार के पूर्णिया लोकसभा क्षेत्र से निर्दलीय सांसद राजेश रंजन उर्फ पप्पू यादव को वर्ष 1995 के एक मामले में गिरफ्तारी के बाद शनिवार को पटना की एक अदालत ने दो दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया। अपर मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी की अदालत ने कहा कि उनकी जमानत याचिका पर सोमवार को सुनवाई होगी और तब तक उन्हें इलाज के लिए पटना चिकित्सा महाविद्यालय एवं अस्पताल में रखा जाएगा। पप्पू यादव को उनके आवास से गिरफ्तार किया गया था।

1995 में दर्ज हुआ था केस

सांसद पप्पू यादव को पटना में 31 साल पुराने एक मामले में आधी रात को गिरफ्तार किया गया है। यह मामला धोखे से घर किराए पर लेने से संबंधित है, जो 1995 में गर्दनीबाग थाने में दर्ज हुआ था। उनकी गिरफ्तारी से पहले उनके मंदिरी स्थित आवास पर लगभग 100 मिनट तक हाई वोल्टेज ड्रामा चला। पुलिस और पप्पू यादव के समर्थकों के बीच तीखी बहस और हंगामा भी हुआ।

छत्तीसगढ़ में ही नहीं पूरे देशभर में इस बार टमाटर का रेट लगभग एक सा

सस्ता ही नहीं, अच्छा भी...अच्छी क्वालिटी के टमाटर थोक में 2 से 4 और चिल्हर में 5 से 10 रुपए किलो

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

टमाटर के दाम अब जाकर बहुत कम हुए हैं। इस समय राजधानी रायपुर के थोक बाजार में जहां दाम 2 से 4 रुपए किलो हो गए हैं, वहीं चिल्हर में इसके दाम 5 से 10 रुपए किलो हैं। एक सप्ताह पहले ही टमाटर के दाम 20 से 30 रुपए किलो थे, लेकिन अब प्रदेश के टमाटरों का दूसरे राज्यों में जाना बंद होने के बाद दाम जमीन पर आ गए हैं। इस बार इसके दाम फरवरी में कम हुए हैं, जबकि बीते साल इसके दाम दिसंबर में ही कम हो गए थे। दूसरी सब्जियों के दाम भी इस समय बहुत कम हैं। परवल के दाम इस समय जरूर आसमान पर हैं। इसके दाम थोक में 230 रुपए और चिल्हर में 280 रुपए किलो हैं। लोकल ▶▶|शेष पेज 8 पर

अलग खबर

बीते माह तक दाम रहे ज्यादा

अब तक प्रदेश का लोकल टमाटर ज्यादा राज्यों में नहीं जाता था, लेकिन बीते साल से यहां के टमाटर कई राज्यों में जाने लगे हैं। यहां के टमाटर जहां उप्र, बिहार, झारखंड और ओडिशा जा रहे थे, वहीं पहली बार यहां से टमाटर दिल्ली और बंगाल भी गए। इससे अलावा टमाटर के सबसे बड़े हब धमधा क्षेत्र में कई हेक्टेयर में फसल खराब हो गई। ऐसे में जनवरी तक टमाटर के दाम थोक में 20 रुपए तक और चिल्हर में 30 रुपए तक रहे।

टमाटर और सब्जियों के दाम बहुत कम

टमाटर के दाम अब बहुत कम हो गए हैं। अब बाहर के राज्यों में टमाटर नहीं जा रहा है। ऐसे में थोक में इसके दाम दो से चार रुपए हो गए हैं। सब्जियों के दाम भी बहुत कम हैं।
- टी. श्रीनिवास रेड्डी, अध्यक्ष, डूमरतराई थोक सब्जी मंडी\

तुड़ाई और परिवहन में 2 रुपए का खर्च, थोक में कीमत 3 रुपए

देवीलाल साहू ▶▶| भिलाई

टमाटर के दाम अर्श से फर्श पर आ गया है। महीनेभर पहले मार्केट में जो टमाटर 40 रुपए चिल्हर में बिक रहा था, वह अब सीधे 5 से 6 रुपए किलो हो गया है। थोक में किसानों को 60 रुपए से लेकर 100 रुपए कैरेट बेचना पड़ रहा है। 25 किलो का एक कैरेट होता है। इस हिसाब से 2 रुपए से 3 रुपए किलो थोक भाव में किसान टमाटर बेच रहे हैं। दीगर राज्यों से एजेंट इसलिए नहीं आ रहे हैं कि राष्ट्रीय स्तर पर भी टमाटर के दाम यहां से ले जाकर बेचने पर एक जैसा पड़ेगा। लोकल बाड़ियों से टमाटर की बंपर पैदावारी इन दिनों हो ▶▶|शेष पेज 8 पर

पैदावारी एक साथ

लोकल बाड़ियों और खेतों से टमाटर की पैदावारी एक साथ हो रही हैं। छत्तीसगढ़ से दीगर राज्यों में टमाटर का परिवहन होता था वह भी बंद है। इसलिए कि नेशनल स्तर पर भी टमाटर का रेट यदि यहां से ट्रांसपोर्टिंग कर लेकर जाएंगे तो मंहगा पड़ेगा। जिसकी वजह से ट्रांसपोर्टर छत्तीसगढ़ में वाहनों का रैंक लगा नहीं रहे। मंडी में लोकल टमाटर की आवक काफी ज्यादा होने से टमाटर के दाम तेजी से घट रहे हैं। आगे और रेट गिर सकते हैं।
- झाबेद भूषण वैष्णव, महासचिव छग प्रगतिशील किसान संगठन

मोदी सरकार का हर बजट 'विकसित भारत' की दिशा में एक कदम

विचार
ओपी चौधरी

भारत के नवनिर्माण और आर्थिक कायाकल्प की दिशा में सरकार की प्रतिबद्धता का सबसे सशक्त प्रमाण उसका पूंजीगत व्यय है। पूंजीगत व्यय में 12.2 लाख करोड़ का अभूतपूर्व आवंटन केवल एक बजटीय आंकड़ा नहीं, बल्कि भारत की राजकोषीय नीति में आए गहरे संरचनात्मक बदलाव का संकेत है। इस परिवर्तन को सही परिप्रेक्ष्य में समझने के लिए अतीत के पन्नों को पलटना आवश्यक है।

वर्ष 2026, जब हम 21वीं सदी की दूसरी तिमाही में प्रवेश कर रहे हैं। केवल कैलेंडर का बदलता हुआ एक पन्ना नहीं, बल्कि भारत की आर्थिक यात्रा का एक निर्णायक मोड़ है। ऐसे दौर में जब वैश्विक व्यवस्था डगमगा रही है-जहां युद्ध सीमाओं से आगे बढ़कर आपूर्ति श्रृंखलाओं को बाधित कर रहे हैं और महाशक्तियां संरक्षणवाद की ओर लौटने को मजबूर हैं। भारत का उत्थान अपवाद का उदाहरण बनकर उभरता है। हाल ही में दुनिया के विभिन्न देशों के साथ 9 फ्री ट्रेड एग्रीमेंट (एफ.टी.ए.) पर हस्ताक्षर करके भारत ने न केवल अपनी कूटनीतिक धमक दिखाई है, बल्कि यह भी सिद्ध किया है कि हमारी पारंपरिक मूल्य-मान्यताएं केवल शांति के प्रवचन तक सीमित नहीं हैं। हम एक ऐसे विश्वसनीय और टिकाऊ साझेदार हैं, जो दूसरों के हितों का सम्मान करते हुए अपने राष्ट्रहित को साधना जानता है। इसी पृष्ठभूमि में, वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा प्रस्तुत केंद्रीय बजट 2026-27 को देखा जाना चाहिए।

यह बजट 'विकसित भारत @2047' के महास्वप्न को धरातल पर उतारने का एक हिस्सा है। 53,47,315 करोड़ का यह विशाल बजट, जो पिछले वर्ष के संशोधित अनुमान से 7.7% अधिक है, केवल राजकोषीय गणित का विस्तार नहीं है, बल्कि यह सरकार के उस संकल्प का प्रमाण है जो 'यथास्थिति' को स्वीकार करने के बजाय ट्रांसफॉर्मेशन पर जोर देता है।

भारत के नवनिर्माण और आर्थिक कायाकल्प की दिशा में सरकार की प्रतिबद्धता का सबसे सशक्त प्रमाण उसका पूंजीगत व्यय है। पूंजीगत व्यय में 12.2 लाख करोड़ का अभूतपूर्व आवंटन केवल एक बजटीय आंकड़ा नहीं, बल्कि भारत की राजकोषीय नीति में आए गहरे संरचनात्मक बदलाव का संकेत है। इस परिवर्तन को सही परिप्रेक्ष्य में समझने के लिए अतीत के पन्नों को पलटना आवश्यक है।

2004 से 2014 के बीच कांग्रेस सरकार के दौरान पूंजीगत व्यय 90,000 करोड़ रुपए से बढ़कर केवल 2 लाख करोड़ रुपए पहुंचा, यानी दस वर्षों में मात्र दो गुना। इसके विपरीत, आज पूंजीगत व्यय 12.2 लाख करोड़ रुपए से अधिक हो चुका है, जो 2014 की तुलना में छह गुना से भी ज्यादा की बढ़त को दर्शाता है। इस बदलाव का प्रभाव राज्यों में भी दिखाई देता है। उदाहरण के तौर पर छत्तीसगढ़ राज्य में रेलवे क्षेत्र के पूंजीगत व्यय में अकेले 24 गुना की अभूतपूर्व वृद्धि हुई है। इसका अर्थ है कि विकास अब कुछ गिने-चुने महानगरों तक सीमित न रहकर देश के दूरस्थ और पिछड़े क्षेत्रों तक पहुंच रहा है। बुनियादी ढांचे के प्रति यही गंभीरता भविष्य की उत्पादक क्षमता में वास्तविक और सतत निवेश का आधार बनती है। विपक्ष अक्सर यह आरोप लगाता है कि सरकार केवल 2047 के सुनहरे भविष्य की बात करती है और वर्तमान की चुनौतियों की अनदेखी करती है, लेकिन यह उनका सतही दृष्टिकोण और अनर्गल आरोप मात्र और अनर्गल आरोप मात्र हैं। 'विकसित भारत @2047' का संकल्प कोई हवाई सपना नहीं, बल्कि एक स्पष्ट और सुव्यवस्थित रोडमैप पर आधारित है जो अल्पकालिक , मध्यमकालिक और दीर्घकालिक लक्ष्यों का सटीक संतुलन है। संसद में साल-दर-साल प्रस्तुत होने वाला बजट केवल आय-व्यय का लेखा-जोखा नहीं होता, बल्कि यह उस महालक्ष्य की ओर भारत का 'एक-वर्षीय रणनीतिक कदम' है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नीतियों से लेकर उनकी कार्यक्रमों और योजनाओं तक, हर जगह 2047 के विकसित भारत की झलक स्पष्ट दिखाई देती है। यह बजट उसी दूरगामी दृष्टि का प्रमाण है, जो आज की नींव को मजबूत करते हुए भविष्य के निर्माण की ओर अग्रसर है।

विकसित भारत के निर्माण की यात्रा में यदि आज देश के पास कोई सबसे बड़ा 'कैटालिस्ट' है, तो वह उसकी युवा शक्ति है। युवाओं को सशक्त करना केवल एक नीतिगत लक्ष्य नहीं,हीं बल्कि राष्ट्र निर्माण से जुड़ा एक पुनीत कर्तव्य है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में सरकार ने पारंपरिक शिक्षा की केवल 'गिनती की पढ़ाई' तक सीमित रहने के बजाय सीधे तौर पर 'एम्प्लॉयबिलिटी' यानी रोजगार-क्षमता पर अपना ध्यान केंद्रित किया है। इसी दृष्टिकोण के तहत 'इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ क्रिएटिव टेक्नोलॉजी' और 'यूनिवर्सिटी टाउनशिप' जैसी पहलें की जा रही हैं, जो महज़ डिग्रियां बांटने वाले संस्थान नहीं, बल्कि भविष्य के ग्लोबल प्रोफेशनल्स तैयार करने के केंद्र हैं। इसका असर बजटीय प्राथमिकताओं में भी साफ दिखाई देता है। युवा मामलों के बजट में 2013-14 के मुकाबले 4 गुना वृद्धि और 3 करोड़ नौकरियों का लक्ष्य रखने वाली 'रोजगार लिंक्ड प्रोत्साहन' योजना यह स्पष्ट करती है कि सरकार का उद्देश्य युवाओं को केवल साक्षर बनाना नहीं, बल्किवैश्विक बाजार में आत्मनिर्भर और प्रतिस्पर्धी बनाना है।

21वीं सदी की डिजिटल अर्थव्यवस्था सेमीकंडक्टर चिप्स पर टिकी है। बजट में घोषित 'इंडिया सेमीकंडक्टर मिशन 2.0' भारत की तकनीकी संप्रभुता की दिशा में एक निर्णायक कदम है। इलेक्ट्रॉ निक कंपोनेंट मैन्युफैक्चरिंग के लिए 40,000 करोड़ रुपए का रिकॉर्ड व्यय केवल चिप निर्माण तक सीमित नहीं, बल्कि डिजाइन, रिसर्च और स्किल्ड वर्कफोर्स सहित एक संपूर्ण इकोसिस्टम खड़ा करने की रणनीति को दर्शाता है। इसी क्रम में ओडिशा, केरल, आंध्र प्रदेश और तमिलनाडु में 'रेयर अर्थ कॉरिडोर' के विकास पर फोकस भारत को सेमीकंडक्टर सप्लाई चेन में आत्मनिर्भर बनाएगा।

साथ ही, डेटा सेंटर और वैश्विक क्लाउड सेवाएं देने वाली कंपनियों को 2047 तक टैक्सहॉलिडे देना भारत को 'विश्व का डेटा हब' बनाने की दिशा में दूरदर्शी कदम है।

एक समय था जब भारत दुनिया का सबसे बड़ा मोबाइल आयातक था, लेकिन आज यह तस्वीर पूरी तरह बदल चुकी है। आज हम दुनिया के दूसरे सबसे बड़े मोबाइल निर्माता हैं। वैश्विक बाज़ार में अब 'मेड इन चाइना' नहीं, बल्कि 'मेड इन इंडिया' का बोलबाला है। स्थिति यह है कि एप्पल जैसी दिग्गज कंपनी न केवल भारत में निर्माण कर रही है, बल्कि 'भगवा' रंग में रंगे आईफोन भी यहीं तैयार होकर दुनिया भर में जा रहे हैं। लेकिन यह तो बस शुरुआत है-बजट का विजन यह सुनिश्चित करता है कि आने वाले समय में न केवल मोबाइल, बल्कि उसमें धड़कने वाला सेमीकंडक्टर और उसकी मूल तकनीक भी पूर्णतः भारतीय होगी।

गति ही प्रगति है-इस मंत्र को साकार करते हुए बजट में 7 हाई-स्पीड रेल कॉरिडोर की घोषणा भारत के आर्थिक भूगोल को बदलने की क्षमता रखती है। कल्पना कीजिए, बैंगलोर से चेन्नई केवल 1 घंटे 13 मिनट में और हैदराबाद से चेन्नई का सफर मात्र 2 घंटे 55 मिनट में पूरा होगा। यह केवल समय की बचत नहीं, बल्कि पर्यटन उद्योग को दोगुना करने और 2 करोड़ प्रत्यक्ष रोजगार सृजित करने का एक ठोस रोडमैप है। वैश्विक अस्थिरता के दौर में भी 7 प्रतिशत की विकास दर भारत की आर्थिक दृढ़ता का प्रमाण है, और ये कॉरिडोर देश के प्रमुख 'इकोनॉमिक सेंटर्स' को एकीकृत कर न केवल अर्थव्यवस्था को रफ़्तार देंगे, बल्किक्षेत्रीय कनेक्टिविटी को भी सुदृढ़ करेंगे।

1960-70 के दशक की संरक्षणवादी नीतियों से भारत की आर्थिक स्थिति लगातार बिगड़ती गई और लाइसेंस राज जैसी व्यवस्थाओं की अंतिम परिणति 1991 के आर्थिक सुधारों में आकर हुई। संरक्षणवादी की नीतियों ने देश को ऐसे 'डेट ट्रैप' में धकेला कि 1991 में भारत को अपना सोना तक विदेशों में गिरवी रखना पड़ा। आज भारत उस अतीत से सबक लेकर उन नीतियों को अपना रहा है, जिनमें 'स्वयं' के बजाय 'राष्ट्र' का हित सर्वोपरि है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का 'विकसित भारत' का संकल्प केवल तीव्र आर्थिक विकास और सुधार-आधारित प्रगति तक सीमित नहीं है, बल्कि इसने जन-कल्याण के क्षेत्र में वैश्विक स्तर पर एक नया बेंचमार्क स्थापित किया है। पीएम किसान सम्मान निधि, प्रधानमंत्री आवास, आयुष्मान भारत और उज्ज्वला जैसी योजनाओं ने सुनिश्चित किया है कि प्रगति का लाभ केवल शीर्ष पर न रुके, बल्कि कतार के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे। यही विजन 'विकसित भारत' को परिभाषित करता है-जिसकी नींव 'अंत्योदय' है, स्वरूप 'समग्र' है और उद्देश्य 'संतुलित' विकास है।

-लेखक छत्तीसगढ़ सरकार के वित्तमंत्री हैं।

भारत के हित में है अमेरिकी ट्रेड डील

मुद्दा
अरविंद जयतिलक
वरिष्ठ पत्रकार

महीनों बातचीत के उपरांत आखिरकार भारत और अमेरिका के बीच ट्रेड डील ने मूर्त रूप लेना शुरू कर दिया है। अमेरिकी टैरिफ घटने से बाजार बम-बम है और कारोबार का पहिया नाच उठा है। दोनों देशों के कारोबारियों के माथे पर जो द्विपक्षीय व्यापारिक तनाव की शिकन थी, अब वह उत्साह में तब्दील हो चुकी है। आर्थिक संबंधों की नई उर्जा के प्रवाह ने निर्यात के उछाल की उम्मीद जगा दी है। टैरिफ घटने से बड़े पैमाने पर रोजगार के अवसर सृजित होंगे और आर्थिक समृद्धि के द्वार खुलेंगे। भरोसे का संकट खत्म हुआ है और संबंधों के एक नए युग की नींव पड़ गई है। उल्लेखनीय है कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने जुलाई 2025 में 25 फीसदी टैरिफ का ऐलान किया था और उसके बाद रूसी तेल खरीद पर अतिरिक्त 25 फीसदी पेनॉल्टी लगाकर टैरिफ को 50 फीसदी कर दिया था। इससे न केवल भारत की मुश्किलें बढ़ी थी, बल्कि अमेरिकी बाजार भी अनिश्चितता की भेंट चढ़ने लगा था। अर्थात टैरिफ बढ़ाने का खामियाजा अमेरिका को ही भुगतने की नौबत आन पड़ी। भारत पर टैरिफ बढ़ाने से अमेरिका में न सिर्फ महंगाई बढ़ने लगी, बल्कि उसे कम जीडीपी और डॉलर के कमजोर होने का खतरा भी उत्पन्न हो गया। टैरिफ के सप्लाई-साइड इफेक्ट्स और एक्सचेंज रेट में बदलाव का नकारात्मक असर अमेरिका पर साफ दिखने लगा। ऐसे में अमेरिकी राष्ट्रपति के पास भारत पर टैरिफ कम करने का दबाव बढ़ गया। स्वागत योग्य है कि ट्रंप ने भारत से 50 फीसदी टैरिफ घटाकर 18 फीसदी कर दिया है। रूस के साथ तेल व्यापार के चलते लगाया गया अतिरिक्त 25 फीसदी टैरिफ भी पूरी तरह खत्म कर दिया गया है। सकल आंकलन करें तो 32 फीसदी टैरिफ की राहत मिली है। इससे अमेरिका में कारोबार करने वाली बड़ी कंपनियों की मार्जिन में सुधार होगा और उनकी माली सेहत भी मजबूत होगी। अब भारत को दीर्घकालिक रणनीति के रोडमैप को मूर्त रूप देकर वैश्विक कारोबारी चुनौतियों से पार पाना होगा। यहां अच्छी बात यह है कि दुनिया के अन्य देशों के मुकाबले भारत पर अभी भी टैरिफ कम है। अब हम बेहतर उत्पाद और कम टैरिफ के साथ अमेरिकी बाजार में अपनी पकड़ मजबूत कर सकते हैं। इसी तरह चीन की तुलना में भी टैरिफ कम है। इस कारण चीन से हमें अतिरिक्त डिमांड मिलने की संभावना प्रबल हो गई है। गौर करें तो अमेरिका ने जिन सेक्टरों पर टैरिफ घटाया है वे हमारे श्रम-उत्पाद निर्यात की दृष्टि से काफी महत्वपूर्ण हैं। इन सेक्टरों से हम बड़े पैमाने पर अमेरिका को निर्यात करते हैं। इनमें रेडिमेड गारमेंट, जूलरी, झींगा मछली, हीरे-जवाहरात, इंजीनियरिंग सामान, कीमती पत्थर इत्यादि प्रमुख हैं। गौर करें तो अमेरिकी टैरिफ घटने से सोने-चांदी की जूलरी पर 25 फीसदी, रेडिमेड गारमेंट पर 37 फीसदी, कालीन पर 13.7 फीसदी, बेडशीट पर्दे पर 27 फीसदी और झींगा तथा हीरे पर 7 फीसदी टैरिफ कम हुआ है। इससे इन सेक्टरों के उत्पादों की लागत में कमी आएगी और डिमांड बढ़ेगी। टैरिफ में कमी का सीधा फायदा भारत के उन उद्योगों को मिलेगा, जहां बड़ी संख्या में श्रमिक काम कर रहे हैं। दूसरी ओर, टैरिफ कम होने से भारतीय उपभोक्ताओं को लैपटॉप, मोबाइल, गैजेट्स, कंप्यूटर, इलेक्ट्रॉनिक्स और उनके पार्ट कम कीमत पर उपलब्ध होगा। ट्रेड डील पर संशय के बादल छंटने से अब विदेशी निवेशक भी भारत की ओर रुख तेज करेंगे। विशेष रूप से अमेरिकी निवेशकों का भारतीय बाजार पर भरोसा बढ़ेगा। ऐसा इसलिए कि भारत और अमेरिका के बीच आर्थिक संबंध वर्तमान में अपने सबसे मजबूत दौर में है। वर्ष 2000 से वर्ष 2025 के बीच अमेरिका भारत में तीसरा सबसे बड़ा विदेशी निवेशक रहा है, जिसमें 70.65 अरब डॉलर से अधिक का प्रत्यक्ष विदेशी निवेश आया है। वित्त वर्ष 2025 में भारत और अमेरिका के बीच द्विपक्षीय व्यापार रिकॉर्ड 132.2 बिलियन अमेरिकी डॉलर रहा। अच्छी बात यह है कि भारत अपने संवेदनशील क्षेत्रों मसलन कृषि और डेयरी सेक्टर के हितों की रक्षा सुनिश्चित करने में सफल रहा है। इसे लेकर ढेर सारी आशंकाएं जताई जा रही थी, लेकिन कॉमर्स एंड इंडस्ट्री मिनिस्टर पीयूष गोयल ने दो टूक कहा है कि देश के किसानों और दुग्ध उत्पादकों के हित सुरक्षित रहेंगे। उम्मीद है कि भारत-अमेरिका ट्रेड डील से दोनों देशों के कारोबारी रिश्ते को नई ऊंचाई मिलेगी और आर्थिक समृद्धि के नए द्वार खुलेंगे।

कॉमर्स एंड इंडस्ट्री मिनिस्टर पीयूष गोयल ने दो टूक कहा है कि देश के किसानों और दुग्ध उत्पादकों के हित सुरक्षित रहेंगे। उम्मीद है कि भारत-अमेरिका ट्रेड डील से दोनों देशों के कारोबारी रिश्ते को नई ऊंचाई मिलेगी और आर्थिक समृद्धि के नए द्वार खुलेंगे।

रूस से तेल खरीद पर संशय बरकरार

रणनीति
डा. एन. के. सोमानी
वरिष्ठ पत्रकार

भारत और अमेरिका के बीच बहुप्रतिक्षित व्यापार समझौते पर सहमति हो गई है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म पर पोस्ट में कहा कि उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी के प्रति दोस्ती और सम्मान के कारण और उनके अनुरोध पर व्यापार समझौते पर सहमति जताई है। समझौते के तहत अमेरिका एक कम पारस्परिक वाले टैरिफ को 25 प्रतिशत से घटाकर 18 प्रतिशत कर देगा। जबकि नई दिल्ली अमेरिकी वस्तुओं पर शुल्क घटाकर शून्य कर देगी । ट्रंप ने अपनी पोस्ट में यह भी कहा कि भारत ने रूस से तेल आयात को शून्य करने पर सहमति जताई है। भारत अब रूस की बजाए अमेरिका और वेनेजुएला से तेल खरीदना शुरू करेगा। इससे यूक्रेन में चल रहे युद्ध को खत्म करने में मदद मिलेगी। भारत कृषि जैसे संवेदनशील बाजारों को खोलेगा और अमेरिका से 500 अरब डॉलर मूल्य की वस्तुएं खरीदेगा। दूसरी ओर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एक्स पर अपनी प्रतिक्रिया में 18 प्रतिशत टैरिफ किए जाने पर खुशी व्यक्त की। उन्होंने ट्रंप को धन्यवाद दिया और वैश्विक शांति के लिए उनके प्रयासों के लिए समर्थन व्यक्त किया। लेकिन मोदी ने ट्रंप की उस घोषणा पर कुछ नहीं कहा जिसमें उन्होंने अमेरिका या वेनेजुएला से तेल खरीदने, कृषि बाजार खोलने की बात कही है। हालांकि मोदी सरकार ने रूस से तेल की खरीद बंद किए जाने के दावे पर सीधे तौर पर कोई प्रतिक्रिया नहीं दी। सरकार का कहना है कि 1.4 अरब भारतीयों की ऊर्जा सुरक्षा सुनिश्चित करना उसकी सर्वोच्च प्राथमिकता है और इसी आधार पर आयात से जुड़े फैसले किए जाते हैं। ट्रंप की कथित पोस्ट के बाद जो सवाल देश को परेशान कर रहे हैं ,उनमें एक सवाल रूस से तेल खरीद को लेकर भी है। रूस भारत का रणनीतिक सहयोगी और सदाबहार दोस्त है। पिछले लंबे समय से भारत रूस से कच्चे तेल का आयात कर रहा है। वॉशिंगटन के दबाव में आकर अगर भारत रूस से कच्चे तेल की खरीद पूरी तरह से बंद कर देता है तो इससे नई दिल्ली और मॉस्को के संबंध खराब हो सकते है। जाहिर है कि भारत मॉस्को के साथ अपने रणनीतिक संबंधों को खराब नहीं करेगा। हालांकि, आंकड़े बता रहे हैं कि पिछले कुछ माह में भारत की रिफाइनरियों ने रूसी तेल के ऑर्डर में भारी कटौती की है। रिलायंस इंड्रस्टीज ने तो यहां तक कह दिया है कि उसे जनवरी 2026 में रूस से कोई तेल नहीं मिला। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार नवंबर 2025 में आयात में लगभग 27 प्रतिशत की कमी आई हैं । नवंबर में यह 3.7 अरब डॉलर था। दिसंबर 2024 के मुकाबले पिछले साल की इसी अवधि की तुलना में यह 15 प्रतिशत कम है। दिसंबर 2025 में भारत के कुल 11.4 अरब डॉलर के तेल आयात में रूस की हिस्सेदारी 24 प्रतिशत रही। अहम बात यह है कि इस अवधि के दौरान अमेरिका से तेल आयात की हिस्सेदारी में वृद्धि हुई। दरअसल, अमेरिकी प्रतिबंधों और बदलती वैश्विक परिस्थितियों के बीच रूस से होने वाला आयात पिछले कई महीनों के सबसे निचले स्तर पर पहुंचा है। कहा जा रहा है कि इस गिरावट का मुख्य कारण अमेरिका द्वारा रूस की दिग्गज तेल कंपनियों रोजनेफट और लुकोइल पर लगाए गए कड़े प्रतिबंध है। दूसरा अहम सवाल यह है कि क्या भारत को वेनेजुएला से तेल खरीदना चाहिए। दरअसल वेनेजुएला की भारत से दूरी काफी ज्यादा है। इससे तेल की लागत हर बैरल पर 374 डॉलर बढ़ जाती है। ऐसी स्थिति में जब तक वेनेजुएला भारत को तेल खरीद पर बड़ी छूट न दे भारत को फायदा नहीं होगा। ऐसे में अगर भारत ट्रंप की इस मांग को दरकिनार कर देता है तो क्या समझौता मूर्त रूप ले सकेगा यह सवाल भी अहम है। इन तमाम सवालों के जवाब तभी सामने आएंगे, जब व्यापार समझौते पर हस्ताक्षर होंगे। हालांकि समझौते को लेकर टंप प्रशासन और मोदी सरकार दोनों अपनी पीठ थपथपा रहे हैं। जब तक समझौते का वास्तविक स्वरूप अर्थात ड्राफ्ट सामने नहीं आता, तब तक यह कहना मुश्किल है कि समझौते में बनी सहमति किसके हित सुनिश्चित करती है।

वॉशिंगटन के दबाव में आकर अगर भारत रूस से कच्चे तेल की खरीद पूरी तरह से बंद कर देता है तो इससे नई दिल्ली और मॉस्को के संबंध खराब हो सकते है।

टैरिफ वॉर छेड़ने वाले ट्रंप आखिर भारत के सामने नतमस्तक हुए

कूटनीति
रवि शंकर
वरिष्ठ पत्रकार

दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था यूरोपीय संघ और भारत ने मुक्त व्यापार समझौता करने की घोषणा की है। इसे दुनिया के सबसे बड़े आर्थिक समझौतों में से एक कहा जा रहा है। कहा तो ये भी जा रहा है कि इस समझौते की सबसे बड़ी वजह मौजूदा वैश्विक राजनीति है, जिसमें अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप कारोबार का इस्तेमाल अन्य देशों पर दबाव बनाने के लिए एक कूटनीतिक हथियार की तरह कर रहे हैं। अमेरिका की इसी आक्रमकता का जवाब देने के लिए यूरोपीय संघ और भारत तेज़ी से मुक्त व्यापार समझौते की तरफ बढ़े हैं।

इस समझौते को लेकर दोनों पक्षों में सैद्धांतिक सहमति बन गई है, लेकिन इसके प्रभावी होने में अभी लंबा वक़्त लग सकता है क्योंकि इसे क़ानूनी रूप देने के लिए यूरोपीय संघ की पार्लियामेंट और यूरोपीय परिषद में पारित करवाना है। बहरहाल, भारत और यूरोपीय संघ के बीच हुआ फ्री ट्रेड एग्रीमेंट केवल एक व्यापारिक समझौता नहीं है, बल्कि यह बदलते वैश्विक शक्ति संतुलन और भारत की रणनीतिक प्राथमिकताओं का भी संकेत देता है। यह डील ऐसे समय में सामने आई है, जब अमेरिका और भारत के बीच व्यापारिक तनाव बढ़ा हुआ है और अमेरिका भारतीय निर्यात पर भारी टैरिफ लागू कर चुका है। लेकिन यूरोपीय संघ और भारत के बीच हुए मुक्त व्यापार समझौता अमेरिका को आर्थिक से ज़्यादा राजनीतिक और रणनीतिक स्तर पर असहज कर दिया। यही वजह है कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को आखिरकार झुकना पड़ा और भारतीय सामानों पर लगने वाला टैरिफ 25 फीसदी से घटाकर 18 फीसदी करना पड़ा। यह फैसला इसलिए भी चौंकाने वाला रहा क्योंकि इससे पहले तक बातचीत बेनतीजा रही थी और अमेरिका लगातार भारत पर दबाव बना रहा था।

यह समझौता सिर्फ व्यापार का नहीं, बल्कि दबाव, मजबूरी और रणनीतिक बदलाव की भी मिसाल है। ट्रंप के इस फैसले के पीछे भारत और यूरोपियन यूनियन के बीच हुई बड़ी ट्रेड डील अहम वजह बनी। इस डील से भारत की ताकत बातचीत में बढ़ गई और अमेरिका को यह डर सताने लगा कि कहीं वह पीछे न छूट जाए। खुद प्रधानमंत्री मोदी ने कुछ दिन पहले ही भारत--ईयू डील को विकास, निवेश और रणनीतिक साझेदारी के लिए बड़ा कदम बताया था। गौरतलब है, दुनिया को जब ट्रंप का टैरिफ वॉर झकझोर रहा था, तब भारत ने सीधे टकराव की बजाय कूटनीति का रास्ता चुना। भारत ने अपने उत्पादों के लिए वैकल्पिक बाजार तलाशे। यूरोपियन यूनियन के साथ ऐतिहासिक डील, ब्रिटेन, ओमान और न्यूजीलैंड जैसे देशों के साथ समझौतों ने अमेरिका पर दबाव बढ़ा दिया। ट्रंप को समझ आ गया कि भारत के खिलाफ टैरिफ युद्ध छेड़ना एक बड़ी गलती थी। यह समझौता सिर्फ़ कारोबार तक ही सीमित नहीं है बल्कि इसके प्रभाव वैश्विक राजनीति पर भी होंगे, ख़ासकर अमेरिकी की आक्रामक कारोबार नीति पर। अमेरिका लंबे समय से भारत जैसे बड़े बाज़ार के साथ एक बड़ी ट्रेड डील करना चाहता था, ताकि वह भारतीय बाजार से अधिकतम लाभ उठा सके। यूरोपीय संघ के साथ समझौता आगे बढ़ाने का भारत का फैसला उसकी रणनीतिक स्वतंत्रता को दर्शाता है। इसी कदम ने संभवतः अमेरिका को यह संकेत दिया कि अगर वह भारत के साथ समझौता जल्दी नहीं करता, तो उसे रणनीतिक और आर्थिक नुकसान हो सकता है। यही वजह है कि ट्रंप को अपनी रणनीति भारत के खिलाफ बदलने पड़े। भारत ने यह स्पष्ट कर दिया है कि वह अपनी ऊर्जा जरूरतों जैसे कि रूसी कच्चा तेल पर समझौता किए बिना भी वैश्विक शक्तियों के साथ बराबरी के स्तर पर व्यापार कर सकता है। नतीजा यह हुआ कि टैरिफ वॉर में भारत मजबूती से खड़ा रहा और आखिरकार झुकना अमेरिका को पड़ा। बहरहाल, यह समझौता भारत के लिए कई महत्वपूर्ण सबक और चुनौतियां पेश भी करता है। भारत को अपनी निर्यात रणनीतियों और व्यापार समझौतों को इस बदलते सीन के अनुरूप ढालना होगा।

यह समझौता सिर्फ व्यापार का नहीं, बल्कि दबाव, मजबूरी और रणनीतिक बदलाव की भी मिसाल है। ट्रंप के इस फैसले के पीछे भारत और ईयू के बीच हुई बड़ी ट्रेड डील अहम वजह बनी।

अगर अमेरिका और ईयू जैसे बड़े ब्लॉक द्विपक्षीय समझौतों पर फोकस करते हैं तो भारत को अपनी सप्लाई चेन को और अधिक लचीला और विविध बनाने की जरूरत होगी ताकि एक या दो प्रमुख बाजारों पर निर्भरता कम हो सके। ये समझौता भारत को अपने खुद के मुक्त व्यापार समझौतों को तेजी से अंतिम रूप देने और मजबूत करने के लिए प्रेरित कर सकता है। यह ग्लोबल ट्रेंड भारत को 'मेक इन इंडिया' जैसी पहलों के माध्यम से अपने स्वदेशी उत्पादन और आत्मनिर्भरता को और मजबूत करने के लिए प्रोत्साहित कर सकता है ताकि वह बाहरी झटकों के प्रति कम संवेदनशील बने।

कृषि उपज के लिए बाजार न खोलना बड़ी सफलता

ट्रेड डील
उमेश चतुर्वेदी
राजनीतिक समीक्षक

इसमें दो राय नहीं है कि संयुक्त राज्य अमेरिका बरसों से भारतीय कृषि बाजार में बड़ी और व्यापक पहुंच हासिल करने की कोशिश में है। हाल ही में अमेरिका के साथ भारत ने महत्वपूर्ण व्यापार समझौता किया है। इसके तहत अमेरिकी बाजारों में भारतीय सामान 18 प्रतिशत के ही टैरिफ पर उपलब्ध हो सकेंगे। शनिवार को जारी मसौदे के मुताबिक भारत ने अपने कृषि क्षेत्र को अमेरिका के लिए नहीं खोला।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की ओर से भारतीय सामानों पर मनमाने तरीके से थोपे गए पचास प्रतिशत के टैरिफ के मुकाबले मौजूदा व्यापार समझौते के तहत 18 प्रतिशत का टैरिफ कम ही कहा जाएगा। हालांकि अतीत के करीब तीन प्रतिशत के मुकाबले फिर भी यह बहुत ज्यादा है। बहरहाल, इसी समझौते के मद्देनजर जिस तरह से अमेरिकी कृषि मंत्री ब्रुक लेस्ली रोलिंग्स ने खुशी जताई, उससे भारतीय किसान आशंकित हो उठे। भारतीय किसानों के आशंकित होने की वजह रोलिंग्स का बयान ही नहीं, अमेरिकी कृषि विभाग की कोशिशें भी हैं। रोलिंग्स ने व्यापार समझौते पर तीन फरवरी को एक्स पर खुशी जताते हुए लिखा कि यह समझौता अमेरिकी कृषि उत्पादों को भारत के विशाल बाजार में अधिक निर्यात करने में मदद करेगा, जिससे ग्रामीण अमेरिका में नकदी आएगी। रोलिंग्स ने उम्मीद जताई कि नए व्यापार समझौते की वजह से विशाल आबादी वाला भारत अमेरिकी कृषि उत्पादों के लिए महत्वपूर्ण बाजार हो सकता है। इसके चलते भारतीय किसानों का आशंकित होना जायज है। अमेरिका का कृषि व्यापार घाटा पचास अरब डॉलर है, इसलिए वह लगातार कोशिश करता रहा है कि भारत अपने कृषि बाजारों को खोले। भारत की चिंता की वजह उसकी खेती-किसानी वाली बड़ी जनसंख्या है। भारत में खेती पर करीब 10.7 करोड़ परिवार निर्भर हैं। यह जनसंख्या का करीब बासठ प्रतिशत है। अगर अमेरिकी कृषि उत्पादों को भारतीय बाजारों में घुसने की अनुमति मिलती है तो भारी सब्सिडी के चलते भारतीय बाजार अमेरिकी कृषि उत्पादों से भर जाएंगे। इससे भारतीय उत्पादों की मांग घट सकती है। ऐसे में भारतीय किसानों के सामने संकट उठ खड़ा हो सकता है। हालांकि, कृषि, किसान कल्याण तथा ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह का कहना है कि भारत-अमेरिकी व्यापार समझौते में भारतीय कृषि और डेयरी क्षेत्र के हितों से किसी भी प्रकार का समझौता नहीं किया गया है और किसानों के हित पूरी तरह सुरक्षित हैं। चौहान का यह भी कहना है कि इस कारोबारी समझौते से देश के मुख्य खाद्यान्नों, मिलेट्स, फलों, सब्जियों और डेयरी उत्पादों को पूरी तरह अलग रखा गया है। इस लिहाज से देखें तो इस कारोबार समझौते से देश के कृषि और डेयरी क्षेत्र पर किसी प्रकार का खतरा नहीं है। भारत अमेरिका समेत दुनिया के कई देशों को चावल का बड़ा निर्यातक है। भारत सरकार का दावा है कि नए टैरिफ समझौते से भारतीय किसानों के चावल और मसालों के साथ ही टेक्सटाइल का निर्यात बढ़ेगा।

इस समझौते से, भारतीय चावल, गेहूं, सोया और मक्का जैसे अनाजों को बाहर रखा गया है और साथ ही ट्रेड डील से चीनी और डेयरी प्रोडक्ट्स भी बाहर हैं।

समझौते के तहत भारत को अमेरिका से पांच सौ अरब डॉलर का सामान पांच सालों में खरीदना है। वैसे समझौते पर जो संयुक्त वक्तव्य जारी हुआ है, उसके तहत भारतीय कृषि बाजार को भी खोलने की बात कही गई है। लेकिन सरकारी सूत्रों का कहना है कि इस समझौते से, भारतीय चावल, गेहूं, सोया और मक्का जैसे अनाजों को बाहर रखा गया है और साथ ही ट्रेड डील से चीनी और डेयरी प्रोडक्ट्स भी बाहर हैं। ऐसा करने की वजह यह है कि भारतीय किसान और डेयरी उद्योग को कारोबारी परेशानियां न झेलनी पड़ें। वैसे भी भारत लंबे समय से कृषि और डेयरी उद्योग को 'रेड-लाइन' यानी किनारे रखने वाला सेक्टर मानता रहा है। इसकी वजह है कि गांवों में इनसे जुड़े काफी रोजगार हैं। इन सेक्टर को खोलने को लेकर भारत की बातचीत यूरोप और ब्रिटेन से भी अटक चुकी है। ऐसे में अमेरिका के लिए इस बाजार को खोलना भारतीय किसानों के लिए नुकसानदायक तो होगा ही, राजनीतिक बवंडर की वजह भी बन सकता है। साल 2024 में भारत ने अमेरिका से 2.4 अरब डॉलर के कृषि उत्पाद आयात किए थे, जिनमें ज्यादातर ताजे फल, सूखे मेवे, बादाम, अखरोट मादक पेय, कच्चा कपास, वनस्पति तेल और प्रोसेस्ड सामान हैं। भारत ने अमेरिका को 6.2 अरब डॉलर का कृषि निर्यात किया, जिनमें समुद्री उत्पाद, मसाले, डेयरी उत्पाद, चावल, जड़ी-बूटियों के आयुर्वेदिक उत्पाद प्रमुख रहे। यह भारत के कुल 53.2 अरब डॉलर सालाना के कृषि निर्यात का 11.74 प्रतिशत है। कृषि और डेयरी उत्पाद के कारोबार के इसी असुंलन की वजह से अमेरिका भारतीय बाजार में घुसने की लगातार कोशिश कर रहा है, लेकिन भारतीय सूत्र इससे साफ इनकार कर रहे हैं। भारत के सामने संकट यह है कि अगर उसने इस क्षेत्र को खोला तो छोटे और सीमांत किसानों के सामने जो चुनौतियां खड़ी होंगी, उनसे वह कैसे निबट पाएगा।

THE PARKSYDE

MOVE IN,
JUNE 2026

2 BHK Luxurious Flat

1250 sq.ft. 250+ Families Happily Living

Kachna, Raipur 73540 999 90

2,3,4,5 BHK Apartments | 4 Mins From Ambuja Mall

RERA No PCGRERA230922001523 Registered at www.rera.cgstate.gov.in

A PROJECT BY
RISHABH BUILDERS
Building your Dreams
RAIPUR | BHILAI | DURG | KANKER

haribhoomi.com

हरिभूमि

रविवार भारती

छत्तीसगढ़, दिल्ली, हरियाणा और मध्यप्रदेश से एक साथ प्रकाशित

4

स्पेशलः वैलेंटाइन-डे
14 फरवरी

रविवार
8 फरवरी 2026

आवरण कथा / सरस्वती रमेश

कई सदी पहले कबीर ने कहा था, 'ढाई आखर प्रेम का पढ़े सो पंडित होय।' वास्तव में यह शब्द और इसमें निहित मनोभाव इतना गहन, इतना विराट है कि जिसकी थाह आज तक कोई नहीं लगा पाया। लेकिन जो भी इस सुंदरतम भाव को अपने मन में संजोता है, उसका जीवन आनंद से भर उठता है। इसकी पराकाष्ठा में वह स्वयं विलीन होकर भी सब कुछ प्राप्त करने की अनुभूति करने लगता है। यही वजह है कि व्यष्टि से जन्मा प्रेम समष्टि से एकाकार हो जाता है।

जीवन का गहनतम सुंदरतम मनोभाव प्रेम

यह सही है कि बीते कई वर्षों से वैलेंटाइन-डे का क्रेज इतना बढ़ गया है कि इस वजह से पूरे फरवरी को प्रेम का महीना माना जाने लगा है। इसकी आहट के साथ ही बाजार, प्रेम के प्रतीकों से सज जाते हैं। उपहार और गुलाबों की भरमार हर ओर दिखाई पड़ने लगती है। सवाल है, क्या वास्तव में प्रेम का उपहार और बाजार से कोई लेना-देना होता है? सदियों पहले कबीर दास जी कह गए हैं-

प्रेम न बाड़ी उपजे, प्रेम न हाट बिकाई।
राजा परजा जेहि रुचे, सीस देहि ले जाई।।

वे कह गए हैं कि प्रेम का बाजार से कोई लेना-देना नहीं होता है। सच्चा प्रेम न तो खेत में और न ही भौतिक वस्तुओं से उपजता है। प्रेम तो आत्म बलिदान मांगता है। प्रेम एक सघन-गहन भावना है। इसकी खरीदी-बिक्री नहीं हो सकती। इसकी तो बस अनुभूति की जा सकती है, हृदय के गहनतम अंतःस्थल में। बाजार सिर्फ छलावा और दिखावा को पोषित करता है, प्रेम को नहीं।

गहन-असीमित है प्रेम में निहित भाव

प्रेम की संकल्पना इतनी विस्तृत और गहन होती है कि इसे किसी भाषा में मुकम्मल रूप में व्यक्त कर पाना संभव ही नहीं है। ढाई अक्षर के प्रेम शब्द की व्याख्या करने बैठो तो समुद्र की सीमाएं कम पड़ जाएं, आकाश का विस्तार बौना जान पड़े। प्रेम का स्वरूप असीम है। प्रेम की संकल्पना जितनी सरल लगती है, उतनी गूढ़ भी है। गुरुदेव रवींद्र नाथ टैगोर, प्रेम को एक अबूझ रहस्य कहते थे, क्योंकि इसे समझाने का कोई जरिया नहीं है। इसे तो वही समझ सकता है, जिसने स्वयं प्रेम किया हो। प्रेम में आत्म का बलिदान किया हो। जैसे राधा ने किया, मीरा ने किया। राधा-कृष्ण के प्रेम के गूढ़ रहस्य की व्याख्या सबने अपने-अपने तरीके से की है। युगों पहले दोनों वृंदावन की गलियों में शरीर रूप में उपस्थित रहे, पर वास्तव में दोनों का प्रेम आलौकिक, अशरीरी रहा। इसमें ना मिलन की चाह थी, ना सदैव साथ रहने की कोई इच्छा। सिर्फ स्वीकार्य भाव। कृष्ण का राधा के प्रति। राधा का कृष्ण के प्रति। राधा जानती थीं कि श्रीकृष्ण अपने कर्तव्य से बंधे हुए हैं। इसीलिए उनका प्रेम कृष्ण के पथ का कभी रुकावट नहीं बना। उनका प्रेम तो आत्मा के देवालय में प्रज्वलित दीपक समान शाश्वत है। हर वक्त, हर परिस्थिति में दिपदिपा रहा है। श्रीकृष्ण के साथ रहते हुए भी और कृष्ण से दूर रहकर भी। इसकी दीप्ति में कोई कमी नहीं आती। असल में प्रेम वही है, जिसमें कोई चाह ना हो। कोई शर्त ना हो। जहां चाहना और शर्तें आईं, वहीं प्रेम व्यापार हो गया। 'तुम मुझे प्रेम करो, क्योंकि मैं तुमको प्रेम करता हूं।' जहां यह भाव आता है, वहां प्रेम सौदा बन जाता है। उसका सौंदर्य मलिन हो जाता है। प्रेम तो प्रियतम की आत्मा का विस्तार है, जिसमें अंत में प्रियतमा को भी विलीन हो जाना है। जैसे गोपियां श्रीकृष्ण के प्रेम में विलीन हो गईं। जैसे हीर, रांझा के प्रेम में विलीन हो गई। *'रांझा-रांझा करदी वे, मैं आपे रांझा होई।'*

प्रेम में चालाकी नहीं चलती

प्राचीन काल से भारतीय संस्कृति के कण-कण में प्रेम रचा बसा हुआ है। प्रेम को सबसे पवित्र भावना माना गया है। प्रेम के बल पर ईश्वर को भी जीता जा सकता है। लेकिन प्रेम में चालाकी का कोई स्थान नहीं। प्रेम, स्वार्थ, गणना और छल से परे एक पवित्र भाव है। जहां चालाकी आ जाती है,वहां विश्वास का क्षय होता है और प्रेम व्यापार बन जाता है। सच्चा प्रेम न तो लाभ देखता है, न ही हानि। वह निःस्वार्थ, निष्कपट और समर्पित होता है। चालाक व्यक्ति प्रेम को अपने हित के

लिए साधन मानता है, जबकि प्रेम स्वयं में साध्य है। इसलिए प्रेम तभी शुद्ध, दीर्घकालिक और स्थायी रह सकता है, जब उसमें ईमानदारी, पारदर्शिता और सच्चाई हो। घनानंद कह गए हैं-

अति सूधो सनेह को मारग है,
जहां नेकु सयानप बांक नहीं।

प्रेम से उपजते हैं जीवन मूल्य

प्रेम हमारे जीवन का सबसे उदात्त और शाश्वत मूल्य है। यह जीवन का मूल आधार है। मनुष्य को मनुष्य बनाए रखने के लिए कुछ जीवन मूल्यों की आवश्यकता होती है। ये जीवन मूल्य प्रेम से ही उपजते हैं। प्रेम कठिन परिस्थितियों में भी जीवित रहने की शक्ति देता है। जीवन के महानतम उद्देश्य भी प्रेम के अभाव में अधूरे व निरर्थक सिद्ध होते हैं। प्रेम वह रोशनी है, जो जीवन को अर्थ व दिशा प्रदान करता है। देखा जाए तो सृष्टि के कण-कण में प्रेम समाहित है। सुबह की लालिमा, बारिश की रिमझिम बूंदें, वासंती हवाएं, फूलों में बसी सुगंध और नदियों के कल कल निर्मल प्रवाह के जरिए प्रकृति हर ओर प्रेम का संदेश प्रवाहित करती है। प्रेम वह शक्ति है, जिससे यह सृष्टि परिचालित होती है, जिसने अब तक मनुष्यता को बचा कर रखा है।

कम न हो प्रेम की महत्ता

जीवन में प्रेम का महत्व एक गहन सत्य है। प्रेम का कोई स्थानापन्न नहीं है। पूरा ब्रह्मांड प्रेम की असीम ऊर्जा व अदृश्य डोर से बंधा हुआ है। लेकिन बीते कुछ दशक से प्रेम के मूलाधार में कुछ अशक्तता आई है। विश्वास, करुणा, बलिदान, समर्पण जैसे भावों में संकुचन दिखलाई पड़ा है। नित्यप्रति एकाकी होती व स्व में सिमटती जा रही दुनिया के लिए प्रेम के विस्तार को जानना, समझना आज और भी आवश्यक हो गया है। *

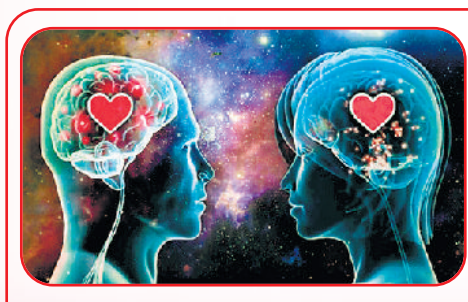

विज्ञान की नजर में प्रेम

प्रेम, दुनिया की सबसे कोमल लेकिन सबसे शक्तिशाली भावना भी है। एक खूबसूरत पर जीवन का रूपांतरण करने वाला अहसास है प्रेम। इस अहसास को विज्ञान अपने नजरिए से व्याख्यायित करता है। विज्ञान कहता है कि हमारे हृदय में प्रेम की चिंगारी जलाने के लिए डोपामाइन हार्मोन जिम्मेदार है। जब हम किसी के प्रति अपनापन महसूस करते हैं, उससे गले मिलते हैं तो हमारे शरीर में ऑक्सीटोसिन नामक हार्मोन भी निकलता है। वहीं दिल की धड़कन बढ़ने पर एड्रेनेलिन नामक हार्मोन निकलता है। इन हार्मोंस के अधिक मात्रा में निकलने के कारण व्यक्ति को विपरीत लिंग के प्रति आकर्षण या अपनेपन की भावना महसूस होती है। यही हार्मोंस दिमाग में प्यार का अनुभव कराते हैं। हालांकि मनोवैज्ञानिक यह मानते हैं कि प्रेम को सिर्फ हार्मोन के जरिए समझना आसान नहीं है, क्योंकि प्रेम में जितनी इनकी भूमिका होती है, उतनी ही आपसी समझ, देखभाल, त्याग, भरोसा और भावनात्मक लगाव की भी भूमिका होती है। हार्मोन का काम तो कुछ देरी का होता है। लेकिन भावनाएं लंबे समय तक काम करती हैं और एक-दूसरे से जोड़कर रखती हैं। जिस तरह शरीर के लिए भोजन, पानी और गतिशीलता की जरूरत होती है, ठीक वैसे ही मस्तिष्क के लिए प्रेम की।

शोर कम-समझ ज्यादा
बदल रहे प्यार के मायने

भले ही एक वर्ग के लिए वैलेंटाइन-डे प्रेम के इजहार और उल्लास का पर्व है। लेकिन युवाओं में ही एक वर्ग ऐसा भी है, जो प्यार के इस उत्सव को भी सहजता से मनाता है। उनके लिए प्रेम, दिखावा नहीं साझेदारी और समझदारी का रिश्ता बन चुका है।

नया दौर
डॉ. अनिता राठौर

सुबह के 7 बजे हैं। एक छोटे से फ्लैट में दो लोग रोज की तरह अपने अपने लैपटॉप खोलकर दिन की शुरुआत करने लगते हैं। जबकि उस दिन 14 फरवरी है यानी, प्रेम का दिन, वैलेंटाइन-डे। लेकिन आस-पास न कहीं गुलाब है, न कोई मोमबत्ती है और न आपस में कोई फिल्मी डायलॉग बोले जाते हैं। हां, टेबल पर रखी दो कप चाय और एक-दूसरे की तरफ बढ़ा हुआ हल्का-सा मुस्कुराता चेहरा। आप भले न यकीन करें, लेकिन सच है कि परिपक्व सोच रखने वाले बहुत से युवा युगलों का प्यार, शांत-सजग-व्यावहारिक और भरोसे से भरा हुआ हो चुका है। आज का प्यार, दो दशक पहले जैसा नहीं रहा। यानी, एक वर्ग के लिए प्रेम ने अपना रूप बदला है। लेकिन गहराई नहीं खोई। प्रेम अब दिखावे से निकलकर समझदारी, व्यावहारिकता और लाइफस्टाइल के संग आ गया है। इसमें मानसिक सुरक्षा भी पहले से कहीं ज्यादा शामिल हो चुकी है।

अब भावना नहीं साझेदारी

आज की समझदार पीढ़ी के पास प्यार को सिर्फ फीलिंग के रूप में देखने की न तो जरूरत है और न ही इतनी फुर्सत। उनके लिए प्यार, साझेदारी का नाम है। जीवन की जिम्मेदारियों का नाम है। मिलकर उठाई जाने वाली जिम्मेदारियां। इसलिए आज के कपल मिलकर करियर की योजना बनाते हैं। खर्च और बचत पर खुलकर बात करते हैं। घरेलू और बाहरी जिम्मेदारियों को ईमानदारी से बांटना स्वीकार करते हैं और मुश्किल समय में एक-दूसरे का सहारा बनते हैं। आज के समय में, 'तुम मुझसे कितना प्यार करते हो?' से ज्यादा यह अहम हो गया है, 'हम एक-दूसरे के लिए कितने भरोसेमंद हैं?'

स्पष्टता है सबसे बड़ी खूबी

आज कपल्स के प्यार में जितनी स्पष्टता है, इतनी पहले कभी नहीं रही और यही आज के प्यार की सबसे बड़ी खूबी है। कपल अब यह कहने से नहीं डरते कि वो चाहते क्या हैं और साफ-साफ बताते हैं कि वो क्या नहीं चाहते? मसलन- उन्हें शादी करनी है या नहीं। बच्चे चाहिए या नहीं। एक-दूसरे के लिए कितना स्पेस चाहिए और सबसे बड़ी बात यह है कि वो किस तरह का जीवन जीना चाहते हैं? याद रखिए, यह स्पष्टता रिश्तों को तोड़ती नहीं है बल्कि ज्यादा मजबूत बनाती है, क्योंकि भ्रम पर टिके रिश्ते बहुत जल्दी थक जाते हैं और सच्चाई के सहारे आगे बढ़ने वाले रिश्ते दूर तक जाते हैं।

अब प्यार का हिस्सा है मेंटल हेल्थ

आज के युवा इस बात को भली-भांति जानते हैं कि उनका मानसिक स्वास्थ्य भी उतना ही महत्वपूर्ण है, जितना कि शारीरिक। इसलिए अब पार्टनर्स एक-दूसरे की थकान को समझते हैं। एंग्जाइटी और तनाव पर बिना झिझक खुलकर बात करते हैं और जरूरत पड़ी तो प्रोफेशनल्स की मदद लेने से न झिझकते, न कतराते हैं। आज के युवा एक-दूसरे से बड़ी सहजता से कहते हैं, आज मेरा मन ठीक नहीं है। क्योंकि वो जानते हैं कि उनके इस वाक्य को गलत शब्द और संदर्भ में नहीं लिया जाएगा। पुरानी पीढ़ी के लोग भले टेक्नोलॉजी को कितना कोसते हों, लेकिन युवाओं के लिए टेक्नोलॉजी अलगाव का नहीं जुड़ाव का माध्यम है। भले पुरानी पीढ़ी के लोग मानते हों कि मोबाइल और इंटरनेट रिश्तों का दुश्मन है। लेकिन आज के दौर में प्यार करने वाले युवा इस बात से कतई सहमत नहीं हैं। इसलिए वो वीडियो कॉल के साथ भी खाना खाते हैं। एक-दूसरे को वॉयस नोट्स भेजते हैं, उनकी प्लेलिस्ट साझा होती है और हां, ऑनलाइन कैलेंडर में डेट-नाइट भी फिक्स करते हैं। उनके लिए टेक्नोलॉजी केवल टाइम पास का जरिया नहीं दिलों की दूरी कम करने के नए रास्ते भी खोलती है।

बराबरी है रिश्तों की बुनियाद

आज के प्रोफेशनल युवा यह मानते हैं कि रिश्ता मालिकाना हक नहीं बराबरी का संबंध है, इसलिए बिना झिझक और बिना किसी हैंगओवर के घरेलू काम दोनों मिलकर करते हैं। सारे फैसले मिलकर लेते हैं। एक-दूसरे के करियर को बराबर का सम्मान देते हैं। आज के युवाओं के बीच 70 के दशक की फिल्मों के यह डायलॉग शायद ही कहीं सुनने को मिलते हों, 'मैं तुम्हारे बिना कुछ नहीं हूं।' बल्कि इसकी जगह आज यह डायलॉग आम है, 'मैं तुम्हारे साथ और बेहतर बनता-बनती हूं।' आज के प्यार की मजबूती सेल्फ लव है, क्योंकि अब नई पीढ़ी को यह बात बहुत अच्छी तरह से समझ में आती है कि खुद से प्यार करना स्वार्थ नहीं, प्यार की समझ होना है। इसलिए आज के युवा अपने शौक के लिए समय निकालते हैं, अपने रिश्तों की सीमाएं तय करते हैं और हर वक्त उपलब्ध रहने की मजबूरी से दूर रहते हैं। क्योंकि जब कोई खुद संतुलित होता है, तभी किसी रिश्ते में स्वस्थ योगदान दे पाता है।

लब्बोलुआब यह कि आज वैलेंटाइन-डे केवल गिफ्ट्स एक्सचेंज का दिन नहीं रहा। यह समझदारी भरी बातचीत का दिन है, यह एक-दूसरे को ध्यान से सुनने का दिन है, यह भविष्य की योजनाएं साझा करने का दिन है और यह आभार जताने का भी दिन है। आज के युवा इस दिन साथ बैठकर एक-दूसरे के लिए प्यार और मनुहार के गीत नहीं गाते, अपने साझा लक्ष्य तय करते हैं। फाइनेंशियल प्लानिंग बनाते हैं, क्योंकि प्यार की नई भाषा और नई परिभाषा यही है। *

कविता
आरती आस्था

प्रेमानुभूति

मुझे नहीं आता
करना प्रेम
बांधकर इसे सीमाओं में
सच कहूं तो
करने-कराने जैसी शय भी
लगी नहीं मुझे कभी प्रेम
प्रेम तो नाम है बिखरने का
खुद को बिखराने का
कितना भी बिखरो इसमें
बिखराओ भी चाहे जितना
करते रहते हैं हम
प्रेमानुभूति से
समृद्ध-संपन्न-संपूर्ण
खुद को ही।

व्यंग्य / अंशुमाली रस्तोगी

इश्क की शमा जलाए रखिए

इधर कुछ दिनों से नेगेटिव होना-सोचना कतई छोड़ दिया है मैंने। ज्यादातर पॉजिटिव ही रहता हूं। देश-दुनिया की फिक्र उतनी ही करता हूं, जितना मेरा दिमाग इजाजत दे। मूड को कूल रखता हूं। दिल बहलाने के लिए, कभी-कभार, पूर्व प्रेमिका के खतों को पढ़ लिया करता हूं। उसके भेजे वैलेंटाइन-डे के कार्ड्स आज भी मन में उमंग भर देते हैं। क्या जमाना था वो। तब न सोशल मीडिया की लत थी, न गैजेट्स का शोर। सुकून के साथ इश्क का इजहार भी हो जाता था और इनकार भी। न किसी के खत वायरल होते थे, न किसी की इज्जत खराब होती थी। हां, जिनके दिल टूटते थे, वे खुद से ही जोड़ भी लेते थे। वो छत और गली-मोहल्ले वाला इश्क रह-रहकर दिल को उसी खुशनुमा दौर में लिए जाता है। खैर, आज के दौर में तो वैलेंटाइन-डे सोशल मीडिया पर शुरू होकर यहीं खत्म हो जाता है। इंस्टाग्राम, व्हाट्सएप पर इजहार हो जाता है और यहीं इनकार भी। अब स्क्रीनशॉट वायरल होते हैं। वर्चुअल लड़ाई-झगड़े होते हैं। फिर कब, कौन, कहां, किसके साथ डेट पर चल देता है, कुछ पता ही नहीं चलता। लंबे मगर खूबसूरत इश्क शायद ही निभाए या चल पाते हों अब।

बदलते दौर को देख मैंने भी अब खुद को लगभग बदल लिया है। एआई की शरण में हूं। उससे पूछ रहा हूं कि 'नई प्रेमिका संग वैलेंटाइन-डे कैसे मनाऊं?' एआई बता रहा है, 'पहले उसको व्हाट्सएप पर अच्छा-सा मैसेज लिखो। फोन पर रोमांटिक बातें करो। शाम का टाइम फिक्स कर साथ कॉफी पीना तय करो। हां, साथ एक बुके जरूर ले जाना। इतने से ही आपका दिन बन जाएगा।' प्रेमिका चूंकि नए जमाने की है। उसके नाज-नखरे कुछ अलग हैं। दिल पर तुरंत ले लेती है। अटेंशन पूरी चाहती है। इश्क को कविता की मानिंद लेती है। इसलिए ध्यान भी खास रखना पड़ता है। नया-नया मामला है। नहीं चाहता वैलेंटाइन-डे पर पानी फिर जाए।

साथी लोग समझाते हैं, इस उम्र में तुम्हें इश्क में नहीं पड़ना चाहिए। मैं उनसे पूछता हूं, 'क्यों? इश्क की कोई उम्र नहीं होती। जब दिल चाहे इश्क कीजिए। एक से कीजिए या अनेक से, यह निर्भर आपकी जिंदादिली पर। यों भी, इश्क करते रहने से उम्र बढ़ती ही है, कम नहीं होती। इश्क दिल-दिमाग को मजबूत बनाता है। इश्क में नमक भी होता है मिठास भी। वैलेंटाइन बाबा इस हकीकत को बहुत अच्छे से जानते-समझते थे।'

नेगेटिविटी का साथ छोड़ पॉजिटिव बनिए। जितना पॉजिटिव रहेंगे, उतना ही इश्क परवान चढ़ेगा। मैं पॉजिटिविटी का दामन थामे हुए हूं। तकनीक के साथ पॉजिटिव वैलेंटाइन मनाने में यकीन रखता हूं। माना कि इश्क करने के मायने-तरीके बदल चुके हैं अब, पर जज्बा तो साथ है न। काफी है। अकसर सोचता हूं, जिनकी प्रेमिकाएं नहीं होतीं, उनका जीवन कितना नीरस रहता होगा? न कोई रोमांस, न कोई उमंग, न कोई टशन। वैलेंटाइन-डे आए या चला जाए उनकी सेहत पर क्या फर्क!

पुनः कह रहा हूं, इश्क की शमा दिल में जलाए रखिए। शाम होने का इंतजार न कीजिए। जीवन जितना मिला है, इश्क के हवाले कर दिमाग को स्ट्रेस-फ्री रखिए। प्रेमिका के लिए शेर कहते रहिए। कविताएं लिखते रहिए। हर वैलेंटाइन साथ जुड़े रहिए। इश्क का रंग गाढ़ा होता रहेगा, यकीन मानिए। और हां, इश्क के साथ अक्ल कतई न लगाएं। अक्ल इश्क की नजाकत का मजा किरकिरा कर देती है।

बकौल अकबर इलाहाबादी साहब-
इश्क नाजुक-मिजाज है बेहद
अक्ल का बोझ उठा नहीं सकता। *

लघुकथा / डॉ. अलका जैन 'आराधना'

सच्चा प्यार

शहर की भाग-दौड़ और वैलेंटाइन-डे के शोरगुल से दूर, माधव अपने बगीचे में लगे उन पौधों को निहार रहे थे, जो वसंत की दस्तक से खिलखिला उठे थे। तभी उनकी पत्नी सावित्री, रसोई से अदरक वाली चाय लेकर बरामदे में आईं और हल्की मुस्कान के साथ माधव को चाय का प्याला थमाते हुए वहीं बैठ गईं।

तभी घर के दरवाजे की घंटी बजी। उनका बेटा और बहू हाथ में फूलों का एक बड़ा गुलदस्ता और केक लेकर भीतर आए। उन्होंने उत्साह में कहा, 'हैप्पी वैलेंटाइन-डे मम्मी-पापा!' माधव और सावित्री ने एक-दूसरे की ओर देखा। उनकी आंखों में एक-दूसरे के प्रति अगाध सम्मान था। बहू ने उत्सुकता से पूछा, 'पापा जी, आप आज मम्मीजी को क्या गिफ्ट दे रहे हैं?'

माधव ने अलमारी के दराज से एक पुराना, पीला पड़ चुका लिफाफा निकाला और सावित्री के हाथों में पकड़ा दिया। जब सावित्री ने उसे खोला तो उसमें उन तमाम जगहों की सूचियां और प्यारी तस्वीरें थीं, जहां वे पिछले चालीस सालों में साथ घूमने गए थे। माधव ने गरिमापूर्ण स्वर में कहा, 'मेरा उपहार उन हसीन पलों से जुड़ी वो यादें हैं सावित्री, जो हमने एक-दूसरे के साथ बिताई थीं।' यह देख-सुनकर सावित्री की आंखों में खुशी के आंसू छलक आए। उनके बेटे-बहू को एहसास हो गया कि सच्चा प्यार क्या होता है! *

पत्रिका चर्चा / विज्ञान भूषण

प्रेम कथा अनंता

जिस तरह से ईश्वर और उसकी कथा का कोई अंत नहीं है, उसी तरह प्रेम की कथा भी अनंत है। यही वजह है कि विश्व साहित्य में आरंभ से ही प्रेम पर असंख्य कविताएं और कहानियां लिखी जाती रही हैं, लेकिन यह सिलसिला आज भी अनवरत जारी है। हिंदी जगत की अनेक पत्रिकाएं भी प्रेम पर केंद्रित विशेषांक निकालती रही हैं। इसी क्रम में 'निकट-43' का ताजा अंक आत्मकथात्मक प्रेमकथा विशेषांक के रूप में प्रकाशित होकर आया है। इसकी सबसे बड़ी विशेषता तो यही है कि इसमें छपी सभी प्रेम कहानियां आत्मकथात्मक शैली में लिखी गई हैं। यही वजह है कि इसमें प्रकाशित कहानियों में प्रेम, रचनाकार के आत्म से संपृक्त, बहुत सांद्र रूप में प्रकट हुआ है। इसमें कुछ आलेखों, कविताओं, एक संस्मरण और तेरह प्रेम कहानियों के अलावा संपादक कृष्ण बिहारी की लंबी कहानी 'एक शिकायत विहीन प्रेमकथाः अनागत' भी मौजूद है। अधिकांश कहानियां हमें एंद्रिकता से बहुत दूर प्रेम के देखे-अनदेखे भावजगत की ऐसी यात्रा पर ले चलती हैं, जहां प्रेमी और प्रेमिका के भीतर कुछ पाने की लालसा नजर नहीं आती है। वे सिर्फ एक-दूसरे के संग होने, हासिल पलों के जीने को ही प्रेम का प्रतिफल मान लेते हैं। प्रियंवद और जया जादवानी की कहानियां प्रेम को अलग ही कोण से प्रकट करती हैं तो कृष्ण बिहारी की कहानी प्रेम का नया व्याकरण रचती है। इनके अलावा कल्पना मनोरमा, पंकज सुबीर, कविता विकास, लता शर्मा और पूनम मनु की कहानियां भी अपने भावभीने कथानक और मुलायमियत भरी अभिव्यक्ति से मन में ठहर जाती हैं। अन्य कहानियां भी बेहद पठनीय हैं। ये कहानियां साबित करती हैं कि हिंसा और युद्ध की विभीषिका से आक्रांत आज के विश्व में मनुष्यता को बचाए रखने की सामर्थ्य केवल प्रेम में ही है। *

पत्रिकाः निकट-43 (आत्मकथात्मक प्रेमकथा विशेषांक),
संपादकः कृष्ण बिहारी, मूल्यः 50 रुपए

तरकश

संजय के दीक्षित

मंत्रियों का बीपी हाई

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह का जब भी छत्तीसगढ़ दौरा होता है सूबे के मंत्रियों का ब्लडप्रेशन हाई हो जाता है। दरअसल, पहले केंद्रीय गृह मंत्री का छत्तीसगढ़ आना बड़ी घटना होती थी। बस्तर में बड़ी नक्सल हिंसा के बाद केंद्रीय गृह मंत्री शहीद जवानों को श्रद्धांजलि अर्पित करने घंटे-दो घंटे के लिए आते थे। अमित शाह ऐसे गृह मंत्री हैं कि हर दूसरे महीने छत्तीसगढ़ धमक जाते हैं। वो भी दो-तीन घंटे के लिए नहीं, तीन-तीन दिन के लिए। बहरहाल, मंत्रियों का रक्तचाप इसलिए बढ़ जाता है...पता नहीं, उनके कान में कोई कारगुजारी न पहुंच जाए। अब, कारनामे भी तो एक से बढ़कर एक है। आधे से अधिक मंत्री दो साल में सिर्फ एक सूत्रीय एजेंडा पर कार्य कर रहे...वो है खुद का विकास। उपर से, कार्यकर्ताओं का कोई काम आए तो अपनी ही सरकार पर लांछन भी...क्या बताएं हमारा कुछ चल नहीं रहा...कोई सुन नहीं रहा है। हालांकि, मंत्रियों को यह भ्रम है कि अमित शाह को यहां आने पर ही उनके बारे में पता चलेगा। आईबी की टीम बिना किसी पूर्वाग्रह के छोटी-से-छोटी जानकारी केंद्र को भेजते रहती हैं। मोदी सरकार ने 360 डिग्री से वॉच का ऐसा मेकेनिज्म बना रखा है कि कोई उससे बच नहीं सकता। सही समय पर एक्शन हो जाता है। कई राज्यों में पूरे मंत्रिमंडल से इस्तीफा ऐसे थोड़े ही ले लिया गया।

छत्तीसगढ़ पुलिस का दुर्भाग्य

पंजाब से आतंकवादियों के उन्मूलन के बाद पंजाब पुलिस की हैसियत ऐसी बढ़ गई थी प्रदेश में उनका रुतबा आईएएस से अधिक हो गया था। तब के डीजीपी जूलियो रिबेरो और केपीएस गिल को भला कौन नहीं जानता था। मगर छत्तीसगढ़ पुलिस का दुर्भाग्य कहिये कि लाल आतंक के खात्मा के समय महकमे की हालत दयनीय है। पुलिस मुख्यालय कुछ कहने-सुनने की स्थिति में नहीं है। पूरा सिस्टम डिरेल्ड हो चुका है। बस्तर की बात आजकल पीएम नरेंद्र मोदी अपने हर बड़ी भाषणों में कर रहे, मगर छत्तीसगढ़ पुलिस के अफसरान बस्तर का क्रेडिट लेने की बजाए या तो बैकफुट पर हैं या फिर अपनों को ही निबटाने में लगे हैं। ये ऐसा वक्त है...जब छत्तीसगढ़ पुलिस पूरे देश में कालर खड़े कर सकती थी। फोर्स को फायदा दिलवाने के साथ पुलिस का इंफ्रास्ट्रक्चर बढ़वा सकती थी। बस्तर में 10-10 साल से डंप पड़े अधिकारियों और जवानों को वापिस बुला सकती थी...मगर मिलिनयन डॉलर का प्रश्न...ये कौन करेगा? पुलिस का ये दुर्भाग्य तब है, जब देश के अब तक के सबसे ताकतवर गृह मंत्री हर महीने छत्तीसगढ़ आ रहे और राज्य में अब तक के सबसे तेज-तर्रार गृह मंत्री हैं।

जात न देखो अफसर की

मनुस्मृति के अनुसार दण्ड का महत्व समाज में अनुशासन और न्याय बनाए रखने के लिए अत्यंत आवश्यक है। दण्ड का उद्देश्य केवल दंडित करना नहीं है, बल्कि यह समाज में एक चेतावनी रूपी संदेश होता है ताकि सिस्टम में बैठे लोग अपने कार्यों के प्रति जिम्मेदार रहें। मोदी युग में तो दंड का अपना अलग तरीका है। छत्तीसगढ़ सरकार को भी इसका अनुसरण करना चाहिए। वरना, इस जाति का, तो उसका आदमी...अगर देखा जाएगा तो फिर अनुशासनहीनता की घटनाएं और तेज होंगी। आपने देखा ही महिला डीएसपी के खिलाफ अनेक स्थापित साक्ष्य होने के बाद भी सिस्टम ने सस्पेंड करने में महीना भर से ज्यादा लगा दिया। सीएम को पत्र लिखने वाले एसपी के खिलाफ कार्रवाई करने में सिस्टम उलझन में पड़ा है। जबकि, ऐसा होना नहीं चाहिए। अफसर न किसी जाति का होता है और न किसी आदमी और पार्टी का। 2004 की घटना याद होगी, आईएएस अजयपाल सिंह ने मंत्री के खिलाफ प्रेस कांफ्रेंस लिया था तो घंटे भर में सस्पेंड हो गए थे। कहने का आशय यह है कि त्वरित कार्रवाई का अपना एक मैसेज होता है। घटना संज्ञान में आते ही तुरंत कार्रवाई करना दूसरों के लिए सबक होता है।

पैरेंट्स ब्लाइंड या लाचार!

पिछले हफ्ते राजधानी रायपुर में एक शादी थी। लड़का चूकि विदेश में पढ़ाई किया है, इसलिए 20 से अधिक उसके विदेशी फेंड्स भी आए थे। स्वाभाविक तौर से वे पार्टी के केंद्र बिंदु भी रहे। खासकर, विदेशी लड़कियां। विदेशी लड़कियों की शालीन वेशभूषा लोगों के बीच चर्चा का विषय रहा। चिंता का सार यही था कि हम कहां जा रहे हैं...विदेशी लोग कपड़ों के मामले में सभ्य होते जा रहे और हम इतना उदार कि देह की नुमाइश में कंपिटिशिन कर रहे हैं। उस शादी में भी कुछ लोकल लोग ऐसे थे, जिन्हें देख सभ्य लोगों को नजरें नीची करनी पड़ रही थी। बहरहाल, प्रश्न उठता है...क्या पैरेंट्स इतने ब्लाइंड हो गए है कि उनके सामने बच्चे क्या पहनकर घर से निकल रहे या कैसा आचरण कर रहे, उन्हें दिखता नहीं। या फिर जेन जी, जेन जेड युग में इतने लाचार कि बोलने की उनकी हिम्मत नहीं। यह इतना संवेदनशील मसला है कि डर के मारे न कोई पॉलिटिशियन बोल पाएगा या न ही कोई समाज सुधारक। अगर जरा सा भी मुंह खोला तो अगले रोज ही चूड़ी लेकर प्रदर्शन। कुल मिलाकर बच्चों के अच्छे भविष्य के लिए पैरेंट्स को आंखें खोलकर रखनी होगी। वरना आए दिन समाज में जैसी अधर्मी घटनाएं हो रही हैं, वो कम होने की बजाए और तेजी से बढ़ेंगी।

कलेक्टरों की लिस्ट

कलेक्टरों की एक ट्रांसफर लिस्ट अगले हफ्ते के अंत तक आ सकती है। लिस्ट हालांकि, बहुत बड़ी नहीं होगी। दरअसल, बलौदा बाजार कलेक्टर दीपक सोनी सेंट्रल डेपुटेशन पर जाने वाले हैं। पोस्टिंग आदेश के बाद थ्री वीक का उनका ज्वाईनिंग पीरियड खतम हो गया है। मगर धान खरीदी और मतदाता सूची पुनरीक्षण कार्य के चलते रिलीव नहीं किया गया। 14 फरवरी को एसआईआर खतम हो जाएगा। इसके बाद सरकार उन्हें कभी भी कार्यमुक्त कर देगी। दीपक की रिलीविंग के साथ ही कलेक्टरों की एक पोस्टिंग लिस्ट भी निकलेगी। बलौदा बाजार के साथ दो-एक और जिलों के कलेक्टर बदले जा सकते हैं। 2019 बैच के विश्वदीप और रेना जमील कलेक्टर बनने से बच गए हैं। अत्यधिक संभावना है कि इस लिस्ट में 2019 बैच कंप्लीट हो जाए। हालांकि, विश्वदीप की जगह रायपुर नगर निगम का कमिश्नर किसे बनाया जाए, इसकी तलाश अभी पूरी नहीं हुई है। रायपुर जिला पंचायत सीईओ को कमिश्नर बनाने की अटकलें जरूर चल रही है। वैसे दो-एक प्रमोटी आईएएस के भी कलेक्टर बनने की चर्चाएं है, मगर देखना है कि इस लिस्ट में उनका नंबर लगता है या फिर मई में निकलने वाली बड़ी लिस्ट में। कुल मिलाकर 14 या 15 फरवरी को कलेक्टरों की एक लिस्ट आ सकती है।

आईएएस अफसरों का स्टॉपेज

राजधानी रायपुर के प्रॉपर डेवलपमेंट के लिए रमन सरकार ने साल 2004 के लास्ट में रायपुर विकास प्राधिकरण का गठन किया था। कमल विहार के निर्माण याने लगभग 2018 तक इस प्राधिकरण की अहमियत रही, उसके बाद यह आईएएस अफसरों के स्टॉपेज जैसा बन गया है। अफसर आते हैं, और दो-चार महीने में दूसरी पोस्टिंग की रवानगी डाल देते हैं। आरडीए बनने के 21 साल में अभी तक 22 सीईओ पोस्ट हो चुके हैं। खासकर, 2018 से लेकर अभी तक सात साल में 14 सीईओ। कई आईएएस दो-तीन महीने में ही विदा हो गए। बार-बार निजाम बदलने से आरडीए में मौज की स्थिति है। अधिकारी, कर्मचारी मानकर चलते हैं कि नए सीईओ दो-तीन महीने में निकल लेंगे, तो फिर डरना क्यों? हालांकि, आवास और पर्यावरण मंत्री ओपी चौधरी की इच्छा पर सरकार ने इस बार सिकेट्री रैंक के आईएएस अधिकारी अवनीश शरण को आरडीए को ठीक करने की जिम्मेदारी सौंपी है। अब मंत्री ने रुचि ली है...पहली बार किसी बड़े स्तर के आईएएस को इस प्राधिकरण में बिठाया गया है तो देखना है कि इसकी सूरत बदलती है या फिर....?

जोगी डबरी नहीं, विष्णुदेव डबरी

छत्तीसगढ़ के प्रथम मुख्यमंत्री अजीत जोगी ने आज से 25 साल पहले छत्तीसगढ़ का वाटरलेवल ठीक रखने डबरी बनाने का फैसला किया था। तब उसे बोलचाल में जोगी डबरी कहा जाता था। जोगी ने अपने कार्यकाल के तीसरे साल में यह सोचकर डबरी की प्लानिंग की थी कि अभी तो उन्हें लंबी पारी खेलनी है। मगर छत्तीसगढ़ की जनता ने उनकी पारी को जल्दी समेट दी। जोगीजी जो काम नहीं कर पाए, अब विष्णुदेव सरकार उसे पूरा करने जा रही है। मनरेगा मद से गांव-गंवई में 12 हजार डबरी बनाने का काम प्रारंभ हो गया है। जाहिर है, छत्तीसगढ़ में जिस तरह पानी का लेवल डाउन हो रहा, उसमें ये डबरी बड़ी कारगर होगी।

अंत में सवाल आपसे?

1. छत्तीसगढ़ पुलिस की हनी गर्ल की अगर जांच हो जाए तो कितने आईपीएस, एसपीएस और नेता उसके जद में आएंगे?
2. नगरीय निकायों में एल्डरमैन की नियुक्ति में बीजेपी विलंब क्यों कर रही है?

रेलवे बोर्ड की डिप्टी डायरेक्टर ने सभी जोनल रेलवे को जारी किया कड़ा निर्देश

देशभर से हटेंगे 2 लाइट वाले पुराने सिग्नल, आधुनिक 3-लाइट सिग्नल से सुरक्षित होगी यात्रा, इमरजेंसी ब्रेक के झटकों से भी मिलेगी मुक्ति

हरिभूमि न्यूज: रायपुर

भारतीय रेलवे ने रेल यात्रा को अधिक सुरक्षित और आरामदायक बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण बदलाव की तैयारी पूरी कर ली है। रेलवे बोर्ड ने देशभर के सभी पुराने टू-आस्पेक्ट, दो लाइटों वाले सिग्नल सिस्टम को हटाकर आधुनिक थ्री-आस्पेक्ट, तीन लाइटों वाले सिग्नल लगाने का निर्णय लिया है। इस महत्वपूर्ण बदलाव के बाद अब लोको पायलट को काफी दूरी से ही पता चल जाएगा कि अगला सिग्नल किस स्थिति में है। इससे न केवल सुरक्षा बढ़ेगी, बल्कि यात्रियों को लगने वाले अचानक ब्रेक के झटकों से भी पूरी तरह निजात मिल जाएगी। वर्तमान में देश के कई हिस्सों में विशेष रूप से रेलवे फाटकों और छोटे स्टेशनों के पास, दशकों पुराना टू-आस्पेक्ट सिस्टम काम कर रहा है। इस व्यवस्था में केवल दो लाइटें लाल और हरी होती थीं। इस पुराने सिस्टम की सबसे बड़ी खामी यह थी कि लोको पायलट को खतरे का लाल सिग्नल का संकेत तब मिलता था, जब ट्रेन सिग्नल के बेहद करीब पहुंच जाती थी। ऐसी स्थिति में लोको पायलट को ट्रेन रोकने के लिए इमरजेंसी ब्रेक का सहारा लेना पड़ता था।

रेलवे जिस आधुनिक सिस्टम को लागू कर रहा है, उसमें लाल और हरी लाइट के बीच एक 'पीली लाइट' का सुरक्षा कवच जोड़ा गया है। यह

नई तकनीक किसी स्मार्ट अलर्ट की तरह काम करेगी।अग्रिम चेतावनी मिलेगी। यदि आगे का सिग्नल लाल है, तो उससे काफी पहले वाला सिग्नल स्वतः ही पीला हो जाएगा। पीली लाइट देखते ही लोको पायलट समझ जाएगा कि आगे रास्ता बंद होने वाला है। वह धीरे-धीरे ट्रेन की रफ्तार कम करना शुरू कर देगा। जब तक ट्रेन अगले सिग्नल तक पहुंचेगी, उसकी गति इतनी नियंत्रित होगी कि बिना किसी झटके के उसे आसानी से रोका जा सकेगा।

रेलवे बोर्ड की डिप्टी डायरेक्टर, ट्रैफिक ट्रांसपोर्टेशन श्वेता शर्मा ने इस संबंध में सभी जोनल रेलवे को कड़ा निर्देश जारी किया है। पत्र के माध्यम से कहा गया है कि जहां गेट स्टाप सिग्नल और स्टेशन डिस्टेंट सिग्नल एक साथ जुड़े हुए हैं, वहां तकनीकी विसंगतियों को तत्काल दूर किया जाए। बोर्ड ने स्पष्ट किया है कि जनरल रूल्स (जीआर 3.07) के तहत अब पूरे देश में सिग्नलिंग की एक जैसी और आधुनिक व्यवस्था लागू की जाएगी। जोनल अधिकारियों को ऐसे संवेदनशील स्थानों की पहचान कर काम शुरू करने को कहा गया है।

अक्सर अचानक ब्रेक लगने से सो रहे यात्रियों या गलियारों में चल रहे लोगों को चोट लगने का डर रहता था। अब सफर पूरी तरह सुचारू और आरामदायक होगा। लंबी और भारी मालगाड़ियों में अचानक ब्रेक लगाना तकनीकी रूप से चुनौतीपूर्ण होता है। एडवांस चेतावनी मिलने से दुर्घटनाओं की संभावना शून्य हो जाएगी। सर्दियों के दौरान धुंध के कारण सिग्नल दिखाई नहीं देते। यह तीन लाइटों वाला सिस्टम लोको पायलट को समय रहते सचेत कर देगा, जिससे देरी भी कम होगी।जब ट्रेन को अचानक रोककर फिर से शुरू किया जाता है, तो भारी मात्रा में बिजली या डीजल की खपत होती है। गति को धीरे-धीरे नियंत्रित करने से ऊर्जा की बचत होगी।

दोस्ती की आड़ में डिजिटल डकैती आरोपी मध्यप्रदेश से गिरफ्तार

फाइनेंस एप से चौपाटी में दुकान लगाने वालों से की चार लाख की ठगी

हरिभूमि न्यूज:रायपुर

मौदहापारा थाना क्षेत्र के एमजी रोड स्थित चौपाटी में ठेला लगाकर व्यवसाय करने वाले लोगों से दोस्ती कर फाइनेंस एप से चार लाख की ठगी करने के आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार युवक का पिता पूर्व में फाइनेंस का काम करता था। इसके कारण आरोपी युवक फाइनेंस एप से भली तरह से परिचित था। इसका फायदा उठाते हुए युवक ने लोगों के साथ ठगी की।

मध्यप्रदेश, छिंदवाड़ा निवासी मुदित पाठे उर्फ कृष पवार (19) को पुलिस ने ठगी करने के आरोप में गिरफ्तार किया है। पुलिस को जो जानकारी मिली है, उसके मुताबिक मुदित ने महज 10वीं तक पढ़ाई की है। कोरोना काल में परिस्थिति खराब होने की वजह से मुदित ने पढ़ाई छोड़ दी और फाइनेंस का काम करने रायपुर आया। मुदित ने पुलिस को बताया है कि वह रायपुर के गुढ़ियारी क्षेत्र में पहले किराए से रहा, फिर डोरमेट्री में ठहरकर ठेले वालों एवं छोटे व्यापारियों से धीरे-धीरे मेलजोल बढ़ा कर ठगी की। पुलिस को जो जानकारी मिली है, उसके मुताबिक मुदित विभिन्न ऑनलाइन फाइनेंस, कैशबैक एवं इन्वेस्टमेंट एप्स से बेस्ट कैशबैक, प्रोमो कोड एवं रेफरल कोड की जानकारी प्राप्त कर वह शुरू में पीड़ितों को वास्तविक लाभ दिलवाता था, इससे उसने लोगों का विश्वास अर्जित किया। विश्वास जीतने के बाद वह उन लोगों के आधार कार्ड, पैन कार्ड, मोबाइल फोन एवं अन्य व्यक्तिगत दस्तावेजों की जानकारी जुटाता था। प्रारंभिक चरण में वह लोन प्रक्रिया में सहायता कर प्रोसेसिंग फीस माफ होने जैसे लाभ दिलवाने की बात कर पीड़ितों की आवश्यकता में मदद करता रहा, जिससे पीड़ितों को किसी प्रकार का संदेह न हो।

ठगी के पैसों से मोबाइल दुकान खोलना चाहता था

मुदित ने पुलिस को बताया है कि वह विभिन्न फाइनेंस एप्लिकेशनों के माध्यम से पीड़ितों के नाम पर प्री-अप्रूव्ड लोन स्वीकृत कराया तथा प्राप्त राशि को अपने ऑनलाइन वॉलेट एवं अन्य खातों में चैनलाइज किया। मुदित के अनुसार उसका पिता पूर्व में इंश्योरेंस क्षेत्र में कार्यरत था तथा कोरोना काल के बाद आर्थिक रूप से मुदित का पिता आर्थिक रूप से कमजोर हो गया। इसके बाद मुदित ने पढ़ाई छोड़ दी और ऑनलाइन एप्स व पोर्टल के माध्यम से फाइनेंस एवं निवेश से संबंधित जानकारी हासिल की। मुदित ठगी के पैसों से छिंदवाड़ा में मोबाइल दुकान खोलना चाहता था।

शादी का वादा टूटना बालात्कार नहीं, 15 साल पुराने मामले में हाईकोर्ट ने रद्द की एफआईआर

पुलिस की कार्रवाई को कानूनी प्रक्रिया का दुरुपयोग करार दिया

बिलासपुर। छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट ने दुष्कर्म के मामले में एक बड़ा और महत्वपूर्ण फैसला सुनाया है। कोर्ट ने स्पष्ट किया है कि यदि दो वयस्कों के बीच लंबे समय तक आपसी सहमति से शारीरिक संबंध रहे हों, तो बाद में शादी का वादा पूरा न होने पर उसे दुष्कर्म की श्रेणी में नहीं रखा जा सकता। जस्टिस अरविंद कुमार की सिंगल बेंच ने इस टिप्पणी के साथ याचिकाकर्ता के खिलाफ दर्ज एफआईआर और आरोप पत्र को रद्द कर दिया है।

मामला भिलाई की एक महिला से जुड़ा है, जिसने मार्च 2020 में एक व्यक्ति के खिलाफ शादी का झांसा देकर दुष्कर्म करने और धमकी देने की शिकायत दर्ज कराई थी।महिला का आरोप था कि आरोपी व्यक्ति साल 2005 से उसके साथ शारीरिक संबंध बना रहा था। जब उसने विरोध किया, तो उसे नुकसान पहुंचाने की धमकी दी

गई। पुलिस ने इस शिकायत के आधार पर आरोपी के खिलाफ धारा 376 और धारा 506 के तहत मामला दर्ज कर ट्रायल कोर्ट में पेश किया था। हाईकोर्ट ने मामले की गहन सुनवाई के बाद पुलिस की कार्रवाई को कानूनी प्रक्रिया का दुरुपयोग करार दिया।

चुनाव आयोग सुनिश्चित करे कि फार्म-7 का दुरुपयोग न हो

हरिभूमि न्यूज: रायपुर

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा, भाजपा एसआईआर प्रक्रिया को प्रशासनिक अधिकारियों पर दबाव बनाकर गड़बड़ियां कर रही है। वर्तमान में चल रही विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण (एसआईआर) के अंतर्गत मतदाता नाम विलोपन के लिए आवेदन फार्म-7 का कई जिलों में दुरुपयोग किया जा रहा है। यह अत्यंत चिंताजनक है, क्योंकि इससे पात्र एवं वास्तविक मतदाताओं के नाम बिना जानकारी, सहमति के मतदाता सूची से हटाए जाने की साजिश चल रही है।

उन्होंने कहा, प्रदेश की भाजपा द्वारा बड़ी संख्या में फार्म-7 का प्रिंट करवाकर आपत्ति करवाई जा रही है। आपत्ति अनाधिकृत लोगों द्वारा की जा रही है और अनाधिकृत अधिकारी को आपत्ति दी जा रही है, जो कानून का खुला उल्लंघन है। भारतीय जनता पार्टी, सरकार की शक्ति का दुरुपयोग कर रही है। अधिकतर में शिकायतकर्ता का अस्तित्व ही नहीं है। जहां शिकायतकर्ता का अस्तित्व है, वहां पर शिकायत झूठी है। निर्वाचन आयोग द्वारा अस्तित्वहीन शिकायतकर्ता के विरुद्ध जाकर जमा की गयी शिकायतों को तत्काल निरस्त करने की कार्यवाही की जाए।

बिना पुख्ता प्रमाण स्वीकार न करें

उन्होंने मांग की है कि बीएलओ एवं निर्वाचन अधिकारियों को स्पष्ट दिशा निर्देश जारी किए जाएं कि बिना पुख्ता प्रमाण के फार्म-7 स्वीकार न करें। फार्म-7 के दुरुपयोग की शिकायत के लिए त्वरित शिकायत निवारण व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। सर्वोच्च न्यायालय द्वारा दिये गये निर्देशों के अनुरूप लॉजिकल एरर को आधार मानकर दिये गये नोटिस वैध नहीं है, अतः छत्तीसगढ़ में ऐसे सारे नोटिस को निरस्त किया जाए।

मेडिकल कालेजों में सहायक प्राध्यापकों की सीधी भर्ती, सवा महीने से साक्षात्कार शेड्यूल का इंतजार

हरिभूमि न्यूज: रायपुर

शासकीय मेडिकल कालेजों में चिकित्सा शिक्षकों की कमी दूर करने सहायक प्राध्यापकों की सीधी भर्ती के लिए सवा महीने से इंटरव्यू शेड्यूल जारी होने का इंतजार किया जा रहा है। छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग के माध्यम से विभिन्न सुपर स्पेशलिटी के साथ 35 विभागों में 125 डाक्टरों की भर्ती की जाएगी। चिकित्सा शिक्षा विभाग इसके माध्यम से नए कालेजों के साथ पुराने चिकित्सा महाविद्यालयों में भी शिक्षकों की कमी को दूर करने का प्रयास कर रहा है।

स्वास्थ्य विभाग काफी समय बाद राज्य के शासकीय चिकित्सा महाविद्यालयों में सीधी भर्ती की प्रक्रिया पूरी कर रहा है। 125 असिस्टेंट प्रोफेसरों की भर्ती के लिए सीजीपीएससी को जिम्मेदारी दी गई है। सीधी भर्ती में किसी तरह की परीक्षा का आयोजन नहीं किया जाता। आने वाले आवेदनों के आधार पर इंटरव्यू के माध्यम से योग्यता के आधार पर मेरिट लिस्ट जारी कर आवेदन करने वालों को ज्वाइनिंग दी जाती है। असिस्टेंट प्रोफेसर की भर्ती के लिए पीएससी द्वारा 24 दिसंबर तक आवेदन बुलाए गए थे। आवेदन की अंतिम तिथि को समाप्त हुए करीब सवा महीने बीत चुके हैं और शासकीय कालेजों में सेवा देने के इच्छुक अभ्यर्थियों को साक्षात्कार का टाइम टेबल जारी होने का इंतजार है। सूत्रों का कहना है कि इंटरव्यू के बाद चयन सूची जारी कर नए डाक्टरों का पदस्थापना आदेश जारी किया जाएगा। इन डाक्टरों की भर्ती के बाद मानव संसाधन की कमी से जूझने वाले शासकीय चिकित्सा महाविद्यालयों में शिक्षकों की कमी काफी हद तक दूर हो जाएगी। इनकी भर्ती से ना केवल चिकित्सा महाविद्यालयों में शिक्षकों की दूर होगी बल्कि उनसे संबंधित अस्पतालों में डाक्टरों की संख्या बढ़ने से उपचार सुविधाओं में भी बढ़ोतरी होगी। सहायक प्राध्यापकों की भर्ती होने के बाद चिकित्सा महाविद्यालयों में पदस्थ अन्य डाक्टरों के पदोन्नति के रास्ते खुलेंगे। वर्तमान में सालों से डीपीसी कमेटी की बैठक इस मामले में नहीं हुई है। इसकी वजह से वरिष्ठता के मापदंडों को पूरा करने वाले डाक्टरों को अब तक प्रमोशन का लाभ नहीं मिला है।

तुड़ाई और परिवहन में 2 रुपए का खर्च, थोक में कीमत 3 रुपए

भिलाई। टमाटर के दाम अर्श से फर्श पर आ गया है। महीनेभर पहले मार्केट में जो टमाटर 40 रुपए चिल्हर बिक रहा था, वह अब सीधे 5 से 6 रुपए किलो हो गया है। थोक में किसानों को 60 रुपए से लेकर 100 रुपए कैरेट बेचना पड़ रहा है। 25 किलो का एक कैरेट होता है। इस हिसाब से 2 रुपए से 3 रुपए किलो थोक भाव में किसान टमाटर बेच रहे हैं। दीगर राज्यों से एजेंट इसलिए नहीं आ रहे हैं कि राष्ट्रीय स्तर पर भी टमाटर के दाम यहां से ले जाकर बेचने पर एक जैसा पड़ेगा। लोकल बाड़ियों से टमाटर की बंपर पैदावारी इन दिनों हो रही है। जिसकी वजह से खपत कम माल ज्यादा हो गया है। टमाटर उत्पादक किसानों के मुताबिक थोक रेट प्रति किलो 3 रुपए तक आ पहुंचा है। टमाटर को मजदूरों से तुड़वाने और उसे मंडी तक परिवहन करने और दलाली में ही 2 रुपए प्रति किलो और खर्च हो जाते हैं। इस स्थिति में किसानों को टमाटर की लागत से कम में टमाटर बेचना पड़ रहा है। टमाटर किसानों के लिए अब फायदे का सौदा नहीं रह गया है। आने वाले दिनों में मौसम में और उतार-चढ़ाव होता रहा तो टमाटर के दाम और धड़ाम से गिर सकते हैं। इसलिए किसानों की चिंता बढ़ गई है।

एक साथ पकने लगे हैं टमाटर

मौसम की मार से प्रदेशभर के सब्जी उत्पादक किसानों को समस्याओं से जूझना पड़ रहा है। धमधा पथरिया के किसान लीमन साहू, केशडबरी के किसान प्रकाश लोधी, नगपुरा के किसान पंकज भाई, गनियारी के किसान टेकन साहू, घोठा के के किसान रामाधार, डोमा पथरिया के किसान संदीप सोलंकी आदि बताते हैं कि बदली और तापमान ज्यादा बढ़ने-घटने की वजह से टमाटर प्री मेच्योर हो गई है। दो से तीन दिन बाद टमाटर तैयार होती थी वह पहले ही तैयार हो रही है।

यूपी, दिल्ली, आंध्रा और तेलंगाना के व्यापारी नहीं आ रहे

दुर्ग जिले में दोनों सीजन में 19 हजार 14 हेक्टेयर क्षेत्रफल में टमाटर की फसल होती है। दुर्ग, धमधा और पाटन ब्लॉक बड़ी मात्रा में टमाटर का उत्पादन होता है। सबसे ज्यादा पैदावार धमधा ब्लॉक में होती है, इसलिए इसे प्रदेश का टमाटर हब भी कहा जाता है। धमधा में दोनों सीजन में 9514 हेक्टेयर में टमाटर की फसल होती है। धमधा में ज्यादा लाभ के कारण 70 फीसदी किसान टमाटर की खेती करते हैं। इससे पूरे प्रदेश में सर्वाधिक 1 लाख 95 हजार 280 मिट्रिक टन टमाटर की पैदावार यहीं होती है, लेकिन इस बार प्रतिकूल मौसम के कारण टमाटर के बंपर पैदावार ने किसानों को परेशान कर दिया है। यहां खेतों में आकर यूपी, नोएडा, दिल्ली, आंध्रप्रदेश और तेलंगाना के व्यापारी स्थानीय बाजार से दोगुने दाम पर टमाटर खरीदकर ले जाते थे, लेकिन इस बार नोएडा और दिल्ली तो दूर लोकल बाजार में भी खरीदार नहीं मिल रहे हैं।

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायगढ़ (छ.ग.)

क्रमांक 10406/न.पा.नि./2026 रायगढ़ दिनाँक 6.2.26

।। ई-प्रोक्योरमेन्ट निविदा आमंत्रण सूचना ।।

नगर पालिक निगम, रायगढ़ द्वारा निम्नलिखित कार्य हेतु ऑनलाईन (Online) निविदा आमंत्रित की जाती है।

क्र.	सि.नि.क्र	कार्य का विवरण	अनु. लागत राशि रू. (लाख में)	निविदा डाउनलोड करने की अंतिम तिथि
1	2	3	4	5
1	185255	DEVELOPMENT OF PROFILE SHED, BOUNDRY WALL & TOILET WORK AT W.N. 28	17.50	02.03.2026
2	185256	CONSTRUCTION OF RCC DRAIN FROM BOUNDRY WALL OF RAIGARH STADIUM TO NEAR BHOLE MANDIR ROAD TRANSFERMER AND PERPENDICULAR TO RAIGARH STADIUM BOUNDRY WALL AT W.N. 21	37.88	02.03.2026

उपरोक्त निर्माण कार्यों की निविदा की सामान्य शर्तें, धरोहर राशि, विस्तृत निविदा विज्ञप्ति, निविदा दस्तावेज व अन्य जानकारी ई-प्रोक्योरमेन्ट वेब पोर्टल https://eproc.cgstate.gov.in से डाउनलोड की जा सकती है।

कार्यपालन अभियंता न.पा.नि., रायगढ़

कार्यालय नगर पंचायत पलारी जिला बलौदाबाजार-भाटापारा (छ.ग.)

Phone No. 07727-271344 Email ID - cmonppallari@rediffmail.com

क्रमांक /164/लो.नि.वि./नि.आ.सू./2026 पलारी, दिनांक 06/02/2026

// ई-प्रोक्योरमेंट निविदा आमंत्रण सूचना //

एकीकृत पंजीयन प्रणाली अंतर्गत सक्षम श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से निम्नलिखित निर्माण कार्य हेतु ऑनलाईन (Online) निविदा आमंत्रित की जाती है :-

क्र.	कार्य का विवरण	अनुमानित लागत राशि (रू. लाख में)	निविदा डाउनलोड करने की अंतिम तिथि
01	सिस्टम टेंडर क्र. 185210 वार्ड क्र. 12 मे सी.सी. रोड निर्माण कार्य (मेन रोड से सिद्धेश्वर मंदिर तक)	10.62	27.02.2026 समय 17:30

उपरोक्त निर्माण कार्य की निविदा की सामान्य शर्तें, धरोहर राशि, विस्तृत निविदा विज्ञप्ति, निविदा दस्तावेज व अन्य जानकारी ई-प्रोक्योरमेंट वेब पोर्टल http://cgeprocurement.gov.in अथवा विभागीय वेबसाईट http://uad.cg.gov.in से भी डाऊनलोड की जा सकती है।

मुख्य नगरपालिका अधिकारी
नगर पंचायत पलारी

कार्यालय, नगर पालिक निगम, कोरबा (छत्तीसगढ़)

ई-प्रोक्यूरमेंट निविदा सूचना

क्र. /निर्माण/2025 दिनांक 02.02.2026

एकीकृत पंजीयन प्रणाली अंतर्गत सक्षम श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से निम्नलिखित निर्माण कार्य हेतु (Online) आनलाईन निविदा आमंत्रित की जाती है :-

क्र.	कार्य का विवरण	अनुमानित लागत (रू. लाख में)	निविदा डालने की अंतिम तिथि
1	वार्ड क्र. 50 दर्री एच.टी.पी.एस. कॉलोनी स्थित जनता युनियन कार्यालय के पास अतिरिक्त कक्ष शौचालय सहित निर्माण (जि.ख.न्या. मद) (चतुर्थ निविदा)	10.00	16.02.2026 (T.No. 184832)

उपरोक्त कार्यों की निविदा की जानकारी ई-प्रोक्योरमेंट वेब पोर्टल http://eproc.cgstate.gov.in से डाउनलोड की जा सकती है, साथ ही निगम के वेब साईट www.korbamunicipal.in पर भी देखी जा सकती है।

।। स्वच्छ भारत निर्माण में योगदान दें ।।

कार्यपालन अभियंता
नगर पालिक निगम, कोरबा (छत्तीसगढ़)

07- FEB- K&C- MAIN- Pg- 8 NIVESH_Layout 1 2/7/2026 11:54 PM Page 1

कंपाउंडिंग की ताकत समझें 5,500 की मासिक एसआईपी भी कर देगी लक्ष्य को पूरा

- कंपाउंडिंग में पैसा निवेश और रिटर्न दोनों पर बढ़ता है
- एसआईपी कंपाउंडिंग का सबसे सरल और प्रभावी तरीका है
- 5,500 की मासिक एसआईपी से 10–12 साल में बनेगा बड़ा फंड
- समय और निरंतरता ही कंपाउंडिंग की असली ताकत

बिजनेस डेस्क

निवेश की दुनिया में अगर किसी एक सिद्धांत को सबसे ज्यादा ताकतवर माना जाता है, तो वह है कंपाउंडिंग। यही वह जादू है, जो छोटी-छोटी बचत को समय के साथ एक बड़े फंड में बदल देता है। खासतौर पर सिस्टमैटिक इन्वेस्टमेंट प्लान (एसआईपी) के जरिए कंपाउंडिंग का प्रभाव और भी मजबूत हो जाता है। आज कई लोग यह सोचते हैं कि कम निवेश से बड़ा लक्ष्य कैसे पूरा होगा। लेकिन सच्चाई यह है कि अगर निवेश में समय, निरंतरता और धैर्य हो, तो 5,500 रुपये जैसी मामूली मासिक राशि भी भविष्य में बड़ा कॉर्पस बना सकती है। कंपाउंडिंग का अर्थ है कि आपका पैसा केवल आपकी लगाई गई राशि पर ही नहीं, बल्कि उस पर मिलने वाले रिटर्न पर भी रिटर्न कमाने लगता है। आसान शब्दों में कहें तो "ब्याज पर ब्याज" मिलता है। जैसे-जैसे समय बढ़ता है, कंपाउंडिंग का असर तेजी से बढ़ता चला जाता है। एसआईपी में यह प्रक्रिया स्वाभाविक रूप से होती है क्योंकि आप हर महीने निवेश करते हैं और आपका पैसा लंबे समय तक बाजार में बना रहता है।

एसआईपी से लक्ष्य तक पहुंचने का उदाहरण

- मान लीजिए आप हर महीने 5,500 की एसआईपी शुरू करते हैं और आपको औसतन 12% सालाना रिटर्न मिलता है (यह केवल अनुमान है, वास्तविक रिटर्न बाजार पर निर्भर करता है)।
- मासिक निवेश: 5,500 रुपये
- सालाना निवेश : 66,000 रुपये
- कुल निवेश (11 साल में) : लगभग 7,26,000 रुपये
- अनुमानित रिटर्न : लगभग 7,24,000 रुपये
- कुल संभावित कॉर्पस : लगभग 14.5 लाख रुपये
- इस उदाहरण से साफ है कि 11 साल में आपका पैसा लगभग दोगुना हो सकता है, वह भी बिना किसी बड़ी एकमुश्त राशि के।

कंपाउंडिंग के लिए सबसे बेहतर

एसआईपी निवेश को आसान और अनुशासित बनाता है। आपको बाजार के उतार-चढ़ाव की चिंता नहीं करनी पड़ती और निवेश अपने आप नियमित रूप से होता रहता है। समय के साथ, बाजार की गिरावट और तेजी दोनों का फायदा आपको मिलता है, जिसे रुपी कॉस्ट एवरेजिंग कहा जाता है। एसआईपी खासतौर पर उन लोगों के लिए उपयोगी है जो बच्चों की शिक्षा, घर खरीदने, शादी या मेडिकल खर्च के लिए 6–15 साल के वित्तीय लक्ष्य के लिए धीरे-धीरे मजबूत फंड बनाना चाहते हैं।

कंपाउंडिंग की ताकत इन बातों पर निर्भर

कंपाउंडिंग का असर तीन चीजों से तय होता है इसमें समय, निरंतर निवेश, और धैर्य। जितनी जल्दी आप निवेश शुरू करेंगे और जितने लंबे समय तक निवेश बनाए रखेंगे, कंपाउंडिंग उतनी ही ताकतवर होगी। कंपाउंडिंग यह सिखाती है कि अमीर बनने के लिए बड़ी रकम नहीं, बल्कि समय पर सही शुरुआत जरूरी होती है। 5,500 रुपये की एसआईपी जैसी छोटी शुरुआत भी, अगर लंबे समय तक जारी रखी जाए, तो भविष्य में आपको आर्थिक रूप से मजबूत बना सकती है। एसआईपी और कंपाउंडिंग का मेल उन निवेशकों के लिए वरदान है, जो अनुशासन और धैर्य के साथ अपने सपनों को पूरा करना चाहते हैं।

कम पूंजी में बड़ा फंड बनाने को एसआईपी के जरिये करें निवेश

सिस्टमैटिक इन्वेस्टमेंट प्लान से होगी नियमित बचत की आदत विकसित

हर माह तय राशि निवेश करें और बाजार की चिंता किए बिना लंबे समय का प्लान बनाएं

कम जोखिम के साथ बेहतर रिटर्न की संभावना रुपये की लागत औसत के कारण निवेश संतुलित

बिजनेस डेस्क

आज के समय में जब शेयर बाजार में उतार-चढ़ाव आम बात हो गई है, ऐसे में आम निवेशक के लिए सुरक्षित और अनुशासित निवेश का रास्ता चुनना बेहद जरूरी हो गया है। सिस्टमैटिक इन्वेस्टमेंट प्लान यानी एसआईपी इसी जरूरत को पूरा करता है। एसआईपी ने खासतौर पर नए और मध्यम वर्ग के निवेशकों के बीच लोकप्रियता हासिल की है, क्योंकि इसमें कम रकम से नियमित निवेश कर लंबी अवधि में मजबूत संपत्ति बनाई जा सकती है। एसआईपी के जरिए निवेशक हर महीने या तय समय अंतराल पर म्यूचुअल फंड में एक निश्चित राशि निवेश करता है। यह तरीका न केवल निवेश में अनुशासन लाता है, बल्कि बाजार की अस्थिरता से होने वाले जोखिम को भी काफी हद तक कम करता है। यही कारण है कि वित्तीय विशेषज्ञ एसआईपी को लंबी अवधि के निवेश के लिए सबसे प्रभावी माध्यम मानते हैं। इस रिपोर्ट के जरिये हम आपको बताएंगे कि एसआईपी में निवेश कर कैसे आप कम पूंजी में बड़ा फंड तैयार कर सकते हैं। सिस्टमैटिक इन्वेस्टमेंट प्लान (एसआईपी) म्यूचुअल फंड में निवेश करने का एक ऐसा तरीका है, जिसमें निवेशक एक निश्चित राशि को नियमित अंतराल जैसे मासिक, तिमाही या साप्ताहिक निवेश करता है। इसमें निवेशक को एकमुश्त बड़ी रकम लगाने की जरूरत नहीं होती। एसआईपी अपने आप बैंक खाते से तय तारीख को कट जाती है और चुनी गई म्यूचुअल फंड स्कीम में निवेश हो जाती है। एसआईपी का सबसे बड़ा फायदा यह है कि इसमें बाजार की टाइमिंग करने की जरूरत नहीं पड़ती। बाजार ऊपर हो या नीचे, निवेश नियमित रूप से चलता रहता है। जब बाजार गिरता है, तब उसी रकम से ज्यादा यूनिट मिलती हैं और जब बाजार ऊपर जाता है, तब कम यूनिट मिलती हैं। इस प्रक्रिया को रुपया लागत औसत कहा जाता है, जो लंबे समय में निवेश की औसत लागत को संतुलित करता है।

एसआईपी में निवेश क्यों करें

- नियमित और अनुशासित निवेश: एसआईपी निवेश में निरंतरता लाता है और बाजार की टाइमिंग की चिंता खत्म करता है।
- कम रकम से शुरुआत: 500 रुपये जैसी छोटी राशि से भी निवेश संभव, जिससे हर वर्ग के लोग निवेश कर सकते हैं।
- रुपया लागत औसत और चक्रवृद्धि का लाभ: बाजार के उतार-चढ़ाव में भी संतुलित रिटर्न और लंबी अवधि में तेज ग्रोथ।
- विविधीकरण और कर लाभ: म्यूचुअल फंड के जरिए जोखिम कम और ईएलएसएस के माध्यम से टैक्स में बचत।

कंपाउंडिंग का मिलता है लाभ

इसके अलावा एसआईपी में चक्रवृद्धि (कंपाउंडिंग) का लाभ भी मिलता है। निवेश से मिलने वाला रिटर्न दोबारा निवेश होता है, जिससे समय के साथ रिटर्न पर भी रिटर्न मिलने लगता है। जितनी जल्दी निवेश शुरू किया जाए और जितनी लंबी अवधि तक एसआईपी जारी रखी जाए, उतना ही अधिक फायदा मिलता है। एसआईपी की खास बात यह भी है कि इसे बहुत छोटी राशि से शुरू किया जा सकता है। आज कई म्यूचुअल फंड स्कीम्स में 500 या 1,000 रुपये प्रति माह से एसआईपी शुरू की जा सकती है, जिससे यह हर वर्ग के निवेशक के लिए सुलभ बन जाती है।

एसआईपी में निवेश के फायदे

एसआईपी केवल निवेश का तरीका नहीं, बल्कि एक वित्तीय आदत है जो व्यक्ति को भविष्य के लिए तैयार करती है। यह खासतौर पर उन लोगों के लिए फायदेमंद है जो जोखिम से बचते हुए धीरे-धीरे संपत्ति बनाना चाहते हैं। एसआईपी निवेशक को अनुशासन सिखाता है। तय तारीख पर निवेश होने से खर्चों पर नियंत्रण रहता है और बचत की आदत मजबूत होती है। इसके अलावा, एसआईपी भावनात्मक फैसलों से भी बचाता है। अक्सर निवेशक बाजार गिरने पर घबरा जाते हैं और निवेश बंद कर देते हैं, लेकिन एसआईपी में नियमित निवेश से यह डर कम हो जाता है। एसआईपी के जरिए म्यूचुअल फंड में निवेश करने पर विविधीकरण का लाभ भी मिलता है।

एसआईपी के ये भी लाभ

कर बचत की दृष्टि से भी एसआईपी फायदेमंद है। इक्विटी लिंक्ड सेविंग स्कीम (ईएलएसएस) में एसआईपी के जरिए निवेश करने पर आयकर अधिनियम की धारा 80सी के तहत कर में छूट मिलती है। इससे निवेश के साथ-साथ टैक्स प्लानिंग भी हो जाती है। लंबी अवधि में एसआईपी महंगाई को मात देने में मदद करता है। बैंक एफडी या पारंपरिक बचत योजनाओं की तुलना में इक्विटी आधारित एसआईपी अधिक रिटर्न देने की क्षमता रखती हैं, जिससे भविष्य की जरूरतों जैसे बच्चों की शिक्षा, घर खरीदना या रिटायरमेंट के लिए मजबूत फंड तैयार किया जा सकता है।

निवेश करना आसान

आज के डिजिटल युग में एसआईपी के जरिये निवेश करना बेहद आसान हो गया है। ऑनलाइन प्लेटफॉर्म, मोबाइल ऐप और एसआईपी कैलकुलेटर की मदद से निवेशक अपने लक्ष्य के अनुसार निवेश राशि और अवधि तय कर सकता है। एसआईपी कैलकुलेटर संभावित रिटर्न का अनुमान लगाकर निवेश की सही योजना बनाने में मदद करता है। कुल मिलाकर, एसआईपी उन लोगों के लिए एक आदर्श विकल्प है जो कम जोखिम में, नियमित निवेश के जरिए लंबी अवधि में संपत्ति बनाना चाहते हैं। चाहे आप नौकरीपेशा हों, स्वरोजगार में हों या निवेश की शुरुआत कर रहे हों, एसआईपी हर किसी के लिए एक भरोसेमंद निवेश माध्यम है।

एक साल के लिए निवेश करना है तो ये हो सकते हैं बेहतर विकल्प

बिजनेस डेस्क। जब भी निवेश की बात आती है, ज्यादातर लोग रिटायरमेंट, बच्चों की शिक्षा या घर खरीदने जैसे लंबे समय के लक्ष्यों पर ध्यान देते हैं, लेकिन वित्तीय योजना में शॉर्ट-टर्म निवेश भी उतना ही जरूरी होता है। इमरजेंसी फंड बनाना, अतिरिक्त पैसे को सुरक्षित जगह रखना या किसी नजदीकी खर्च के लिए रकम जुटाना इन सभी के लिए 1 साल की निवेश योजना बेहद उपयोगी साबित होती है। केवल लंबी अवधि के निवेश पर निर्भर रहना कई बार जोखिम भरा हो सकता है। अचानक जरूरत पड़ने पर अगर आपको लॉन्ग-टर्म निवेश तोड़ना पड़े, तो नुकसान भी हो सकता है। ऐसे में 1 साल तक के शॉर्ट-टर्म इन्वेस्टमेंट विकल्प न सिर्फ पूंजी की सुरक्षा करते हैं, बल्कि सेविंग अकाउंट से बेहतर रिटर्न भी दे सकते हैं। अधिकांश लोग निवेश को लंबे समय के लक्ष्यों जैसे रिटायरमेंट, बच्चों की शिक्षा या घर खरीदने से जोड़कर देखते हैं, लेकिन वित्तीय योजना में शॉर्ट-टर्म निवेश की भूमिका भी उतनी ही महत्वपूर्ण होती है। इमरजेंसी फंड तैयार करना, अतिरिक्त पैसे को सुरक्षित जगह पर रखना या किसी नजदीकी खर्च के लिए राशि जुटाना इन सभी के लिए 1 साल की निवेश योजना बेहद उपयोगी साबित होती है।

1. बैंक फिक्स्ड डिपॉजिट (एफडी)

बैंक एफडी भारत में सबसे भरोसेमंद निवेश विकल्पों में से एक है। 7 दिन से लेकर 1 साल तक के लिए एफडी करवाएं।
फायदे : पूंजी की सुरक्षा, तय व सुनिश्चित रिटर्न, जोखिम ना के बराबर, सरकारी, निजी और स्मॉल फाइनेंस बैंक अलग-अलग ब्याज दरें देते हैं, इसलिए निवेश से पहले तुलना करना जरूरी है। पोस्ट ऑफिस टाइम डिपॉजिट सुरक्षित विकल्प।

2. सेविंग अकाउंट स्वीप-इन एफडी

यह सुविधा सेविंग अकाउंट और एफडी का मिश्रण है। इसमें तय सीमा से ज्यादा पैसा अपने आप एफडी में चला जाता है।
फायदे: जरूरत पड़ने पर तुरंत पैसा उपलब्ध, सेविंग अकाउंट से ज्यादा ब्याज ऑटोमैटिक और सुविधाजनक, यह विकल्प उन लोगों के लिए अच्छा है, जिन्हें लिक्विडिटी भी चाहिए और बेहतर रिटर्न भी।

3. रिकरिंग डिपॉजिट (आरडी)

अगर आप एकमुश्त रकम निवेश नहीं करना चाहते, तो आरडी अच्छा विकल्प है। इसमें हर महीने एक तय राशि जमा की जाती है।
फायदे: छोटी रकम से शुरुआत, नियमित बचत की आदत, सुरक्षित और स्थिर रिटर्न सैलरी पाने वाले निवेशकों के लिए यह विकल्प खासतौर पर उपयोगी है।

4. डेट म्यूचुअल फंड

डेट फंड सरकारी बॉन्ड, ट्रेजरी बिल और अच्छी क्वालिटी के कॉरपोरेट बॉन्ड में निवेश करते हैं।
1 साल के लिए उपयुक्त कैटेगरी: शॉर्ट ड्यूरेशन फंड, मनी मार्केट फंड, लो ड्यूरेशन फंड, इनमें एफडी से थोड़ा बेहतर रिटर्न मिलने की संभावना होती है, हालांकि थोड़ा जोखिम भी रहता है।

5. लिक्विड फंड

लिक्विड फंड बहुत कम अवधि के लिए बनाए गए होते हैं, लेकिन 1 साल तक निवेश के लिए भी इस्तेमाल किए जा सकते हैं।
फायदे: 1 कार्यदिवस में पैसा उपलब्ध, सेविंग अकाउंट से बेहतर रिटर्न, कम जोखिम, अतिरिक्त पैसों को पार्क करने के लिए यह बेहतरीन विकल्प है।

6. कॉरपोरेट फिक्स्ड डिपॉजिट

कई कंपनियां बैंक एफडी से ज्यादा ब्याज पर एफडी ऑफर करती हैं।

ध्यान रखें: कंपनी की क्रेडिट रेटिंग जरूर जांचें, केवल मजबूत वित्तीय स्थिति वाली कंपनियों में निवेश करें, ज्यादा रिटर्न के साथ जोखिम भी ज्यादा, जो निवेशक थोड़ा जोखिम उठा सकते हैं, उनके लिए यह विकल्प उपयुक्त है।

नौकरी के साथ-साथ स्मार्ट तरीकों से भी बढ़ा सकते हैं कमाई

बिजनेस डेस्क

अगर आप भी नौकरीपेशा हैं और सिर्फ सैलरी पर ही जीवन काट रहे हैं तो आप अपनी गुजर बसर तो कर लेंगे, लेकिन अच्छा पैसा एकत्र नहीं कर पाएंगे। ऐसे में नौकरी के साथ कुछ छोटा मोटा स्टार्टअप शुरू करें और अपनी पूंजी को बढ़ाएं। पैसा कमाने के कुछ स्मार्ट तरीके भी हो सकते हैं, जिन्हें आजमाकर आप अपनी इनकम बढ़ा सकते हैं। एक अच्छी नौकरी जिंदगी को स्थिरता देती है, लेकिन बदलते समय में सिर्फ सैलरी पर निर्भर रहना कई बार जोखिम भरा हो सकता है। आज के दौर में एक अच्छी नौकरी मिलना किसी उपलब्धि से कम नहीं है। नौकरी आपको हर महीने तय इनकम देती है, जिससे घर चलता है, बच्चों की पढ़ाई होती है और रोजमर्रा की जिम्मेदारियां पूरी होती हैं, लेकिन बदलते समय के साथ सिर्फ नौकरी पर निर्भर रहना कई बार जोखिम भरा भी हो सकता है। कंपनी की स्थिति बदली, बाजार में मंदी आई या आपकी भूमिका खत्म हुई तो पूरी फाइनेंशियल प्लानिंग हिल सकती है। इसलिए अब नौकरी के साथ-साथ स्मार्ट तरीके से कमाई बढ़ाने की जरूरत है।

नौकरी को बनाएं अपनी सबसे मजबूत नींव

कमाई बढ़ाने का पहला और सबसे मजबूत रास्ता आपकी मौजूदा नौकरी से ही शुरू होता है। अपनी स्किल्स को अपडेट करना, नई जिम्मेदारियां लेना और खुद को कंपनी के लिए ज्यादा वैल्यूएबल बनाना लंबे समय में सैलरी और प्रमोशन दोनों दिला सकता है। हर किसी के पास कोई न कोई टैलेंट होता है। फर्क सिर्फ इतना है कि कुछ लोग उसे सिर्फ शौक तक सीमित रखते हैं, जबकि कुछ उसे कमाई का जरिया बना लेते हैं। अगर आपके पास समय और एनर्जी है, तो पढ़ाना, कंटेंट लिखना, डिजाइन, ऑनलाइन कंसल्टिंग या डिजिटल काम जैसे साइड प्रोजेक्ट शुरू किए जा सकते हैं। शुरुआत भले ही छोटी हो, लेकिन समय के साथ यही साइड इनकम आपकी बड़ी फाइनेंशियल ताकत बन सकती है। सबसे अच्छी बात यह है कि इससे आपकी नौकरी पर कोई सीधा दबाव नहीं पड़ता।

कमाई बढ़ाने का साइलेंट हथियार है निवेश

काम करके पैसा कमाना जरूरी है, लेकिन पैसे से पैसा बनाना भी उतना ही अहम है। निवेश वह तरीका है जो बिना शोर किए आपकी संपत्ति को धीरे-धीरे बढ़ाता है। नियमित एसआईपी, लॉन्ग-टर्म फंड्स या सुरक्षित विकल्प आपको भविष्य की बड़ी जरूरतों के लिए तैयार करते हैं। निवेश आपको आज अमीर नहीं बनाता, लेकिन कल के लिए मजबूत बनाता है. जो लोग जल्दी इसकी आदत डालते हैं, वे आगे चलकर ज्यादा तनाव-मुक्त रहते हैं।

इंश्योरेंस कमाई बचाने की ढाल

कमाई बढ़ाने के साथ-साथ उसे सुरक्षित रखना भी उतना ही जरूरी है। हेल्थ इंश्योरेंस अचानक आने वाले मेडिकल खर्चों से बचाता है और लाइफ इंश्योरेंस परिवार को आर्थिक सुरक्षा देता है। कई लोग इसे खर्च समझकर नजरअंदाज कर देते हैं, लेकिन असल में यह आपकी कमाई की सुरक्षा कवच होता है। सही समय पर लिया गया इंश्योरेंस सालों की मेहनत को एक झटके में खत्म होने से बचा सकता है।

नई स्किल्स से खुलेंगे नए रास्ते

आज का जॉब मार्केट तेजी से बदल रहा है। जो स्किल्स आज काम की हैं, जरूरी नहीं कि कल भी उतनी ही जरूरी रहें। इसलिए लगातार सीखते रहना अब विकल्प नहीं, मजबूरी बन चुका है। नई स्किल्स आपको सिर्फ नई नौकरी ही नहीं, बल्कि साइड इनकम और बेहतर फ्रीलांस मौके भी दिला सकती हैं। जब आपके पास विकल्प होते हैं, तो आप ज्यादा आत्मविश्वास और सुरक्षित महसूस करते हैं।

लाइफस्टाइल और कमाई में संतुलन जरूरी

कमाई बढ़ने के साथ खर्च बढ़ाना स्वाभाविक है, लेकिन अगर सारा पैसा सिर्फ बेहतर लाइफस्टाइल में ही चला जाए, तो भविष्य फिर भी असुरक्षित रहता है। समझदारी इसी में है कि इनकम बढ़ने पर बचत और निवेश भी उसी अनुपात में बढ़ें। इससे आप आज की जिंदगी का मजा भी ले पाएंगे और कल की चिंता भी कम रहेगी।

माता-पिता को सही प्लानिंग करनी होगी, तभी वे बच्चों के सपने पूरे कर पाएंगे

बच्चों की उच्च शिक्षा के लिए समय रहते ठोस और संतुलित निवेश योजना बनाएं

बढ़ती महंगाई के दौर में बच्चों की उच्च शिक्षा के लिए प्लानिंग जरूरी, आज हर परिवार की वित्तीय योजना को प्रभावित किया

योजना
बिजनेस डेस्क

कई माता-पिता एजुकेशन लोन को गलत मानते हैं और इससे पूरी तरह बचना चाहते हैं। लेकिन यह सोच हमेशा सही नहीं होती। सही योजना और समझदारी के साथ लिया गया एजुकेशन लोन कई मामलों में फायदेमंद साबित हो सकता है।

तेजी से बढ़ती महंगाई ने आज हर परिवार की वित्तीय योजना को प्रभावित किया है। खासतौर पर बच्चों की शिक्षा, जो कभी एक सामान्य खर्च मानी जाती थी, अब माता-पिता के लिए सबसे बड़ी वित्तीय जिम्मेदारी बन चुकी है। स्कूल से लेकर कॉलेज और फिर उच्च शिक्षा तक, फीस में हो रही बढ़ोतरी सामान्य महंगाई दर से कहीं ज्यादा है। इंटरनेशनल बोर्ड, विदेश में पढ़ाई, प्रोफेशनल और स्पेशल कोर्स, हॉस्टल और रहने का खर्च ये सभी मिलकर शिक्षा को और महंगा बना रहे हैं। ऐसे समय में अगर माता-पिता अभी से सही प्लानिंग नहीं करते, तो भविष्य में बच्चों के सपनों से समझौता करना पड़ सकता है। इसलिए जरूरी है कि बच्चों की उच्च शिक्षा के लिए समय रहते एक ठोस और संतुलित निवेश योजना बनाई जाए। इस रिपोर्ट के जरिये हम आपको बताएंगे कि बच्चों की शिक्षा के लिए शुरू से ही कैसे रणनीति बनाएं।

एसआईपी की जल्दी शुरुआत करें

बच्चों की शिक्षा के लिए निवेश की सबसे बड़ी कुंजी है जल्दी शुरुआत। जितना जल्दी आप निवेश शुरू करेंगे, उतना ही ज्यादा आपको कंपाउंडिंग का फायदा मिलेगा। एसआईपी यानी सिस्टमैटिक इन्वेस्टमेंट प्लान, शिक्षा फंड बनाने का एक बेहद कारगर तरीका है। एसआईपी के जरिए आप हर महीने एक तय राशि म्यूचुअल फंड में निवेश कर सकते हैं। इससे बाजार के उतार–चढ़ाव का असर कम होता है और लंबी अवधि में निवेश बेहतर रिटर्न दे सकता है। अगर बच्चे की उम्र कम है, तो आप इक्विटी आधारित फंड में ज्यादा निवेश कर सकते हैं, क्योंकि लंबा समय जोखिम को संतुलित कर देता है।

समय के साथ निवेश में बदलाव

कई माता-पिता बच्चों की शिक्षा के लिए सिर्फ एक ही तरह के निवेश पर निर्भर रहते हैं, जो आगे चलकर जोखिम भरा हो सकता है। सही रणनीति यह है कि समय के हिसाब से निवेश का संतुलन बदला जाए। जब बच्चा छोटा हो, तब इक्विटी फंड में निवेश ज्यादा रखा जा सकता है। लेकिन जैसे-जैसे कॉलेज या उच्च शिक्षा का समय नजदीक आता है, वैसे-वैसे जोखिम कम करना जरूरी हो जाता है। ऐसे समय में डेट फंड, फिक्स्ड डिपॉजिट (एफडी), सेविंग अकाउंट या शॉर्ट-टर्म इंस्ट्रूमेंट जैसे सुरक्षित विकल्पों में पैसा शिफ्ट करना समझदारी होती है। इससे बाजार गिरने की स्थिति में फीस के समय पैसों की कमी नहीं होगी।

केवल फीस नहीं, पूरे खर्च का रखें ध्यान

अक्सर माता-पिता शिक्षा की प्लानिंग करते समय सिर्फ ट्यूशन या कॉलेज फीस को ही ध्यान में रखते हैं, जबकि असल खर्च इससे कहीं ज्यादा होता है। बच्चों की उच्च शिक्षा से जुड़े कई अतिरिक्त खर्च होते हैं, जैसे : हॉस्टल या रहने का खर्च, किताबें और स्टडी मटीरियल, लैपटॉप, टैबलेट और अन्य गैजेट्स, हेल्थ इंश्योरेंस, यात्रा खर्च, एप्लिकेशन और एंट्रेंस एग्जाम फीस, इंटर्नशिप और प्रोजेक्ट से जुड़े खर्च आदि। अगर बच्चा विदेश में पढ़ाई करना चाहता है, तो वहां रहने, वीजा, बीमा और ट्रैवल का खर्च और भी ज्यादा हो सकता है। इसलिए शिक्षा फंड बनाते समय इन सभी खर्चों को शामिल करना बेहद जरूरी है।

एजुकेशन लोन को पूरी तरह न नकारें

कई माता-पिता एजुकेशन लोन को गलत मानते हैं और इससे पूरी तरह बचना चाहते हैं। लेकिन यह सोच हमेशा सही नहीं होती। सही योजना और समझदारी के साथ लिया गया एजुकेशन लोन कई मामलों में फायदेमंद साबित हो सकता है।

एजुकेशन लोन के लाभ

- रिटायरमेंट फंड को सुरक्षित रखता है
- एकमुश्त निवेश निकालने का दबाव कम करता है
- टैक्स में छूट का लाभ मिल सकता है
- पढ़ाई के बाद बच्चा खुद लोन चुकाने में सक्षम होता है
- हालांकि, लोन लेने से पहले उसकी ब्याज दर, चुकाने की अवधि और भविष्य की आय को जरूर ध्यान में रखें।

लक्ष्य आधारित निवेश योजना बनाएं

बच्चों की शिक्षा के लिए निवेश करते समय लक्ष्य स्पष्ट होना चाहिए। किस उम्र में, किस देश में और किस कोर्स के लिए पढ़ाई करानी है। जब लक्ष्य साफ होता है, तो सही निवेश विकल्प चुनना आसान हो जाता है। इसके लिए आप एजुकेशन एसआईपी, चाइल्ड फंड, बैलेंस्ड म्यूचुअल फंड, डेट और इक्विटी का मिश्रण जैसे विकल्पों का उपयोग कर सकते हैं। समय-समय पर अपनी योजना की समीक्षा करना भी जरूरी है, ताकि बदलती जरूरतों के अनुसार निवेश में सुधार किया जा सके।

योजना बनाना अब विकल्प नहीं, बल्कि जरूरत

बढ़ती महंगाई के इस दौर में बच्चों की उच्च शिक्षा की योजना बनाना अब विकल्प नहीं, बल्कि जरूरत बन चुका है। केवल एसआईपी शुरू कर देना ही काफी नहीं है, बल्कि सही समय पर निवेश, जोखिम का संतुलन, अन्य खर्चों की गणना और जरूरत पड़ने पर एजुकेशन लोन का समझदारी से इस्तेमाल करना भी उतना ही जरूरी है। अगर माता–पिता आज से सही निवेश योजना बनाते हैं, तो आने वाले समय में बच्चों के सपनों को पूरा करने में कोई आर्थिक बाधा नहीं आएगी। सही प्लानिंग न सिर्फ बच्चों का भविष्य सुरक्षित करती है, बल्कि माता–पिता को भी मानसिक शांति देती है।

पाक और चीन को बड़ा झटका, नक्शा देख जल-भुन जाएंगे जिनपिंग-मुनीर

पीओके-अक्साई चीन को अमेरिका ने भी माना भारत का हिस्सा

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

भारत-अमेरिका के बीच हुए ट्रेड डील के साथ ही अमेरिकी अधिकारी ने एक ऐसा नक्शा जारी किया है, जिसने पाकिस्तान और चीन दोनों को एक साथ झटका दे दिया है। इस नक्शे में जम्मू-कश्मीर के पूरे क्षेत्र को भारत का अभिन्न हिस्सा दिखाया है। इसमें पाकिस्तान के कब्जे वाला कश्मीर (पीओके) और लद्दाख का अक्साई चिन भी शामिल है। इसे भारत की लंबे समय से चली आ रही स्थिति पर अमेरिका की स्पष्ट मुहर के तौर पर देखा जा रहा है।

अमेरिका के ट्रेड रिप्रेजेंटेटिव (यूएसटीआर) ने भारत-अमेरिका अंतरिम व्यापार समझौते के दायरे को समझाने के लिए यह नक्शा जारी किया है। इस पोस्ट में जम्मू-कश्मीर, अक्साई चिन, लद्दाख और अरुणाचल प्रदेश को भारत की क्षेत्रीय सीमाओं के भीतर दर्शाया गया है। खास बात यह है कि यह नक्शा किसी अनौपचारिक पोस्ट का हिस्सा नहीं, बल्कि भारत-अमेरिका व्यापार ढांचे से जुड़े आधिकारिक बयान के साथ साझा किया गया। सोशल मीडिया पर व्यापार समझौते को रेखांकित करते हुए यूएसटीआर ने कहा कि यह समझौता अमेरिकी उत्पादों के लिए भारत में नए बाजार खोलेगा। इस पोस्ट के साथ जो नक्शा साझा किया गया, उसमें भारत की संप्रभुता को लेकर कोई अस्पष्टता नहीं छोड़ी गई।

भारत की पूर्ण क्षेत्रीय अखंडता को मान्यता देने वाला कदम

यह नक्शा अमेरिका की ओर से पहली बार इतने स्पष्ट रूप से भारत की पूर्ण क्षेत्रीय अखंडता को मान्यता देने वाला कदम माना जा रहा है। खासकर ऐसे समय में जब भारत-अमेरिका के बीच व्यापार समझौता हो रहा है और टैरिफ में कटौती हो रही है। यह घटना भारत के लिए कूटनीतिक जीत की तरह देखी जा रही है।

चीन, पाक की 'कूटनीतिक हार'

भारत लंबे समय से कहता आ रहा है कि जम्मू-कश्मीर, लद्दाख (जिसमें अक्साई चिन शामिल है) और अरुणाचल प्रदेश भारत का अभिन्न अंग हैं। 5 अगस्त 2019 के बाद जम्मू-कश्मीर को दो केंद्रशासित प्रदेशों में बांटने के बाद भी भारत की यह स्थिति अटल रही है। अब अमेरिका के आधिकारिक यूएसटीआर नक्शे में पीओके और अक्साई चिन को भारत का हिस्सा दिखाना चीन और पाकिस्तान के लिए बड़ा झटका है।

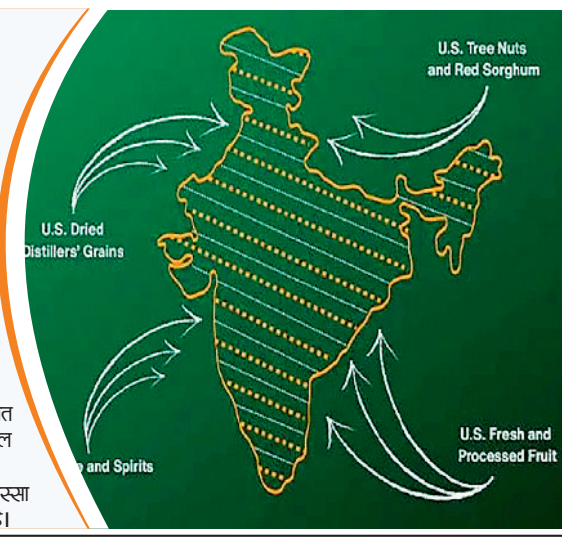

अमेरिका ने ट्रेड डील के बाद शेयर किया इंडियन मैप

पाक को करारा तमाचा

पाकिस्तान ने 2020 में अपना नया राजनीतिक नक्शा जारी किया था, जिसमें पीओके, लद्दाख के कुछ हिस्से, जूनागढ़, मनावदार और सर क्रीक को अपना बताया था। भारत ने इसे 'राजनीतिक मूर्खता' करार देते हुए खारिज कर दिया था। अब यूएसटीआर का नक्शा पाकिस्तान के दावों को पूरी तरह नकारता है। पाकिस्तान के सेना प्रमुख आसिम मुनीर के लिए यह और भी शर्मिंदगी वाली बात है, क्योंकि पाकिस्तान का लंबे समय से सहयोगी रहा अमेरिका अब भारत की सीमाओं को मान्यता दे रहा है।

जिनपिंग को ट्रंप का जवाब

वहीं चीन की तरफ से भी यही स्थिति है। अगस्त 2023 में चीन ने अपना 'स्टैंडर्ड मैप' जारी किया था, जिसमें अरुणाचल प्रदेश को 'दक्षिण तिब्बत' और अक्साई चिन को अपना हिस्सा बताया गया था। भारत ने इसे तुरंत खारिज करते हुए कहा था कि ऐसे नक्शे से हकीकत नहीं बदलती. अब अमेरिका का यूएसटीआर नक्शा चीन के दावों को सीधे चुनौती देता है। राष्ट्रपति शी जिनपिंग के लिए यह कूटनीतिक झटका है।

पीओके, अक्साई चीन का विवाद

भारत और पाकिस्तान के बीच पीओके विवाद 1947 से जम्मू-कश्मीर क्षेत्र से जुड़ा सबसे पुराना विवाद है। अक्साई चिन विवाद भी भारत और चीन के बीच सबसे पुराने सीमा विवादों में से एक है। यह क्षेत्र लद्दाख के पूर्वोत्तर हिस्से में स्थित एक ऊंचा, बंजर और ठंडा रेगिस्तानी इलाका है, जो लगभग 38,000 वर्ग किलोमीटर में फैला हुआ है। इसे 1962 युद्ध के दौरान चीन ने इस पर कब्जा किया था। भारत इसे अवैध कब्जा मानता है।

कुआलालंपुर में प्रधानमंत्री मोदी ने किया ऐलान

मलेशिया में आएगा यूपीआई, खुलेगा नया कॉन्सुलेट, यहां निवेश भी करेगा भारत

एजेंसी ▶▶ कुआलालंपुर

2,500 भारतीय प्रवासियों के कार्यक्रम को किया संबोधित

मलेशिया में दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी इंडियन ओरिजिन कम्युनिटी

मलेशिया के प्रधानमंत्री इब्राहिम ने कहा, भारत से दोस्ती पर गर्व

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी मलेशिया के प्रधानमंत्री अनवर इब्राहिम के साथ शनिवार को कुआलालंपुर में भारतीय समुदाय के सदस्यों को संबोधित करते हुए कहा कि भारत का यूपीआई शीघ्र ही मलेशिया में आएगा। इसके साथ ही पीएम मोदी ने नए कॉन्सुलेट खोलने के बाद करते हुए भारत और मलेशिया के बीच संबंधों को मजबूत करने पर जोर दिया। प्रधानमंत्री मोदी अपनी 2026 की पहली विदेश यात्रा पर मलेशिया पहुंचे, जहां उनका स्वागत बेहद खास रहा।

खुद मलेशियाई प्रधानमंत्री अनवर इब्राहिम ने एयरपोर्ट पहुंचकर उनकी अगवानी की, जो दोनों देशों के बीच बढ़ती दोस्ती का बड़ा संकेत है। कुआलालंपुर में करीब 2,500 भारतीय प्रवासियों को संबोधित करते हुए पीएम मोदी ने कहा कि मलेशिया में भारत के लिए जो प्यार और सम्मान दिखा है, उसे देश हमेशा याद रखेगा। उन्होंने बताया कि पिछले साल आसियान समिट में न आ पाने का वादा उन्होंने आज पूरा कर दिया है। प्रधानमंत्री मोदी की मलेशिया की यह तीसरी यात्रा है और अगस्त 2024 में भारत-मलेशिया द्विपक्षीय संबंधों को 'व्यापक रणनीतिक साझेदारी' का दर्जा दिए जाने के बाद उनकी यह पहली यात्रा है।

भारत-मलेशिया को जोड़ने वाली कई चीजें

पीएम मोदी ने कहा कि मलेशिया में दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी इंडियन ओरिजिन कम्युनिटी है। ऐसी बहुत सी चीजें हैं जो इंडियन और मलेशियाई दिलों को जोड़ती हैं। उन्होंने कहा कि आप वो जीता-जागता पुल हैं जो हमें जोड़ता है। आपने रोटी कैनाई को मालाबार परोट्टा से जोड़ा है। नारियल, मसाले स्वाद बहुत जाने-पहचाने लगते हैं, चाहे वो कुआलालंपुर हो या कोच्चि. हम एक-दूसरे को बहुत अच्छी तरह समझते हैं।

भारतीय शास्त्रीय नृत्यों का अद्भुत प्रदर्शन

कार्यक्रम में 800 से अधिक प्रतिभागियों ने नृत्य प्रस्तुतियां दीं। इन नर्तकों ने भरतनाट्यम, कथक, कथकली, कुचिपुड़ी, लावणी और ओडिसी समेत भारतीय शास्त्रीय और लोक नृत्यों का प्रदर्शन किया। मोदी और इब्राहिम एक ही कार में कार्यक्रम स्थल पर पहुंचे। मोदी 'भारत माता की जय' और 'मोदी, मोदी' के नारों के बीच मंच पर पहुंचे। यह घोषणा की गई कि भारतीय नृत्य प्रदर्शन में सबसे अधिक कलाकारों के भाग लेने के लिए इस नृत्य प्रदर्शन ने मलेशियाई रिकॉर्ड पुस्तिका में अपना नाम दर्ज करा लिया है।

भारत 'विकास के लिए एक भरोसेमंद भागीदार'

मोदी ने विभिन्न देशों के साथ भारत द्वारा किए गए व्यापार समझौतों का जिक्र करते हुए कहा कि भारत को 'विकास के लिए एक भरोसेमंद भागीदार' के रूप में देखा जाता है। उन्होंने कहा कि ब्रिटेन, संयुक्त अरब अमीरात (यूएई), ऑस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड, ओमान, यूरोपीय संघ और अमेरिका के भारत के साथ व्यापारिक समझौते हुए हैं और विश्वास भारत की सबसे मजबूत मुद्रा बन गया है।

भारत हमारा पुराना व प्रमुख व्यापारिक सहयोगी : इब्राहिम

इब्राहिम ने कहा, 'भारत, मलेशिया के प्रमुख व्यापारिक साझेदारों में से एक है। हमारे बीच न केवल वस्तुओं का आदान-प्रदान होता है, बल्कि 2025 में 15 लाख से अधिक भारतीय पर्यटक मलेशिया आए थे।' उन्होंने कहा, 'मुझे मोदी जी और भारत का मित्र होने पर गर्व है।' इब्राहिम ने इस मौके पर कहा, 'भारत से एक अच्छे मित्र के मलेशिया में हमारे साथ शामिल होने से मैं व्यक्तिगत रूप से उत्साहित हूं।' उन्होंने दोनों देशों के बीच प्राचीन संबंधों को याद किया।

योगी सरकार में ब्राह्मण समुदाय त्रस्त : मायावती

लखनऊ। बीएसपी की राष्ट्रीय अध्यक्ष और उत्तर प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री मायावती ने यूपी की योगी आदित्यनाथ सरकार पर हमला बोला है। मायावती ने शनिवार को कहा कि बी जे पी सरकार में कुछ मुट्ठी भर लोगों को छोड़कर समाज के सभी वर्गों के लोग त्रस्त हैं लेकिन उनमें खासकर ब्राह्मण समाज उपेक्षा और असम्मान के विरुद्ध काफी मुखर है। आगामी विधानसभा के आमचुनाव के संबंध में गहन विचार-विमर्श किया।

यौन शोषण : डॉक्टर को 24 साल जेल की सजा

लंदन। ब्रिटेन में बच्चों के यौन शोषण के एक गंभीर मामले में 76 साल के रिटायर्ड वेटनरी डॉक्टर जॉन रुबेन को 23 साल 10 महीने की जेल की सजा सुनाई गई है। आरोपी ने समर कैंप में बच्चों को दी जाने वाली कैंडी में नशीली दवाएं मिलाकर उनका यौन शोषण किया। यह मामला पिछले साल जुलाई का है, जब इंग्लैंड के एक समर कैंप से जुड़े 8 से 11 साल के 8 बच्चों और एक वयस्क को अस्पताल में भर्ती कराना पड़ा था। जांच के बाद पुलिस ने रुबेन को गिरफ्तार किया था। जॉन रुबेन ने नवंबर में कोर्ट में 17 मामलों में दोष स्वीकार किया था। इनमें 13 साल से कम उम्र के दो बच्चों के साथ यौन उत्पीड़न और 8 बच्चों के साथ क्रूरता के आरोप शामिल हैं।

शरद पवार के भतीजे एनसीपी नेता रोहित ने कहा

'अजीत की मौत को लेकर संदेह, 10 को दूंगा प्रेजेंटेशन'

एजेंसी ▶▶ मुंबई

एनसीपी (एसपी) नेता रोहित पवार ने शनिवार को कहा कि महाराष्ट्र के पूर्व उपमुख्यमंत्री अजित पवार की विमान हादसे में हुई मौत की परिस्थितियों को लेकर सभी के मन में सवाल और संदेह हैं।

उन्होंने कहा कि वह 10 फरवरी को मुंबई में इस मामले पर एक डिटेल प्रेजेंटेशन देंगे और बताएंगे कि हादसा क्यों हुआ और कैसे हुआ होगा। रोहित पवार ने यह बात बारामती में जिला परिषद चुनाव में वोट डालने के बाद पत्रकारों से कही। अहिल्यानगर जिले की करजात-जामखेड़ सीट से विधायक रोहित पवार ने कहा कि वह यह भी बताएंगे कि पार्टी विलय की योजना क्यों बनाई गई थी और इसके पीछे असली मंशा क्या थी। उन्होंने कहा कि वह समझाएंगे कि अजित दादा की सोच राजनीतिक थी या भावनात्मक। बता दें 28 जनवरी को बारामती में विमान हादसे में अजित पवार की मौत हो गई थी।

संजय राउत ने भी उठाए सवाल

शिवसेना (यूबीटी) सांसद संजय राउत ने कहा कि रोहित पवार के अलावा एनसीपी विधायक और अजित पवार के करीबी अमोल मिटकरी, एनसीपी मंत्री छगन भुजबल और एनसीपी (एसपी) सांसद बजरंग सोनवणे ने भी इस दुखद घटना पर संदेह जताया है। उन्होंने आरोप लगाया कि संदेह दूर करने के बजाय मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस कह रहे हैं कि इस मुद्दे पर राजनीति न हो।

पार्टी एकता की कोशिश रहेगी जारी

पत्राकारों से रूबरू रोहित ने कहा कि अजित दादा चाहते थे कि राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के अलग-अलग गुट एक हो जाएं और विलय की कोशिशें आगे भी जारी रहेंगी। उन्होंने कहा कि अजित दादा दिल से चाहते थे कि सभी एक परिवार की तरह साथ आएं और आज सभी साथ आए हैं। परिवार अब भी एकजुट है और आगे भी उसी तरह प्रयास जारी रहेंगे। बता दें, शरद पवार के नेतृत्व वाली एनसीपी (एसपी) और एनसीपी ने जिला परिषद चुनाव के लिए हाथ मिलाया है। दोनों दलों के उम्मीदवार एनसीपी के 'घड़ी' चुनाव चिन्ह पर चुनाव लड़ रहे हैं।

बाइकर केस : सब-कॉन्ट्रैक्टर गिरफ्तार, 3 इंजीनियरों पर भी केस

नई दिल्ली। दिल्ली के जनकपुरी में मोटरसाइकिल सवार की मौत के मामले में एफआईआर में कहा गया है कि साइट पर कोई वॉर्निंग साइन, बैरिकेड या लाइटिंग नहीं थी। कोई गार्ड तैनात भी नहीं किया गया था। एफआईआर में कहा गया है कि गड्ढे को बिना किसी सुरक्षा उपाय के खुला छोड़ दिया गया था। वहीं, दिल्ली पुलिस ने इस सिलसिले में कंस्ट्रक्शन साइट के एक सब-कॉन्ट्रैक्टर को गिरफ्तार कर लिया गया है।

'वोटर लिस्ट मामले में शिकायत राजनीति से प्रेरित, जालसाजी का कोई सबूत नहीं'

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

यूपीए चेयरपर्सन सोनिया गांधी ने कोर्ट को 6 पेज का जवाब सौंपा

कांग्रेस की वरिष्ठ नेता सोनिया गांधी ने शनिवार को दिल्ली की एक अदालत को बताया कि वोटर लिस्ट में उनके नाम को लेकर की गई शिकायत राजनीतिक मकसद से प्रेरित है। इसमें उनकी तरफ से किसी भी तरह की हेराफेरी या जालसाजी का कोई दस्तावेजी सबूत नहीं है।

सोनिया ने वकील तरन्नुम चीमा और कनिष्क सिंह के जरिए राउज एवेन्यू कोर्ट के स्पेशल जज विशाल गोगने के सामने छह पेज का जवाब दाखिल किया। जज विशाल गोगने शिकायतकर्ता विकास त्रिपाठी द्वारा दायर रिवीजन याचिका पर सुनवाई कर रहे हैं। इसमें पिछले साल 11 सितंबर को दिए गए एक आदेश को चुनौती दी गई है। उस आदेश में एक मजिस्ट्रेट ने सोनिया के खिलाफ आरोपों को बेबुनियाद और कानून की प्रक्रिया का दुरुपयोग बताते हुए उनकी शिकायत खारिज कर दी थी। शनिवार को सुनवाई के दौरान कोर्ट ने मामले को 21 फरवरी के लिए टाल दिया।

मजिस्ट्रेट ने खारिज कर दी थी याचिका

जांच के निर्देश देने वाली याचिका को खारिज करते हुए मजिस्ट्रेट ने कहा था कि कांग्रेस नेता के खिलाफ ऐसा कोई भी ठोस सबूत नहीं है, जिससे यह साबित हो सके कि उन्होंने खुद को वोटर के तौर पर रजिस्टर कराने के लिए कागजात में हेराफेरी की थी।

यह है आरोप

शिकायत में दावा किया गया था कि सोनिया ने 30 अप्रैल 1983 को भारतीय नागरिकता ली थी, जबकि उनका नाम तीन साल पहले 1980 में ही वोटर लिस्ट में शामिल कर लिया गया था। शिकायत में आरोप लगाया गया था कि गांधी का नाम 1982 में हटा दिया गया था और 1 जनवरी 1983 को फिर से दर्ज किया गया था। एडवोकेट नारंग ने दावा किया था कि अगर कांग्रेस नेता ने देश के कानूनों के अनुसार भारतीय नागरिकता के लिए सही तरीके से अप्लाई किया होता तो 1982 में उनका नाम वोटर लिस्ट से नहीं हटाया जाना चाहिए था। शिकायतकर्ता ने गांधी पर उनके नागरिकता दस्तावेजों में जालसाजी का आरोप लगाया, जो भारतीय न्याय संहिता और रिप्रेजेंटेशन ऑफ द पीपल एक्ट 1950 के तहत एक संज्ञेय अपराध है।

'सिंदूर' पर जैश का फिर बड़ा कबूलनामा मुनीर ने दिया था 'गजवा-ए-हिंद' का नारा

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

जैश कमांडर इलियास कश्मीरी ने कहा

आतंकी संगठन जैश-ए-मोहम्मद के टॉप आतंकी ने भारत द्वारा किए गए ऑपरेशन सिंदूर को लेकर बड़ा कबूलनामा किया है। आतंकी इलियास कश्मीरी ने पाकिस्तानी सेना के चीफ आसिम मुनीर को लेकर एक बड़ा खुलासा किया है। उसने कहा है कि पाकिस्तानी सेना के चीफ ने आतंकियों से कहा था कि 'ये गजवा ए हिंद है।'

मिली जानकारी के अनुसार, पीओके के रावलकोट में 5 फरवरी को आतंकी संगठन जैश के टॉप कमांडर इलियास कश्मीरी ने जैश के आतंकियों के बीच खुलासा करते हुए कहा कि हमारे सिपहसालार ने युद्ध का ऐलान करते हुए कहा था 'कि ये युद्ध गजवा ए हिंद है।' इलियास कश्मीरी ने कहा कि जब जंग छिड़ गई, असलहा निकल आया और फाइट जेट टकरा गए, टैंक आमने-सामने खड़े हो गए तब सिपहसालार ने ऐलान कर दिया कि 'ये गजावत उल हिंद है।

ट्रेंड आतंकवादियों के सामने ही कबूलनामा

ये रैली जैश ए मोहम्मद में भर्ती किए गए नए आतंकियों के लिए की गई थी और इलियास कश्मीरी ने आतंकवाद फैलाने वाले इन ट्रेंड आतंकवादियों के सामने ही अपना कबूलनामा किया था। आतंकवादियों के सामने इलियास कश्मीरी ने कहा, हमारा नाम, हमारी पहचान, हमारा मोटो जिहाद (आतंकवाद) है। आतंकी इलियास ने कहा कि जब सरकार हमारे साथ थी, तब भी जिहाद और जब सरकार साथ नहीं थी, तब भी जिहाद, जिहाद ही हमारा असली मकसद है। हम जिहाद करेंगे और कश्मीर को आजाद करवाएंगे।

राशिफल

मेष — किसी अज्ञात भय से परेशान रहेंगे। परिवार के स्वास्थ का ध्यान रखें। रहन-सहन कष्टमय रहेगा। कारोबार में परिश्रम अधिक रहेगा।

वृष — शैक्षिक कार्यों में सफलता मिलेगी। धैर्यशीलता बनाये रखने के प्रयास करें। किसी अज्ञात भय से परेशान हो सकते हैं। रहन-सहन अव्यवस्थित रहेगा।

मिथुन — व्यर्थ के झगड़े एवं विवादों से बचें। नौकरी में अफसरों का सहयोग मिलेगा। कार्यक्षेत्र में सुधार होगा। आत्मसंयत रहें। पठन-पाठन में रुचि रहेगी।

कर्क — आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। पारिवारिक जीवन सुखमय रहेगा। सन्तान की ओर से सुखद समाचार मिल सकते हैं। धर्म-कर्म में रुचि बढ़ेगी।

सिंह — रहन-सहन कष्टमय हो सकता है। पठन-पाठन में रुचि रहेगी। शैक्षिक कार्यों में सफलता मिलेगी। किसी राजनेता से भेंट हो सकती है।

कन्या — धार्मिक संगीत के प्रति रुझान बढ़ सकता है। कारोबार में भागदौड़ बढ़ सकती है। कार्यक्षेत्र में कुछ कठिनाइयों का सामना करना पड़ सकता है।

तुला — क्रोध एवं आवेश के अतिरेक से बचें। तरक्की के अवसर मिल सकते हैं। स्वास्थ्य के प्रति सतर्क रहें। धन की स्थिति में सुधार होगा।

वृश्चिक — धन की स्थिति में सुधार आएगा। वस्त्र उपहार में मिल सकते हैं। पठन-पाठन में रुचि बढ़ेगी। शैक्षिक कार्यों के सुखद परिणाम मिलेंगे।

धनु — वाणी में मधुरता रहेगी। धैर्यशीलता बनाये रखें। कुछ पुराने मित्रों से भेंट हो सकती है। आलस्य की अधिकता रहेगी। दिनचर्या अव्यवस्थित हो सकती है।

मकर — लाभ के अवसर मिलेंगे। परिश्रम अधिक रहेगा। वाणी में मधुरता रहेगी। धैर्यशीलता बनाये रखें। परिश्रम की अधिकता रहेगी। स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

कुंभ — कारोबार में सुधार होगा। लाभ में वृद्धि होगी। किसी धार्मिक स्थान की यात्रा पर जाने का कार्यक्रम बन सकता है। सेहत का ध्यान रखें।

मीन — आय में वृद्धि होगी। माता से वैचारिक मतभेद हो सकते हैं। दिनचर्या अव्यवस्थित रहेगी। तरक्की के मार्ग प्रशस्त होंगे। बातचीत में सन्तुलित रहें।

शब्द पहेली - 6132

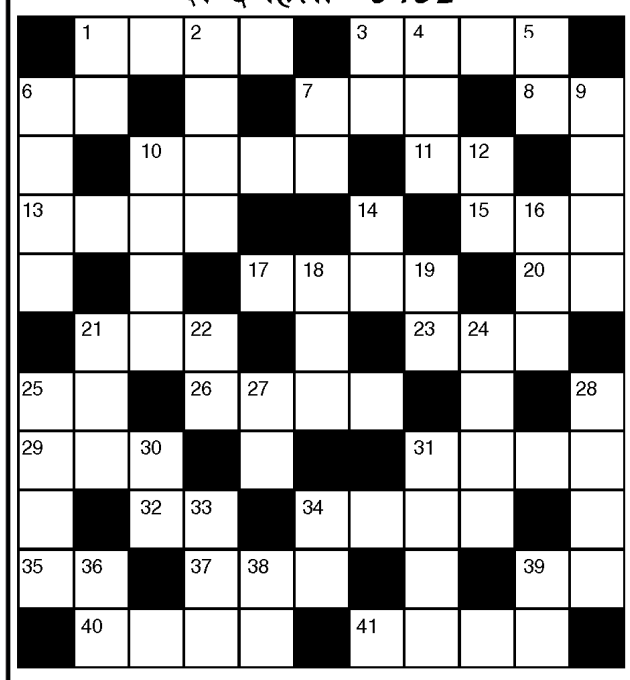

बाएँ से दाए

1. जाति, समाज, बुंधता-4
3. स्वयंवर माला, जीत-4
6. चूहे का घर-2
7. स्थिर, टिका हुआ-3
8. पार्थिव देह, लाश-2
10. सुवासित करना-4
11. थोड़ा, कम-2
13. मोटा आटा, दानेदार-4
15. गौरव, अभिमान-3
17. विष्णु, नारायण-4
20. वाहन, गाड़ी, जहाज-2
21. होशियार, दक्ष-3
23. उचित, सही-3
25. जया भादुड़ी व अमिताभ की फिल्म-2
26. करिश्मा, करतब-4
29. भर्त्सना, धिक्कार-3
31. गुलाम, परतंत्र-4
32. बेल, लतिका-2
34. आश्चर्य-4
35. नांद, टप-2
37. मग्नता-3
39. मछली-2
40. कुशलपूर्वक, सुरक्षित-4
41. मित्रतापूर्ण-4

ऊपर से नीचे

1. विधेयक, देयक-2
2. विजयादशमी-4
3. जीत, विजय-2
4. जुड़वा-3
5. शव, मृत शरीर-2
6. बंधु, सजातीय, भाई-4
7. एक आंख वाला-2
9. मौजूदा, आधुनिक-4
10. मदमस्त-4
12. धुन, लय, सुर-2
14. इच्छा, कामना-2
16. सुर साधना-3
18. भगवान कृष्ण का गरीब मित्र-3
19. छुट्टी, अवकाश-2
21. अच्छा कुल का-3
22. भाग्य (अंग्रेजी-2)
24. यम, मृत्यु का देवता-4
25. अपमिश्रण, खोट-4
27. निशा, रात्रि-2
28. कहासुनी, कलह-4
30. तल्ला, पैंदा-2
31. गुलामी, पराश्रित-4
33. शिक्षा (उर्दू-3)
34. अदा करना, चुकाना-2
36. एक सवारी गाड़ी-2
38. झुका हुआ-2
39. दोस्त, सखा-2

शब्द पहेली- 6131 का हल

प	ब	न	कु	मा	र	■	म	क	ब	रा
ला	न	■	त	■	स	ली	का	■	स	त
य	■	प	र	वा	ना	■	न	न	■	दि
न	का	र	ना	■	■	क	■	म	हा	न
वा	■	ख	■	स	ह	ल	ज	■	ज	■
दी	वा	ना	प	न	■	प	र	व	री	श
■	जि	■	र	स	ले	ना	■	न	■	री
ग	ब	न	■	नी	■	■	अ	वा	ना	र
ज	■	शा	न	■	■	आ	ब	नू	स	■	र
रा	ज	■	ज	टा	यु	■	रू	■	क	क्ष
ज	ल	च	र	■	ध	मों	प	दे	श	क

सूडोकु नवताल - 6142

मध्यम

		5			8			3
	7			3	5			
3						6		
							8	5
	6			7			1	
4	2							
		1						8
			7	4			3	
6			2			7		

MANGAL SENACHA, BANGALORE

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल - 6141 का हल

9	4	8	7	5	1	6	2	3
3	7	5	6	4	2	1	8	9
6	2	1	3	9	8	4	7	5
4	1	3	8	6	7	9	5	2
5	8	6	9	2	4	3	1	7
2	9	7	5	1	3	8	4	6
8	6	4	2	7	9	5	3	1
7	3	9	1	8	5	2	6	4
1	5	2	4	3	6	7	9	8

प्रथम पृष्ठ का शेष

बस्तर आकर ऐसा...

आयोजन नहीं, बल्कि जनजातीय समुदाय की पहचान, स्वाभिमान और परंपराओं को सहेजने का सशक्त मंच है। 54 हजार से अधिक आदिवासी कलाकारों का पंजीयन इस बात का प्रमाण है कि जनजातीय समाज अपनी सांस्कृतिक जड़ों से गहराई से जुड़ा हुआ है। उन्होंने कहा कि हिंसा का मार्ग छोड़कर माओवादी मुख्यधारा में लौट रहे हैं, लोकतंत्र के प्रति विश्वास बढ़ा है और वर्षों से बंद विद्यालय फिर से खुल रहे हैं। दुर्गम अंचलों में सड़क, पुल, बिजली और पानी जैसी मूलभूत सुविधाएं पहुंच रही हैं, जिससे बस्तर में विकास का नया सूर्योदय हो रहा है। राष्ट्रपति ने कहा कि दशकों तक माओवाद से प्रभावित रहे इस क्षेत्र में अब भय और अविश्वास का वातावरण समाप्त हो रहा है। शांति की स्थापना के साथ नागरिक जीवन सामान्य हो रहा है और यह पूरे देश के लिए प्रसन्नता का विषय है। उन्होंने बस्तर की जनजातीय संस्कृति को राष्ट्रीय और वैश्विक मंच पर प्रस्तुत करने का आह्वान करते हुए कहा कि अपनी परंपराओं को सहेजना ही हमारी सबसे बड़ी ताकत है। इस दौरान पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री राजेश अग्रवाल, केन्द्रीय राज्य मंत्री तोखन साहू, उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा, वन मंत्री केदार कश्यप, विधायक किरणदेव, सांसद महेश कश्यप, कांकेर सांसद भोजराज नाग, कोंडागांव विधायक एवं भाजपा राष्ट्रीय उपाध्यक्ष लता उसेंडी, दंतेवाड़ा विधायक चैतराम अटामी, चित्रकोट विधायक विनायक गोयल, महापौर संजय पांडे, छग वेबरेज निगम के अध्यक्ष श्रीनिवास मद्दी, राज्य अनुसूचित जनजाति आयोग के अध्यक्ष रूपसिंह मंडावी, पूर्व सांसद दिनेश कश्यप, कमिश्नर डोमन सिंह, पुलिस महानिरीक्षक सुन्दरराज पी, कलेक्टर आकाश छिकारा, पुलिस अधीक्षक शलभ सिन्हा सहित जनप्रतिनिधि और बड़ी संख्या में नागरिक उपस्थित रहे।

अमित शाह पहुंचे,...

अफसरों के साथ केंद्र सरकार के अधिकारी भी शामिल होंगे। सोमवार को श्री शाह बस्तर पंडुम महोत्सव का समापन करने बस्तर जाएंगे। श्री शाह तय कार्यक्रम के मुताबिक जम्मू से बीएसएफ के विमान से 4.10 बजे रायपुर एयरपोर्ट पहुंचे। विमानतल से सीधे श्री शाह होटल मेफेयर पहुंचे। मुख्यमंत्री श्री साय और डिप्टी सीएम विजय शर्मा भी होटल गए। होटल में करीब दो घंटों तक श्री शाह ने मुख्यमंत्री और डिप्टी सीएम के साथ रविवार को होने वाली बैठक को लेकर चर्चा की। **आज दिनभर बैठक** - रविवार को नक्सलवाद पर दिनभर बैठकों का दौर चलेगा। पहले चरण में 11 से 12.45 बजे तक पहली बैठक होगी। इसके बाद 12.45 से 2.00 बजे तक नक्सलवाद की समीक्षा बैठक होगी। दोपहर को 2 से 3 बजे का समय भोजन के लिए आरक्षित रखा गया है। इसके बाद फिर से 3.00 से लेकर 4.15 बजे तक बैठक होगी। बैठक में नक्सलियों के खिलाफ अब तक की गई कार्रवाई की श्री शाह के सामने जानकारी रखी जाएगी। इसी के साथ आने वाले समय में नक्सलवाद को समाप्त करने की रणनीति पर चर्चा होगी। बस्तर में नक्सलवाद से जुड़े कौन-कौन से गुट बचे हैं, उनको समाप्त करने लिए क्या-क्या किया जाएगा, इसको लेकर रणनीति बनेगी। 5.00 से लेकर 6.10 बजे तक श्री शाह साप्ताहिक पत्रिका 'ऑर्गेनाइजर' के 'भारत प्रकाशन' द्वारा आयोजित राष्ट्रीय कॉन्क्लेव 'छत्तीसगढ़ @ 25 शिफ्टिंग द लेंस में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे। **कल जाएंगे बस्तर** - अपने दौरे के अंतिम दिन सोमवार को श्री शाह जगदलपुर, बस्तर में आयोजित बस्तर पंडुम महोत्सव 2026 के समापन समारोह में शामिल होंगे। श्री शाह रायपुर से 11 बजे जगदलपुर के लिए बीएसएफ के विशेष विमान से रवाना होंगे। उनके साथ मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय और डिप्टी सीएम विजय शर्मा, अरुण साव भी जाएंगे। 12.05 से 1.20 बजे तक पंडुम महोत्सव के समापन में शामिल होंगे। कार्यक्रम के बाद भोजन करेंगे और फिर 2.15 बजे बीएसएफ के विमान से जगदलपुर से दिल्ली के लिए रवाना होंगे। मुख्यमंत्री और डिप्टी सीएम अलग से दूसरे विमान से रायपुर लौटेंगे।

विमानतल पर...

साहू, राजेश मूणत, मुख्य सचिव विकास शील, पुलिस महानिदेशक अरुण देव गौतम, अपर मुख्य सचिव (गृह) मनोज पिंगुआ तथा रायपुर पुलिस कमिश्नर संजीव शुक्ला उपस्थित थे।

शाह के दौरे...

अध्यक्ष जैसे पदों पर सक्रिय थे। इनपर 85 लाख का ईनाम घोषित था। इसी दिन सुकमा जिले में 21 माओवादी कैडरों ने आत्मसमर्पण किया, जिनमें तीन डिविजनल कमेटी मेंबर (डीवीसीएम) और 5 एरिया कमेटी मेंबर (एसीएम) शामिल हैं। ये कैडर दरभा डिवीजन, दक्षिण बस्तर डिवीजन, केकेबीएन डिवीजन (ओडिशा) और इंद्रावती एरिया कमेटी में सक्रिय रहे हैं और लंबे समय से सुकमा-बीजापुर-ओडिशा बेल्ट में माओवादी गतिविधियों के संचालन में अहम भूमिका निभा रहे थे, इन पर 76 लाख का इनाम घोषित था। यह आत्मसमर्पण सुकमा एवं बीजापुर में माओवादी कैडरों के आत्मसमर्पण के अवसर पर पुलिस महानिरीक्षक बस्तर रेंज सुंदरराज पट्टलिंगम, पुलिस अधीक्षक जिला बीजापुर डॉ. जितेंद्र यादव, पुलिस अधीक्षक जिला सुकमा किरण चव्हाण, डीआईजी सीआरपीएफ सुकमा आनंद सिंह, डीआईजी सीआरपीएफ बीजापुर बीएस नेगी तथा अन्य वअधिकारी वरिष्ठ समाज प्रमुखों के साथ उपस्थित थे। बताया जा रहा है कि एक जनवरी 2024 से अब तक अकेले बीजापुर जिले में 918 माओवादी मुख्यधारा में लौट चुके हैं, जबकि 1163 गिरफ्तार किए गए हैं और 232 माओवादी मुठभेड़ों में मारे गए हैं।

सेमरा की पहाड़ी...

गरियाबंद जिले के मैनपुर थाना के ग्राम सेमरा के जंगल में नक्सल विरोधी सर्चिंग अभियान के लिए रवाना हुई थी। सर्चिंग के दौरान आत्मसमर्पित नक्सली भूमिका व अमीला की निशानदेही पर डीआरजी की टीम मैनपुर थाना क्षेत्र में स्थित सेमरा पहाड़ पहुंची। टीम ने यहां नक्सलियों द्वारा छिपाकर रखे गए हथियार एवं विस्फोटक सामग्री को बरामद किया।

एक्सट्रा ट्रंप टैरिफ...

आयात बंद करने की प्रतिबद्धता जताई है। आदेश में कहा गया है, सात फरवरी, 2026 को स्थानीय समयानुसार रात 12:01 बजे या उसके बाद उपभोग के लिए आयातित या गोदाम से उपभोग के लिए निकाले गए उत्पादों के संबंध में, अमेरिका में आयातित भारतीय उत्पादों पर कार्यकारी आदेश 14329 के तहत लगाए गए 25 प्रतिशत अतिरिक्त मूल्य-आधारित शुल्क लागू नहीं होंगे। इस बारे में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि अंतरिम व्यापार समझौता किसानों और उद्यमियों के लिए नए अवसर खोलकर 'मेक इन इंडिया' को मजबूत करेगा और महिलाओं एवं युवाओं के लिए रोजगार सृजित करेगा। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि अंतरिम समझौते से भारतीय निर्यातकों, विशेषकर सूक्ष्म, लघु एवं मझोले उद्यमों (एमएसएमई), किसानों और मछुआरों के लिए 30,000 अरब अमेरिकी डॉलर का बाजार खुलेगा। इसका कारण भारतीय वस्तुओं पर अमेरिकी शुल्क पहले के 50 प्रतिशत से घटकर 18 प्रतिशत हो जाएगा। अमेरिका ने अगस्त, 2025 में रूस से कच्चे तेल की खरीद जारी रखने को लेकर भारत पर 25 प्रतिशत अतिरिक्त शुल्क लगा दिया था। यह पहले से लगाए गए 25 प्रतिशत जवाबी शुल्क के अलावा था। इस वजह से भारतीय उत्पादों पर अमेरिका में कुल शुल्क बढ़कर 50 प्रतिशत हो गया था। इससे भारतीय निर्यातकों को भारी नुकसान हुआ था, क्योंकि अमेरिका उनका सबसे बड़ा निर्यात गंतव्य है। अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि (यूएसटीआर) कार्यालय ने कहा कि अमेरिकी राष्ट्रपति भारत के साथ व्यापार समझौते के तहत अमेरिकी किसानों और उत्पादकों की दुनिया की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में से एक तक पहुंच का विस्तार कर रहे हैं। यूएसटीआर ने एक सोशल मीडिया पोस्ट में कहा, राष्ट्रपति ट्रंप अमेरिकी किसानों और उत्पादकों की दुनिया की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में से एक तक पहुंच बढ़ा रहे हैं। भारत ने सभी अमेरिकी औद्योगिक वस्तुओं और कृषि उत्पादों की एक विस्तृत श्रृंखला पर शुल्क को समाप्त करने या कम करने, व्यापार में लंबे समय से चली आ रही गैर-शुल्क बाधाओं को दूर करने, अधिक अमेरिकी वस्तुओं और सेवाओं को खरीदने और 500 अरब डॉलर से अधिक के अमेरिकी उत्पादों की खरीद करने की प्रतिबद्धता जताई है। इस समझौते की सराहना करते हुए, अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि दूत जैमीसन ग्रीर ने कहा कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के 'समझौते अंजाम देने' से अमेरिकी श्रमिकों और उत्पादकों के लिए दुनिया की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में से एक के द्वार खुल रहे हैं। **रात 12 बजे से हटा एक्सट्रा 25 फीसदी टैरिफ**- भारतीय वस्तुओं पर अमेरिका द्वारा लगाए गए अतिरिक्त 25 प्रतिशत शुल्क को सात फरवरी से हटा लिया गया। अमेरिकी राष्ट्रपति कार्यालय 'व्हाइट हाउस' की तरफ से जारी आदेश के मुताबिक, भारत ने अगले 10 वर्षों के लिए अमेरिका के साथ रक्षा सहयोग विस्तार के एक ढांचे पर भी सहमति जताई है। इस आदेश में कहा गया है, सात फरवरी, 2026 को पूर्वी मानक समयानुसार रात 12.01 बजे के बाद खपत के लिए आयात की गई या गोदाम से निकाली गई भारत की वस्तुओं पर कार्यकारी आदेश 14329 के तहत लगाया गया अतिरिक्त 25 प्रतिशत मूल्य-आधारित शुल्क (ऐड वैलोरेम) लागू नहीं रहा। **जल्द लागू होगी नई रूपरेखा**-संयुक्त बयान में यह भी कहा गया कि दोनों देश इस रूपरेखा को 'शीघ्र' लागू करेंगे और पारस्परिक रूप से लाभकारी द्विपक्षीय व्यापार समझौते (बीटीए) को निष्कर्ष पर पहुंचाने के उद्देश्य से अंतरिम समझौते को अंतिम रूप देने की दिशा में काम करेंगे। समझौते के तहत भारत कुछ क्षेत्रों में अमेरिकी वस्तुओं पर आयात शुल्क उसी दिन खत्म कर देगा, जिस दिन यह समझौता लागू होगा। अन्य उत्पादों पर शुल्क को समय के साथ चरणबद्ध तरीके से समाप्त किया जा सकता है। कुछ क्षेत्रों में शुल्कों में कटौती की जाएगी, जबकि अन्य में कोटा आधारित रियायतें दी जाएंगी। **रूसी तेल खरीद पर दी चेतावनी**-एग्जीक्यूटिव ऑर्डर में कहा गया है कि एग्जीक्यूटिव ऑर्डर के तहत लगाया गया अतिरिक्त 25 प्रतिशत शुल्क समाप्त कर दिया जाएगा। वॉइट हाउस ने कहा कि अमेरिका भारत की निगरानी जारी रखेगा, खास तौर पर रूसी तेल के आयात के संबंध में। अगर भारत सीधे या अप्रत्यक्ष रूप से रूसी संघ के तेल का आयात फिर से शुरू करता है, तो प्रशासन अतिरिक्त टैरिफ को फिर से लगाने पर विचार कर सकता है।

सस्ता ही नहीं,...

टमाटर आने के बाद आमतौर पर टमाटर के दाम बहुत कम हो जाते हैं, लेकिन इस बार एक तो टमाटर की कई हेक्टयर फसल खराब हो गई है, वहीं पहली बार बंगाल और दिल्ली तक छत्तीसगढ़ के टमाटर जाने के कारण यहां पर आवक कम होने से दाम लगातार आसमान पर रहे। अब कीमत कम : फरवरी के प्रारंभ होने के साथ ही टमाटर के दाम लगातार कम होते चले गए हैं। पहले इसके दाम चिल्हर में 20 रुपए तक हुए, फिर दाम 15 रुपए पर आए। अब तो दाम अच्छी क्वालिटी के टमाटर के दाम चिल्हर में 10 रुपए हो गए हैं। इसी के साथ छोटी साइज के कुछ कम क्वालिटी वाले टमाटर के दाम चिल्हर में चार से पांच रुपए हो गए हैं। डूमरतराई थोक बाजार में 25 किलो का क्रेट 50 से 100 रुपए में बिक रहा है। कारोबारियों के मुताबिक इस बार बाहर के राज्यों में टमाटर जाने के कारण किसानों को अच्छा फायदा हुआ है। ऐसे में अब जो फसल बची है, वह उनका बोनस ही है। ऐसे में इसके दाम बहुत कम हो गए हैं। **सब्जियों ने दाम अब कम** : जहां तक अन्य सब्जियों का सवाल है तो इसके दाम अब बहुत कम हो गए हैं। फूल गोभी थोक में 12 से 15 और चिल्हर में ही 25 से 30 रुपए, पत्ता गोभी थोक में 5 से 6 रुपए, चिल्हर में 10 रुपए, भाट्टा थोक में 15 से 20 रुपए और चिल्हर में 30 से 40, पालक भाजी चिल्हर में ही 10 से 20 रुपए, धनिया 60 रुपए, कद्दू 20 रुपए, लौकी 20 रुपए, मेथी 30 रुपए किलो बिक रही है। हरी मिर्च थोक में 60 रुपए और चिल्हर में 80 से 100 रुपए बिक रही है। भिंडी थोक में 60 रुपए और चिल्हर में 100 रुपए किलो हैं। सबसे महंगी सब्जी इस समय परवल है। थोक में इसके दाम 230 रुपए और चिल्हर में 70 रुपए पाव हैं। मटर के दाम बहुत कम हो गए हैं। मटर चिल्हर में 25 रुपए किलो बिक रहा है। गाजर के दाम भी 25 रुपए किलो हो गए हैं।

तुड़ाई और परिवहन...

रही है। जिसकी वजह से खपत कम माल ज्यादा हो गया है। **यूपी, दिल्ली, आंध्रा और तेलंगाना के व्यापारी नहीं आ रहे** - दुर्ग जिले में दोनों सीजन में 19 हजार 14 हेक्टेयर क्षेत्रफल में टमाटर की फसल होती है। दुर्ग, धमधा और पाटन ब्लॉक बड़ी मात्रा में टमाटर का उत्पादन होता है। सबसे ज्यादा पैदावार धमधा ब्लॉक में होती है, इसलिए इसे प्रदेश का टमाटर हब भी कहा जाता है। धमधा में दोनों सीजन में 9514 हेक्टेयर में टमाटर की फसल होती है। धमधा में ज्यादा लाभ के कारण 70 फीसदी किसान टमाटर की खेती करते हैं। इससे पूरे प्रदेश में सर्वाधिक 1 लाख 95 हजार 280 मिट्रिक टन टमाटर की पैदावार यहीं होती है, लेकिन इस बार प्रतिकूल मौसम के कारण टमाटर के बंपर पैदावार ने किसानों को परेशान कर दिया है। यहां खेतों में आकर यूपी, नोएडा, दिल्ली, आंध्रप्रदेश और तेलंगाना के व्यापारी स्थानीय बाजार से दोगुने दाम पर टमाटर खरीदकर ले जाते थे, लेकिन इस बार नोएडा और दिल्ली तो दूर लोकल बाजार में भी खरीदार नहीं मिल रहे हैं। **थोक में 3 रुपए रेट पहुंचा टमाटर**- टमाटर उत्पादक किसानों के मुताबिक थोक रेट प्रति किलो 3 रुपए तक आ पहुंचा है। टमाटर को मजदूरों से तुड़वाने और उसे मंडी तक परिवहन करने और दलाली में ही 2 रुपए प्रति किलो और खर्च हो जाते हैं। इस स्थिति में किसानों को टमाटर की लागत से कम में टमाटर बेचना पड़ रहा है। टमाटर किसानों के लिए अब फायदे का सौदा नहीं रह गया है। आने वाले दिनों में मौसम में और उतार-चढ़ाव होता रहा तो टमाटर के दाम और धड़ाम से गिर सकते हैं। इसलिए किसानों की चिंता बढ़ गई है। **एक साथ पकने लगे हैं टमाटर**- मौसम की मार से प्रदेशभर के सब्जी उत्पादक किसानों को समस्याओं से जूझना पड़ रहा है। धमधा पथरिया के किसान लीमन साहू, केशडबरी के किसान प्रकाश लोधी, नगपुरा के किसान पंकज भाई, गनियारी के किसान टेकन साहू, घोठा के के किसान रामाधार, डोमा पथरिया के किसान संदीप सोलंकी आदि बताते हैं कि बदली और तापमान ज्यादा बढ़ने-घटने की वजह से टमाटर प्री मेच्योर हो गई है। दो से तीन दिन बाद टमाटर तैयार होती थी वह पहले ही तैयार हो रही है। हाल यह है कि टमाटर तो एक साथ पकने लगे हैं। दीगर राज्यों से ट्रांसपोर्टिंग भी बंद हो गई है। लोकल में छोटे बाड़ियों से भी टमाटर की आवक बढ़ गई है। इन कारणों से टमाटर की खपत कम और पैदावारी ज्यादा हो गई है।

डॉ. नरेन्द्र अग्रवाल
Skin Care
चर्म एवं गुप्त रोग विशेषज्ञ
सुविधाएं
• लेजर हेयर रिमूवल • कैमिकल पीलिंग
• हाइड्रोफेशियल • रेडियोफ्रिक्वेंसी
• कार्बन फेशियल • एलर्जी टेस्ट
रविवार अवकाश
क्लीनिक : छत्तीसगढ़ कॉलेज के सामने, सिविल लाईन, बैरनबाजार, रायपुर (छ.ग.) समय : सुबह 10:00 से 2:00 बजे तक
सिटी कोतवाली के पास, छोटापारा रोड, रायपुर (छ.ग.) शाम 5:00 से 8:30 बजे तक, फोन : 0771-2546760, 9300323131

मोतियाबिंद
आयुष्मान कार्ड सुविधा
SBH साईं बाबा नेत्र हॉस्पिटल
छोटी लाईन ब्रिज के पास, फाफाडीह, रायपुर 9644099925

अष्टविनायक हॉस्पिटल
बच्चों एवं महिलाओं का अस्पताल
» प्रसूति » नवजात » शिशु रोग
» बांझपन » सोनोग्राफी » आयुष्मान कार्ड
» बच्चों एवं बड़ों के आपरेशन » अनुभवी डॉक्टर्स प्रतिदिन
आमा सिवनी, विधानसभा रोड, रायपुर (छ.ग.), 9826182221 9301744425

डायबिटिज मधुमेह का सर्वोत्तम इलाज - अब दिल्ली, मुंबई, चेन्नई क्यू जाना
मधुमीत डायबिटिज हॉस्पिटल
डॉ राका शिवहरे MBBS, MD FNIC FIPA
भर्ती सुविधा उपलब्ध
Ecg, Echo, Tmt, Doppler, Carotid, Doppler, Insulin, Pump, Cgms, Homa IR
शिव मंदिर चौक, अवंति विहार, रायपुर, फोन : 0771- 4060929, मो. 7389485756

JHAIGO Cream झाईगो 5+1
चेहरे को दागों से मुक्त कर सुंदरता बढ़ाये...
तो फिर क्या.. बस इस बार झाईगो क्रीम उपयोग कर देखें।
क्या आपके... चेहरे पर झाईयां है? आंखो पर काले घेरे हैं?
चेहरे पर मुहाँसे के काले निशान है? या जले या चोट के निशान है?

वैदेही तुलसी कफ सीरप
नई एवं पुरानी खांसी, एलर्जी खांसी, श्वास, निमोनिया, कुकुरखांसी, टान्सिल, ब्रानकाटिस, सर्दी आदि में तेज असर कारक
2 वर्ष से बड़े बच्चों के लिए हानिरहित कफ सिरप
HMS देखकर खरीदें एक बार उपयोग कर देखें 94060-21769

epaper- www.haribhoomi.com
हरिभूमि Classified
Email- hbclassified375@gmail.com
आवश्यकता आपकी सुविधा हमारी
Contact For Advertisement Booking
Ring Road No.-2, Gourav Path, Bilaspur
Mo.- 9826782100

आवश्यकता है

आवश्यकता है- मार्केटिंग में फोर व्हीलर छोटा हाथी चलाने हेतु अनुभवी ड्राइवर चाहिए वेतन योग्यता अनुसार। आधार कार्ड लाइसेंस सहित सम्पर्क करें- अरोरा बेकरी, बृहस्पति बाजार के पास, बिलासपुर 9827164721 (39880)

आवश्यकता है- बिजी साफ्टवेयर अनुभवी कम्प्यूटर आपरेटर युवती एवं माल जमाने, दिखाने तथा पैकिंग कार्य के लिए मेहनती लड़कों/लड़कियों की आवश्यकता है बायोडाटा सहित सम्पर्क करें- आर.के. बूट हाउस तेलीपारा बिलासपुर (39881)

आवश्यकता है- कपड़ा दुकान (मेंस, साड़ी, लहंगा, बच्चों के कपड़े) में कम्प्यूटर ऑपरेटर, सेल्समैन, सेल्सगर्ल एवं फोल्डर की आवश्यकता है। सैलरी अनुभव अनुसार। सम्पर्क करें- करबला रोड, पुराना बस स्टैण्ड, बिलासपुर 7566285241 (39876)

आवश्यकता है- रेडिमेड कपड़ा शोरूम में लड़के, लड़कियां एवं बिलिंग आपरेटर चाहिए। वेतन योग्यता अनुसार। दुकान में आकर मिलें- Red Fox Mens wear, BSNL आफिस के सामने, अग्रसेन चौक बिलासपुर 90982 22243, 9713623032 (39875)

आवश्यकता है- अम्माजी ट्रेडर में ग्रामीण क्षेत्र में कार्य के लिए सेल्समैन लड़के की आवश्यकता है बाइक अनिवार्य वेतन योग्यता अनुसार सम्पर्क करें- व्यापार विहार, बिलासपुर 6266732985, 96851 38652 (39878)

आवश्यकता है- अनुभवी ड्राइवर की आवश्यकता है जिसे मर्सिडीज वाल्वो जैसी लग्जरी गाड़ियां चलाने का अनुभव हो उम्र न्यूनतम 35वर्ष, वेतन आकर्षक, समय 11बजे से 6बजे तक सम्पर्क करें- 9301991124 (39874)

आवश्यकता है- लेडिज रेडीमेड शोरूम में कार्य करने हेतु सेल्समैन की आवश्यकता है। अनुभवी ही सम्पर्क करें- सदर बाजार बिलासपुर 99932 37937 (39870)

आवश्यकता है- Foliage Public School चकरभाठा, बिलासपुर में सभी क्लास के इंग्लिश मीडियम के टीचर, (Pre Primary, Primary and High Classes), मार्केटिंग, ऑफिस स्टाफ एवं ड्राइवर की आवश्यकता है। Contact/ Whatsapp 84347 69624 (39879)

आवश्यकता है- नल, सेनेटरी पाइप फिटिंग दुकान में अनुभवी फील्ड सेल्समैन, अनुभवी सुपरवाइजर, दुकान में कार्य हेतु लड़को की आवश्यकता है। वेतन योग्यतानुसार। सम्पर्क करें- गीता ट्रेडर्स रायपुर रोड तिफरा 9752317779, 91790 17779 (39856)

आवश्यकता है- चिकन सेन्टर में काम करने हेतु दो लड़के की आवश्यकता है वेतन 12000 महीना सम्पर्क करें- डी.के. चिकन सेन्टर भरनी बस स्टैण्ड बिलासपुर 79745 16697, 9752765384 (39865)

आवश्यकता है- सीसीटीवी कैमरा की वायरिंग एवं फिटिंग हेतु युवकों की आवश्यकता है अनुभवी को प्राथमिकता सम्पर्क करें- पारस इन्टरप्राइजेस, GF-26, अम्बे अंजनी ई-प्लाजा, सीएमडी कॉलेज चौक, लिंक रोड बिलासपुर 9425530470, 9826598526 (39864)

आवश्यकता है- बिलासपुर की प्रतिष्ठित रियल एस्टेट कम्पनी में ऑफिस एक्जीक्यूटिव की आवश्यकता है। योग्यता- किसी भी विषय में स्नातक, रीयल एस्टेट में अनुभवी को प्राथमिकता, अच्छी कम्युनिकेशन स्किल्स, वेतन- योग्य उम्मीदवार हेतु कोई सीमा नहीं। सम्पर्क करें- 9630023355 (39869)

आवश्यकता है- प्रो सोलर एनर्जी कंपनी में सोलर पैनल प्रचार प्रसार हेतु ब्लॉक तखतपुर कोटा लोरमी मुंगेली पथरिया बिल्हा मस्तूरी बिलासपुर रतनपुर बेलतरा में लड़के। सैलरी 10000 पेट्रोल 3000 सम्पर्क- 88895 80567, 9302158989 (39863)

आवश्यकता है- प्रतिष्ठित औद्योगिक संस्थान हेतु सुरक्षा गार्डों की शीघ्र आवश्यकता है। वेतन शासकीय नियम अनुसार। अपने मूल दस्तावेजों के साथ तत्काल सम्पर्क करें- अमर तिवारी फील्ड अफसर बुन्देलास सिक्युरिटास एंड कंसल्टेंट्स प्राइवेट लिमिटेड फर्स्ट फ्लोर, अम्बे प्लाजा, बस स्टैण्ड के सामने बिलासपुर 93405 54393, 9329454393 (39877)

आवश्यकता है- शीघ्र आवश्यकता जो बाहर रहकर कार्य कर सके इंदौर में ऑफिस कार्य हेतु लड़के चाहिए।. आयु 18से 30 वर्ष वेतन 9000 + कमीशन + बोनस के साथ 20000 रहना खाना फ्री+ गाड़ी किराया + कोई शुल्क नहीं लगेगा संपर्क करें-, 8085189675 89620 00161 (528)

आवश्यकता है- डोर स्टेप लॉन्ड्री में अनुभवी ड्राई क्लीनर कारीगर की अतिशीघ्र आवश्यकता है वेतन योग्यता अनुसार सम्पर्क करें- ड्रीम बिल्डर्स के बगल में, मन्दिर चौक बिलासपुर 99079 80004, 9300003383 (39860)

आवश्यकता है- साड़ी दुकान में सेल्सबॉय (वेतन 15000+ 1%. सीखे हुए बॉय) हेल्पर (10000) (बाय 8500) सीखी हुई लड़कियां (वेतन 7500) बिना सीखी लड़कियां हेल्पर (6500) (18-30 वर्ष) वाले सम्पर्क करें- 9691342085 (39849)

आवश्यकता है- (M/F) मैनेजर, एकाउंटेंट, सुपरवाइजर, सेल्समैन, हेल्पर चाहिए (समय 10 से 8) सैलरी 9000 से 25000 सम्पर्क करें- Farmers Pride, नेचर सिटी गेट से 200 मीटर आगे सकरी रोड, उसलापुर 917929 4949 (39850)

आवश्यकता है- थोक दवाई एजेन्सी में कार्य करने हेतु एकाउंटेंट, माल निकालने, पैकिंग हेतु लड़के, लड़कियां एवं ड्राइवर की आवश्यकता है इच्छुक सम्पर्क करें- गायत्री मेडिकल एजेन्सी, मेडिकल काम्पलेक्स, तेलीपारा बिलासपुर 9827122105 (39820)

आवश्यकता है- मिठाई एवं नाश्ता बनाने के लिए हलवाई मिस्त्री की आवश्यकता है मिस्त्री का वेतन 18000 से 30000) एवं होटल में काम करने हेतु लड़के चाहिए (लड़के का वेतन 9000 से 18000) पता- यदुनन्दन नगर तिफरा बिलासपुर 93005 21234 (39861)

आवश्यकता है- प्लाईवुड शोरूम में सेल्स एंड मार्केटिंग पर्सन, ऑफिस कार्य हेतु टेलीकॉलर शिक्षित, लड़के, लड़कियां चाहिए। वेतन 10000 से 50000+ बोनस+ कमीशन +पेट्रोल, बाइक अनिवार्य। रिज्यूम व्हाट्स एप्प करें- 9608777772, अनुभवी उम्मीदवार ही सम्पर्क करें-एस.एस. प्लाईवुड महाराणा प्रताप चौक बिलासपुर (561)

आवश्यकता है- एक अनुभवी कम्पलीट मोटर वाइंडर की आवश्यकता है जो 1 HP से 100 HP तक के मोटर की रिवाइंडिंग कर सके। सम्पर्क करें- सोनी इलेक्ट्रीकल्स, बिल्हा 7000292989 (39848)

आवश्यकता है- लड़के लड़कियां कम्प्यूटर ऑपरेटर, ऑफिस कार्य, कटर, फिटर, वेल्डर, गार्ड, इलेक्ट्रीशियन हेल्पर चपरासी स्टोर कीपर, सुपरवाईजर पॉवर प्लांट हेतु 5वीं से ग्रेजुएट वेतन योग्यतानुसार मेडिकल रहना फ्री पता- सीपत 9589582768 (39851)

आवश्यकता है- नर्सरी से 12वी तक पढ़ाने हेतु टीचर्स एवं सफाई कर्मचारी की आवश्यकता है। सम्पर्क करें- 9 से 2बजे, संस्कार स्कूल, स्वास्थ्य केन्द्र के सामने, बाजार के पास, उसलापुर 90985 46135, 7000737657 (39855)

आवश्यकता है- यश बिग बाजार में काम करने के लिए लड़के लड़कियों की आवश्यकता है। आकर्षक वेतन योग्यता अनुसार सम्पर्क करें- स्टेट बैंक के सामने राजकिशोर नगर बिलासपुर 9300329794, 9131876031 (39847)

आवश्यकता है- नियोजन अधिकारी प्रतिदिन 500 से 5000 कमाने का सुनहरा अवसर, वर्किंग पार्टनर, मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, दिल्ली संपर्कः- अलर्ट एसजीएस प्राइवेट लिमिटेड, कार्यालयः- 06 जे. शुक्ला कॉम्प्लेक्स पचपेड़ी नाका रायपुर 77470 00016, 7746000016 (348)

आवश्यकता है- कैंटीन और नाश्ता सेन्टर में घर जैसा खाना और नाश्ता बनाने वाले पुरुष एवं महिला की अतिशीघ्र आवश्यकता है सम्पर्क करें- मंगला बिलासपुर 97556 55055 (39853)

आवश्यकता है-नर्सिंग होम में कार्य करने के लिए बीएससी नर्सिंग स्टाफ, ट्रेण्ड नर्स की आवश्यकता है। सम्पर्क करें- जय अम्बे नर्सिंग होम, रिंग रोड नं.-2, महाराणा प्रताप चौक, बिलासपुर 9981970853 (39838)

आवश्यकता है-आफिस, कम्प्यूटर कार्य हेतु अनुभवी आपरेटर, बागवानी कार्य हेतु मैनेजर, कार ड्राइवर, कुक, घरेलू कार्य, किराए के घर की देखभाल हेतु मैनेजर, कोर्ट कचहरी हेतु मुंशी चाहिए सम्पर्क करें- 8078280001 (39611)

आवश्यकता है-बेरोजगार युवा आज ही नौकरी पाइये पद- सिक्योरिटी गार्ड योग्यता-5वी से 12वीं पास ग्रेजुएट भी मान्य सुविधा रहने व खाने की व्यवस्था उपलब्ध वेतन-9500 से 18000 प्रतिमाह लोकेशन- नया रायपुर, रायपुर, रायगढ़, आज ही कॉल करें और नौकरी पक्की करें 9201958117, 9201958118 (6547)

आवश्यकता है- ड्राइवर चाहिए- बिलासपुर शहर में रहने वाले ड्राइवर की आवश्यकता है। संपर्क करें 9171147000 (518)

आवश्यकता है- छत्तीसगढ़ से बाहर ऑफिस कार्य हेतु अविवाहित युवकों की अतिशीघ्र आवश्यकता है योग्यता, 10वी, 12वी, स्नातक, वेतन -12000+ कमिशन (रहना फ्री) ट्रेनिंग के बाद कमाए 20-25 हजार नोट नशेड़ी फ़ोन न करें मो. 99825 89693 (527)

हमारा अशियाना
META PROPERTIES
3BHK VILLA & PLOTS AVAILABLE
VIP CITY, Saddu, Vidhan Sabha, Raipur, C.G.
812 000 8290
Khanna Advt.

आवश्यकता है- वेदांत इंटरप्राइजेज में पैकिंग कार्य व अन्य कार्य हेतु लड़कियों की आवश्यकता है, वेतन 6000/- (समय 10am से 7pm) सम्पर्कः- साइंस कॉलेज सरकंडा 9074741377 (516)

आवश्यकता है- रियल एस्टेट में मार्केटिंग के लिए अनुभवी लड़कियों की आवश्यकता है लोकेशन मंगला चौक बिलासपुर रिज्यूम इस नम्बर पर व्हाट्सएप करें- 8435997777 (39852)

बेचना है

बेचना है-विकसित T&C एप्रूव्ड आवासीय कॉलोनी आर.के. रेसीडेन्सी तिफरा में स्वतंत्र 3BHK मकान 80 लाख में बेचना है, 1900/1350 प्लाट/ बिल्टअप एरिया। सम्पर्क करें- 9300635493 (39752)

बेचना है- 88डिस. (38500 वर्गफुट) समतल भूमि 40फुट चौड़ी डामर रोड पर फ्रंट 400, बिजली, नहर सुविधा कीमत 40लाख। गांव खांडा (धनिया) सीपत बलौदा रोड बिलासपुर मोपका चौक से 18km सम्पर्क- 9111117776 (39868)

बेचना है- रामा लाइफ सिटी सकरी, फेस 3, में 2035 वर्गफुट, सरकंडा राजीव विहार गली नं.-2 में 2400 वर्गफुट, यदुनन्दन नगर बाजार चौक के पास 2400 वर्गफुट प्लॉट सम्पर्क करे 7000957476, 9179210106 (39846)

बेचना है- डीपीएस स्कूल एवं बस स्टैण्ड बिलासपुर से 1.5 km दूर, जीएसटी आफिस से लगा, 80फुट चौड़ी घुरु अमेरी रोड पर स्थित वीनस अपार्टमेंट में सर्वसुविधायुक्त 2/3BHK फ्लैट्स उपलब्ध, सम्पर्क- 9300612345 (39854)

किराया

किराया- टिकरापारा मेन रोड पर दंतेश्वरी प्रेस के सामने 14×18= 252 वर्गफुट दुकान कोचिंग, पार्लर आफिस व्यावसायिक उपयोग हेतु फर्नीचर सहित किराए से देना है सम्पर्क करें- मनोज कोचिंग 7000763187, 98279 52086 (39862)

वैवाहिकी

वधु चाहिए

ब्राह्मण सरयूपारी
47 वर्षीय 5'.7"
एजुकेशन b.com
मुबंई निवासी हेतु
संुदर सुशील युवती चाहिए
संपर्क करें:-
8839287764
7977728830

Medicare Specialists
गुप्त रोगी स्वयं मिले
शादी से घबराहट गुप्त रोग
■ शीघ्र पतन से शारीरिक कमजोरी
■ शारीरिक एवं मानसिक नपुंसकता
■ लिंग में ढीलापन, छोटापन, पतलापन
■ लिंग में टेढ़ापन
■ वीर्य में शुक्राणु की कमी
■ बढ़ती उम्र में सेक्स की कमी
■ पेशाब में धातु जाना
■ शुगर से सेक्स में आई हुई कमजोरी
संपर्क जे.जे. अहमद दवाखाना
सरकारी आई.टी.आई. पॉवर हाऊस अंबेडकर चौक, सी मार्ट के सामने बस स्टैण्ड, भिलाई
प्रतिदिन - सोम से शनि समय - 9 बजे से 5 बजे तक
रविवार - 9 बजे से 2 बजे तक
9098889899
छोटा लिंग निराश क्यों?
जोश जगा दे धूम मचा दे।
18 से 80 वर्ष तक लाभदायक
लिंग को 8-9 ईन्च लम्बा मोटा, कठोर बनाये। सैक्स टाइम 30 से 45 मिनट बढाएं।
नसों की कमजोरी नामर्दी, धातु का पतलापन, शुगर, बी.पी. में भी जबरदस्त लाभदायक।
घर बैठे मंगवाये।
लाभ नही तो पैसे वापिस।
8515825081
9083218330

हरिभूमि में लघु विज्ञापन देने हेतु सम्पर्क करें
➡ जिला कार्यालय कोरबा:- बी.ब्लॉक, कॉमर्शियल काम्पलेक्स, ट्रांसपोर्ट नगर, जिला कोरबा (छ.ग.) मो. 9644018888, 7581808267
➡ जिला कार्यालय मुंगेली:- थाना के सामने गली, गोल बाजार, जिला- मुंगेली (छ.ग.) मो. 9303508230
➡ शिवम एड एजेंसी & पब्लिसिटी:- मो. 9993567380, 8770837744
➡ एड प्रयास:- मो. 9826701269, 9926003943
➡ श्यामनानी एडवरटाईजर्स:- मो. 9827168452, 9300625174
➡ रिद्धीसिद्धी एडवरटाइजर्स & पब्लिसिटी:- मो. 9826129386, 8319503386
➡ जे.जे. एडवरटाइजर्स:- मो. 9300659628
➡ रौनक पब्लिसिटी:- मो. 9300328290, 9981658490
➡ भार्गव एडवरटाइजर्स:- मो. 9827167997
➡ श्रीसिद्धि विनायक एडवरटाइजर्स:- मो. 9826705603
➡ एम.जी.आर. एडवरटाइजर्स:- मो. 9827180896, 9131155033
➡ श्री श्याम पब्लिसिटी:- मो. 9425540759
➡ अमित पब्लिकेशन:- मो. 9826304304, 9827124304
➡ विप्रा विज्ञापन सेवा:- मो. 9302462506
➡ माधवास & कम्पनी:- मो. 9977185123, 9893115084
➡ बालाजी एडवरटाइजर्स:- मो. 9827466133, 9907047586

सूचना
पाठकों से अनुरोध है कि वे समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन के संबंध में किसी भी प्रकार का कदम उठाने (पैसे भेजने, कोई भी खर्च उठाने, चिकित्सकीय सलाह, विवाह संबंधित) या किसी भी वादे-दावे पर अमल करने से पहले अच्छी तरह से जांच पड़ताल कर लें। पाठक पूर्ण जानकारी लेवें व स्वविवेक से निर्णय लेकर ही लेन देन करें। किसी भी उत्पाद या सेवाओं के संबंध में किए किसी भी विज्ञापनदाता के किसी प्रकार के दावों की हरिभूमि (प्रेस प्रबंधक व कर्मचारी) की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी। प्रकाशक, संपादक, कर्मचारी और हरिभूमि के स्वामी किसी विज्ञापन के संबंध में उठाए किसी कदम के नतीजे और विज्ञापन दाताओं के अपने वायदों पर खरा न उतरने के लिए जिम्मेदार नहीं होंगे।

टी20 विश्व कप मैच सुबह 11 बजे से

उलटफेर में माहिर अफगानिस्तान का आज न्यूजीलैंड से मुकाबला

एजेंसी ▶▶| चेन्नई

उलटफेर करने में माहिर अफगानिस्तान जैसी खतरनाक टीम के खिलाफ न्यूजीलैंड को टी20 विश्व कप के ग्रुप डी के पहले मैच में रविवार को खेल के हर विभाग में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना होगा। टिम सीफर्ट और फिन एलेन के आने से शीर्षक्रम मजबूत लग रहा है लेकिन रचिन रविंद्र, मार्क चैपमैन और डेवोन कोंवे को बेहतर प्रदर्शन करना होगा।

न्यूजीलैंड को अपने गेंदबाजों के भी फॉर्म में लौटने की उम्मीद होगी जो भारत के खिलाफ काफी महंगे साबित हुए थे। दूसरी ओर अफगानिस्तान काफी दमदार टी20 टीम है, जिसने पिछले सप्ताह वेस्टइंडीज का श्रृंखला में सूपड़ा साफ किया। उसके पास काफी मैच विनर खिलाड़ी है लेकिन सबसे बड़ा स्टार राशिद खान है। दुनिया भर में टी20 लीग खेलने वाले राशिद की गेंदें अब उतनी रहस्यमयी भले ही नहीं रह गई हों लेकिन वह बेहद खतरनाक गेंदबाज हैं। उनका साथ देने के लिए मुजीबुर रहमान और नूर अहमद होंगे। चेपॉक की पिच पर दोनों टीमों के स्पिनरों की भूमिका अहम होगी और चूंकि मैच 11 बजे शुरू हो रहा है तो ओस की भी उतनी भूमिका नहीं होगी।

विश्व स्तर पर छाप छोड़ने का नेपाल को मौका इंग्लैंड से भिड़ंत, मैच दोपहर तीन बजे से

एजेंसी ▶▶| मुंबई

दो बार की चैंपियन इंग्लैंड के कप्तान हैरी ब्रूक को उम्मीद है कि टी20 विश्व कप के पहले मैच में रविवार को उनकी टीम जब नेपाल से खेलेगी तो फोकस वेलिंगटन क्लब में हुई घटना की बजाय मैदान में प्रदर्शन पर रहेगा। इंग्लैंड ने विश्व कप की पुख्ता तैयारी की है और प्रबल दावेदारों में से एक है। इंग्लैंड को पता है कि उसे पहले ही मैच से अच्छा प्रदर्शन करना होगा। इंग्लैंड ने पिछले 17 वनडे में से 11 जीते हैं और पिछले साल दो ही गंवाए हैं। ओस के हालात में गेंदबाजी हालांकि चुनौती हो सकती है और ऐसे में अनुभवी आदिल रशीद काफी उपयोगी साबित होंगे। नेपाल के लिए यह विश्व स्तर पर अपनी छाप छोड़ने का एक और मौका है। पिछली बार वह दक्षिण अफ्रीका को हराने के करीब पहुंच गया था और दक्षिण अफ्रीका टीम सिर्फ एक रन से जीती थी। इसके अलावा बांग्लादेश को 106 रन पर आउट कर दिया था। नेपाल ने हाल ही में दो बार की चैंपियन वेस्टइंडीज को 2-1 से हराकर अपनी प्रतिभा का परिचय दिया है।

गलतियों से सबक लेकर बेहतर प्रदर्शन करना चाहेगी श्रीलंका

खराब फॉर्म से जूझ रही श्रीलंका का आयरलैंड से होगा सामना

एजेंसी ▶▶| कोलंबो

खराब दौर से गुजर रही श्रीलंकाई टीम टी20 विश्व कप ग्रुप बी के अपने पहले मैच में रविवार को आयरलैंड से खेलेगी तो पिछली निराशाओं को भुलाकर अपने घरेलू दर्शकों को मुस्कुराने का मौका देने का इरादा होगा। भारत के साथ टूर्नामेंट की सह मेजबान श्रीलंका की तैयारी अच्छी नहीं रही है। उसे घरेलू टी20 श्रृंखला में इंग्लैंड ने 3-0 से हराया। अब श्रीलंका उन गलतियों से सबक लेकर बेहतर प्रदर्शन करना चाहेगा। दूसरी ओर आयरलैंड के प्रदर्शन का दारोमदार अनुभवी पॉल स्टर्लिंग , हैरी टेक्टर और जोश लिटिल पर रहेगा। आयरलैंड आठवीं बार टी20 विश्व कप खेल रहा है और 2009 के बाद से सारे टूर्नामेंट खेला है। उसने हाल ही में इटली और यूएई को हराया है और जीत की लय कायम रखना चाहेगा। अगर वह श्रीलंका को हरा देता है तो इस ग्रुप से सुपर आठ में पहुंचने का दावेदार हो सकता है।

खबर संक्षेप

चिदंबरम स्टेडियम की नई बेहतरीन आउटफील्ड

चेन्नई। मशहूर एमए चिदंबरम स्टेडियम में आठ महीने तक चले मरम्मत के काम के बाद बेहतरीन आउटफील्ड और पानी के निकास के लिए अच्छी 'ड्रेनेज' प्रणाली के साथ आईसीसी टी20 विश्व कप से पहले समय पर तैयार हो चुका है। इतने महीनों तक यहां जेसीबी, लिफ्टर और लोडर की तेज गड़गड़ाहट गूंजती रही। तमिलनाडु क्रिकेट संघ (टीएनसीए) ने विश्व कप नजदीक आने पर इतना समय लेने वाला काम करने का फैसला क्यों किया? यह पूछने पर इसके सचिव यू भगवानदास राव ने कहा, ' हमने पिछली बार यह आउटफील्ड शायद 2011 में बनाई थी इसलिए काफी समय हो गया था। इस पूरे काम में हमें जून (2025) से शुरू करके लगभग आठ महीने लगे। '

16 फरवरी से दिल्ली ओपन चैलेंजर मीट

नई दिल्ली। भारत के शीर्ष रैंकिंग वाले एकल टेनिस खिलाड़ी सुमित नागल डीएलटीए पर 16 से 22 फरवरी तक होने वाले दिल्ली ओपन एटीपी चैलेंजर टूर्नामेंट में भारतीय चुनौती की अगुवाई करेंगे जबकि ब्रिटेन के जे क्लार्क भी इसमें भाग ले रहे हैं। एकल मुख्य ड्रॉ में भारत से सिर्फ नागल को सीधे प्रवेश मिला है। चैलेंजर सर्किट पर लगातार खेलने वाले नागल घरेलू हालात का फायदा उठाना चाहेंगे। प्रतिभाशाली मानस धामने और करण सिंह 15 फरवरी को एकल क्वालीफायर खेलेंगे। जापान के रेइ साकामातो , रियो नोगुची और कजाखस्तान के बेइबित झुकायेव भी इसमें भाग ले रहे हैं। डीएलटीए अध्यक्ष रोहित राजपाल ने कहा,' दिल्ली ओपन इस क्षेत्र में सबसे प्रतिस्पर्धी और पेशेवर ढंग से होने वाला चैलेंजर टूर्नामेंट है। इससे भारत को कई अच्छे खिलाड़ी मिले हैं। इससे डीएलटीए पर प्रशिक्षण लेने वाले युवा खिलाड़ियों को भी भविष्य के लिए प्रेरणा मिलेगी।'

विश्व कप में अधिक टीम का खेलना अच्छा : राशिद

चेन्नई। अफगानिस्तान के कप्तान राशिद खान ने टी20 विश्व कप के मौजूदा चरण से 20 टीम के विस्तार का स्वागत करते हुए कहा कि इससे और अधिक देशों के खिलाड़ियों को वैश्विक मंच पर अपनी प्रतिभा दिखाने का मौका मिला है। आईसीसी टी20 विश्व कप का 2026 चरण टीम की संख्या के लिहाज से अब तक का सबसे बड़ा टूर्नामेंट है। राशिद ने कहा, ' विश्व कप में ज्यादा टीम का होना हमेशा अच्छा है। इससे कई देश इसमें शामिल होगें और आपको बहुत नई प्रतिभाएं देखने को मिलेंगी।

टी20 विश्व कप : मोहम्मद सिराज रहे सफल बॉलर, 29 रन देकर चटकाए 3 विकेट

टीम इंडिया का जीत के साथ आगाज, यूएसए को 29 रन से हराया, सूर्यकुमार ने खेली नाबाद पारी

एजेंसी ▶▶| मुंबई

गत चैंपियन भारत ने कप्तान सूर्यकुमार यादव की दबाव में खेली गई 84 रन की नाबाद पारी के बाद मोहम्मद सिराज (29 रन देकर तीन विकेट) की अगुआई में अनुशासित गेंदबाजी से शनिवार को आईसीसी टी20 विश्व कप के शुरुआती मैच में अमेरिका को 29 रन से हराकर अपना अभियान शुरू किया। भारतीय टीम अब ग्रुप ए के अपने दूसरे मुकाबले में 12 फरवरी को नामीबिया से भिड़ेगी।

यूएसए के शीर्ष क्रम के तीन बल्लेबाज फ्लॉप

मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में खेले गए मैच में भारतीय टीम के दिए 162 रन के लक्ष्य को हासिल करने उतरी यूएसए के शीर्ष क्रम के तीनों बल्लेबाज फ्लॉप रहे। सलामी बल्लेबाज एंड्रियस गौस 6, सैतेजा मुक्कमल्ला 2, और कप्तान मोनांक पटेल बिना खाता खोले आउट हो गए। 13 पर 3 विकेट गंवा चुकी यूएसए को मिलिंद कुमार और संजय कृष्णमूर्ति ने संभाला और चौथे विकेट के लिए 58 रन की साझेदारी कर स्कोर को 71 तक ले गए। मिलिंद इसी स्कोर पर 34 रन बनाकर आउट हुए। इसके बाद 98 के स्कोर पर पांचवें विकेट के रूप में संजय कृष्णमूर्ति भी 37 रन बनाकर आउट हो गए।

इन दोनों की जोड़ी टूटने के बाद यूएसए का निचला क्रम ढह गया। शुभम रंजने के 22 गेंद पर बनाए 37 रन के बावजूद यूएसए 20 ओवर में 8 विकेट के नुकसान पर 132 रन बना सकी और 29 रन से मैच हार गई। अर्शदीप सिंह ने 4 ओवर में 18 रन देकर 2, अक्षर पटेल ने 4 ओवर में 24 रन देकर 2 और वरुण चक्रवर्ती ने 4 ओवर में 24 रन देकर 1 विकेट लिए।

अभिषेक और शिवम डक पर आउट

इससे पहले भारतीय क्रिकेट टीम ने टॉस गंवाकर पहले बल्लेबाजी करते हुए कप्तान सूर्यकुमार यादव के 49 गेंदों पर 4 छक्कों और 10 चौकों की मदद से नाबाद 84 रन की पारी की बदौलत 9 विकेट पर 161 रन बनाए थे। तिलक वर्मा ने 16 गेंद पर 25 और ईशान किशन ने 16 गेंद पर 20 रन की पारी खेली थी। अभिषेक शर्मा और शिवम दुबे खाता नहीं खोल सके थे। रिंकू सिंह 6, हार्दिक पांड्या 5 और अक्षर पटेल 14 रन बनाकर आउट हुए। यूएसए की तरफ से सौरभ नेत्रावल्कर सबसे महंगे गेंदबाज रहे। सौरभ ने 4 ओवर में 65 रन दिए। उन्हें कोई विकेट नहीं मिला। शैडली वैन शाल्कविक सबसे सफल गेंदबाज रहे। उन्होंने 4 ओवर में 25 रन देकर 4 विकेट लिए।

वर्ल्ड कप में सबसे अधिक फिफ्टी जड़ने वाले तीसरे बैटर बने सूर्यकुमार

विश्व कप में अमेरिका के खिलाफ अपने पहले मुकाबले में सूर्यकुमार यादव ने 49 गेंद में 10 चौके और चार छक्के से 84 रन की नाबाद पारी खेली। इसके साथ ही वह भारत के लिए टी20 वर्ल्ड कप में सबसे अधिक फिफ्टी जड़ने वाले तीसरे बैटर बन गए।

नीदरलैंड्स को हराने में पाकिस्तान के छूटे पसीने

कोलंबो। पाकिस्तान ने नीदरलैंड के खिलाफ टी20 वर्ल्ड कप 2026 के पहले मुकाबले में 3 विकेट से जीत दर्ज करते हुए अपने अभियान की शुरुआत की। यह मैच शनिवार को सिंहली स्पोर्ट्स क्लब में खेला गया। टॉस गंवाकर बल्लेबाजी करने उतरी नीदरलैंड की टीम 19.5 ओवरों में महज 147 रन पर सिमट गई। इस टीम को सलामी जोड़ी ने तेज शुरुआत दिलाई। माइकल लेविट ने मैक्स ओ'डॉउड के साथ 3.1 ओवरों में 28 रन की साझेदारी की।

वेस्टइंडीज ने की जीत के साथ शुरुआत स्कॉटलैंड को हराया

कोलकाता। दो बार की विजेता वेस्टइंडीज क्रिकेट टीम ने टी20 विश्व कप की शुरुआत जीत के साथ की है। ग्रुप सी के अपने पहले मैच में वेस्टइंडीज ने स्कॉटलैंड को 35 रन से हराया। वेस्टइंडीज के लिए शिमरोन हेटमायर और रोमारियो शेफर्ड हीरो बनकर उभरे। वेस्टइंडीज के दिए 183 रन का लक्ष्य हासिल करने उतरी स्कॉटलैंड की शुरुआत अच्छी नहीं रही। टीम को पहला झटका 7 के स्कोर पर माइकल जोंस के रूप में लगा। जोंस 1 रन बनाकर आउट हो गए। दूसरे विकेट के लिए जॉर्ज मुंसे और बैंडन मैकमुलेन के बीच 30 रन की साझेदारी हुई।

अंडर-19 वर्ल्ड कप

विजेता टीम को मिलेगा 7.5 करोड़ रुपए का कैश अवॉर्ड

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

भारत ने शुक्रवार को इंग्लैंड के खिलाफ जीत दर्ज करते हुए अंडर-19 वर्ल्ड कप खिताब अपने नाम किया। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने विश्व कप विजेता टीम, टेक्निकल स्टाफ और सिलेक्शन कमिटी के लिए कुल 7.5 करोड़ रुपए के कैश अवॉर्ड की घोषणा की है।

बीसीसीआई के सेक्रेटरी देवजीत सैकिया ने शनिवार को बताया, "जिम्बाब्वे और नामीबिया में अंडर-19 मेंस क्रिकेट वर्ल्ड कप जीतने वाली भारतीय टीम को 7.5 करोड़ रुपए का कैश अवॉर्ड दिया जाएगा। हम खिलाड़ियों, टेक्निकल स्टाफ और सिलेक्शन कमिटी के लिए इनाम की रकम के बंटवारे पर काम कर रहे हैं, लेकिन बीसीसीआई की ओर से उन्हें कुल 7.5 करोड़ रुपए का इनाम दिया जाएगा।" भारत के छठी बार अंडर-19 वर्ल्ड कप खिताब जीतने पर सैकिया ने ट्वीट में लिखा था, "यह शानदार कामयाबी एक मजबूत सिस्टम की ताकत का सबूत है, जो लंबे समय तक प्लेयर डेवलपमेंट, कॉम्पिटिटिव घरेलू स्ट्रक्चर, डेडिकेटेड टेक्निकल स्टाफ से सपोर्टेड क्वालिटी कोचिंग प्रोग्राम और एक मजबूत टैलेंट आइडेंटिफिकेशन प्रोसेस पर बना है। एज-ग्रुप क्रिकेट एक मुख्य प्राथमिकता बनी हुई है। बीसीसीआई भविष्य के लिए इन नींवों में इन्वेस्ट करना और उन्हें मजबूत करना जारी रखेगा। बहुत बढ़िया, लड़कों! आप पर देश को बहुत गर्व है।"

बॉक्सैम एलीट इंटरनेशनल

लवलीना का दमदार प्रदर्शन फाइनल में बनाई जगह

एजेंसी ▶▶| ला नूसिया

ओलंपिक कांस्य पदक विजेता मुक्केबाज लवलीना बोरगोहेन और विश्व कप स्वर्ण विजेता सचिन सिवाच ने शानदार जीत दर्ज करते हुए 'बॉक्सैम एलीट इंटरनेशनल 2026' के फाइनल में जगह बना ली। इन दोनों के अलावा 10 अन्य भारतीय मुक्केबाज भी फाइनल में पहुंचे हैं। स्वर्ण पदक की दावेदारी में भारत की आठ महिलाएं और चार पुरुष मुक्केबाज शामिल है।

लवलीना ने 75 किग्रा वर्ग के सेमीफाइनल में वेल्स की रोजी एक्लेस को 5-0 के सर्वसम्मत फैसले से हराकर दमदार प्रदर्शन किया। महिलाओं के 54 किग्रा वर्ग में भारत का स्वर्ण पदक पक्का हो गया है। एशियाई खेलों की कांस्य पदक विजेता प्रीति पवार ने सेमीफाइनल में फ्रांस की आया हम्दी को 5-0 से हराया और अब फाइनल में उनका मुकाबला पूनम से होगा। पूनम ने इंग्लैंड की आइवी-जेन स्मिथ को 4-1 से मात दी।

महिलाओं में फाइनल में पहुंचने वाली अन्य भारतीय मुक्केबाजों में मंजू रानी (48 किग्रा), नीतू घंघास (51 किग्रा), प्रिया (60 किग्रा), अरुंधति चौधरी (70 किग्रा) और नैना (80 किग्रा) शामिल हैं। सभी ने अपने-अपने सेमीफाइनल मुकाबले जीते।

सचिन सिवाच का शानदार फॉर्म जारी

पुरुष वर्ग में 60 किग्रा में सचिन सिवाच ने इंग्लैंड के जैक ड्रायडन को हराकर अपना शानदार फॉर्म जारी रखा। इसके अलावा दीपक (70 किग्रा), आकाश (75 किग्रा) और अंकुश (80 किग्रा) ने भी जीत दर्ज कर भारत के लिए फाइनल में जगह बनाई। दीपक ने सत्र के सबसे शानदार मुकाबलों में से एक में कजाकिस्तान के विश्व मुक्केबाजी कप फाइनल्स के रजत पदक विजेता नुरबेक मुरसल को पहले ही दौर में आरएससी से हराया। आकाश और अंकुश ने कजाकिस्तान के मुक्केबाजों के खिलाफ कड़े मुकाबलों में जीत दर्ज कर स्वर्ण पदक मुकाबले में प्रवेश किया। इस बीच, प्रांजल यादव (65 किग्रा), काजल (65 किग्रा), सनामाचा चानू (75 किग्रा), मनकीरत कौर (80 किग्रा से अधिक), जादुमणि सिंह (55 किग्रा), मोहम्मद हुसामुद्दीन (60 किग्रा) और हितेश गुलिया (70 किग्रा) को सेमीफाइनल में हार के बाद कांस्य पदक से संतोष करना पड़ा।

कप्तान सैंटनर को तेज गेंदबाजों पर भरोसा

चेन्नई। न्यूजीलैंड के कप्तान मिचेल सैंटनर ने कहा कि उन्हें अपनी तेज गेंदबाजी इकाई की विविधता पर भरोसा है कि वे टी20 विश्व कप के दौरान 'पावरप्ले' और 'डेथ ओवरों' में विपक्षी बल्लेबाजों को शांत रखेंगे, जिसमें गेंदबाज आमतौर पर रन लुटाते हैं। तेज गेंदबाजों से आक्रमण में मैट हेनरी, लॉकी फर्ग्यूसन, काइल जैमीसन और जैकब डफी के अलावा ऑलराउंडर जेम्स नीशाम भी शामिल हैं। सैंटनर ने कहा, 'मुझे लगता है कि जब आप भारत आते हैं तो आपको पिच से ज्यादा 'लेटरल मूवमेंट' नहीं दिखता। इसलिए मुझे लगता है कि स्विंग और उछाल अहम है। इसलिए अगर डफी गेंद को स्विंग करा सकते हैं तो वह बल्लेबाजों के लिए एक चुनौती हैं। हमारे सभी तेज गेंदबाज हमें अलग-अलग विकल्प देते हैं।'उन्होंने कहा, 'लॉकी के पास ज्यादा रफ्तार और स्विंग है। जैमीसन दोनों तरफ स्विंग करा सकते हैं। मैट हैनरी गेंद को अंदर ला सकते हैं। डफी स्विंग करा सकते हैं। इसलिए हमें चुनना है कि कौन हमारे लिए सबसे अच्छे होंगे। ' सैंटनर ने कहा कि भारत के खिलाफ हाल में हुई पांच मैचों की टी20 अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला हारने के बावजूद उनकी टीम को कुछ अच्छी बातें पता चली हैं। उन्होंने कहा, 'मुझे लगता है फिर से हमें गेंदबाजी में चुनौती मिली, खासकर शुरुआत में।

राष्ट्रीय भारोत्तोलन चैंपियनशिप

राजा ने जीता स्वर्ण, जेरेमी को कांस्य

एजेंसी ▶▶| मोदीनगर

तमिलनाडु के एम राजा ने राष्ट्रीय भारोत्तोलन चैंपियनशिप में पुरुषों के 65 किग्रा वर्ग में राष्ट्रमंडल खेलों के चैंपियन जेरेमी लालरिननुंगा सहित मजबूत प्रतिस्पर्धियों को पछाड़ते हुए स्वर्ण पदक जीता। राष्ट्रमंडल चैंपियनशिप के रजत पदक विजेता 26 वर्षीय राजा ने कुल 302 किग्रा (130 किग्रा स्नैच में, 172 किग्रा क्लीन एंड जर्क में) वजन उठाकर पहला स्थान हासिल किया। सेना खेल नियंत्रण बोर्ड के चारु पेसी ने 296 किग्रा (129 किग्रा और 167 किग्रा) के कुल वजन के साथ रजत पदक हासिल किया।

जेरेमी का प्रदर्शन फीका

मिजोरम के जेरेमी का प्रदर्शन फीका रहा। 2018 युवा ओलंपिक चैंपियन कुल तीन प्रयासों में असफल रहे, जिसमें दो स्नैच में रहे। उन्हें 295 किग्रा (133 किग्रा और 167 किग्रा) के कुल वजन के साथ कांस्य पदक पर संतोष करना पड़ा। राष्ट्रमंडल चैंपियनशिप के पूर्व स्वर्ण पदक विजेता शुभम टोडकर का अभियान निराशाजनक रहा। वह 263 किग्रा (118 किग्रा और 145 किग्रा) के कुल वजन के साथ सातवें स्थान पर रहे। सेना के भारोत्तोलक अरुमुगापांडियन महाराजन ने शानदार प्रदर्शन करते हुए युवा और जूनियर दोनों वर्गों में स्वर्ण पदक अपने नाम किए।

ब्रिटेन ने नॉर्वे को हराया, दूसरे राउंड में बनाई जगह

एजेंसी ▶▶| ओस्लो

ग्रेट ब्रिटेन ने नॉर्वे को 3-0 से हराकर डेविस कप क्वालीफायर के दूसरे राउंड में जगह बना ली है। यह जीत जूलियन कैश और लॉयड ग्लासपूल के डबल्स मैच में 6-2, 2-6, 7-6(5) की जीत की बदौलत मिली। ग्रेट ब्रिटेन अब डेविस कप क्वालीफायर के दूसरे राउंड में इक्वाडोर या ऑस्ट्रेलिया में से किसी एक का सामना करेगा। इस मुकाबले को जीतने वाली टीम नवंबर में फाइनल 8 में पहुंचेगी। डेविस कप क्वालीफायर के दूसरे राउंड के मुकाबले सितंबर में आयोजित होंगे। लियोन स्मिथ की टीम ने न्यूनतम मैचों में जीत दर्ज करते हुए कमजोर नजर आ रही नॉर्वेजियन टीम को मात दी। बुधवार को विश्व नंबर 12 कैस्पर रूड के हटने के बाद नॉर्वे साफतौर पर अंडरडॉग था। खेल के शीर्ष रैंकिंग डबल्स जोड़ी कैश और ग्लासपूल को भी नॉर्वे की अस्थायी जोड़ी निकोलाई बुडकोव क्येर और विक्टर दुरासोविच ने निर्णायक टाईब्रेक तक कड़ी चुनौती दी।

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे

ई-निविदा सूचना

ई-निविदा सूचना क्रमांक एन आईटी/11/26/03, दिनांक 30.01.2026

भारत के राष्ट्रपति की ओर से वरिष्ठ मंडल सामग्री प्रबंधक / दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे बिलासपुर संभाग निम्नलिखित सामाग्रियों हेतु ई-निविदा आमंत्रित करता है।

क्रमांक. 1. **निविदा संख्या** : 11256650 **निविदा खुलने की तिथि** : 28/02/2026 **निविदा खुलने का समय** : 10.30 **निविदा पत्र लागत(रू)** : 00 **अर्नेस्ट मनी डिपोजिट (रू):** 182380.00/-

विवरण: स्पेयर पावर पैक सेट की आपूर्ति और कमीशनिंग, जिसमें निम्नलिखित में से प्रत्येक का एक-एक पीस शामिल है: **1.** पेट्रोल इंजन वाला पंप मेट **2.** हाइड्रोलिक होज़ DN-6 और DN-10 **3.** कंट्रोल टेबल **4.** हटाने योग्य टॉप वाला रोलर कैरिज **5.** रेडियल पिस्टन पंप **6.** प्रेशर लिमिटिंग वाल्व। निर्माता: BEMCO, संलग्न तकनीकी विनिर्देश और ड्राइंग के अनुमार।

वारंटी अवधि: डिलीवरी की तारीख के 30 महीने बाद

निविदाकर्ता कृपया हमारी वेबसाइट **https://www.ireps.gov.in** जाए। **नोट:-** विवरण से संबंधित विवादास्पद मामले में मूल अंग्रेजी पाठ प्रमाणिक मानी जाएगी।

वरिष्ठ मंडल सामग्री प्रबंधक

सीपीआर/**10/AM/665** **द.पू.म. रेलवे, बिलासपुर**

South East Central Railway @secrail

पश्चिम मध्य रेल

वाणिज्य विभाग ▪ जबलपुर मंडल ▪ ई-बोली

No. JBP/C/NFR/E-Tender/26, Date: 03.02.2026

मंडल रेल प्रबंधक (वाणिज्य), पश्चिम मध्य रेल, जबलपुर, भारत संघ के राष्ट्रपति के लिए एवं उनकी ओर से निम्नलिखित हेतु निर्धारित ई–बोली आमंत्रित करता है। **SN 1 Category & Assets Details:** बरगंवा रेलवे स्टेशन क्षेत्र में Pay & Use, पार्किंग, विज्ञापन अधिकार, फूड वैन एवं वीडियो वॉल की संयुक्त अनुबंध व्यवस्था। **Tender Notice No.:** MSS-JBP-BRGW-STGen-106-26-1. **Lot End Date Time:** 13.02.2026, 15:30. **SN 2 Category & Assets Details:** मदनमहल स्टेशन स्थित MFC में व्यक्तिगत दुकानों/रेस्टोरेंट/बजट होटल हेतु मल्टी–फंक्शनल कॉम्प्लेक्स की व्यवस्था। **Tender Notice No.:** MSS-JBP-MML-MFC-117-26-1. **Lot End Date Time:**13.02.2026, 15:40. **SN 3 Category & Assets Details:** पिपरिया स्टेशन स्थित MFC में व्यक्तिगत दुकानों/रेस्टोरेंट/बजट होटल हेतु मल्टी–फंक्शनल कॉम्प्लेक्स की व्यवस्था। **Tender Notice No.:** MSS-JBP-PPI-MFC-111-25-1. **Lot End Date Time:** 13.02.2026, 15:50. **SN 4 Category & Assets Details:** मदनमहल रेलवे स्टेशन पर ग्लो साइन बोर्ड के माध्यम से विज्ञापन। **Tender Notice No.:** ADVT-JBP-MML-OSN-89-22-2. **Lot End Date Time:** 13.02.2026, 15:30. **SN 5 Category & Assets Details:** नरसिंहपुर रेलवे स्टेशन पर ग्लो साइन बोर्ड के माध्यम से विज्ञापन। **Tender Notice No.:** ADVT-JBP-NU-OSN-90-22-1. **Lot End Date Time:** 13.02.2026, 15:40. **SN 6 Category & Assets Details:** सागर (SGO) रेलवे स्टेशन पर ग्लो साइन बोर्ड के माध्यम से विज्ञापन। **Tender Notice No.:** ADVT-JBP-SGO-OSN-99-22-1. **Lot End Date Time:** 13.02.2026, 15:50. **SN 7 Category & Assets Details:** KMZ में गैन्ट्री गेट्स की स्थापना एवं अनुरक्षण। **Tender Notice No.:** ADVT-JBP-KMZ-OH-147-26-1. **Lot End Date Time:** 16.02.2026, 15:30. **SN 8 Category & Assets Details:** रीवा में गैन्ट्री गेट्स की स्थापना एवं अनुरक्षण। **Tender Notice No.:** ADVT-JBP-REWA-OH-148-26-1. **Lot End Date Time:** 16.02.2026, 15:40. **SN 9 Category & Assets Details:** कटनी में गैन्ट्री गेट्स की स्थापना एवं अनुरक्षण। **Tender Notice No.:** ADVT-JBP-KTE-OH-146-26-1. **Lot End Date Time:** 16.02.2026, 15:50. **SN 10 Category & Assets Details:** पिपरिया में गैन्ट्री गेट्स की स्थापना एवं अनुरक्षण। **Tender Notice No.:** ADVT-JBP-PPI-OH-145-26-1. **Lot End Date Time:** 16.02.2026, 16:00.

संभावित बोलीदाताओं से अनुरोध है कि वे IREPS वेबसाइट **(www.ireps.ireps.gov.in)** पर E-Tender Leasing मॉडयूल देखें। लॉट–वार विवरण उपर्युक्त कैटलॉग के तहत उपलब्ध हैं। ई–बोली सूचना मंडल रेल प्रबंधक (वाणिज्य), पश्चिम मध्य रेल, जबलपुर के नोटिस बोर्ड पर भी उपलब्ध है।

सहायक वाणिज्य प्रबंधक, पमरे, जबलपुर

स्वच्छ भारत अभियान - एक कदम स्वच्छता की ओर

दर्द अनेक, उपचार एक!

प्रदिक्षा आर्थो ऑयल

घुटने का दर्द, साइटिका, गाठिया, हड्डियों का दर्द, मांसपेशियों में सूजन,
जकड़न, आमवात, संधिवात और मोच में भी लाभदायक, बिना किसी साइड इफेक्ट के !

SUPER STOCKIST - पंकज मेडीकोज, बिलासपूर -6261187686, नथानी एजेन्सी, रायपूर - 7746032260, राजनांदगाव - महेश एजन्सी-7000616262, ताराचंद चितलांगीया & कं. -8889669996

Costumer Care : 1800 120 3133 | Mob.: 9112637000, 9823286830 | www.pradikshaherbals.com

₹ 120/-

इंडोनेशिया में रहता है दुनिया का सबसे लंबा अजगर सांप, लंबाई जानकर उड़ जाएंगे होश

इंडोनेशिया। रेटिकुलेटेड अजगर दुनिया के सबसे लंबे सांप होते हैं, जिनकी औसत लंबाई आमतौर पर 10 से 20 फीट के बीच होती है। हालांकि, इंडोनेशिया के जंगलों में दुनिया का सबसे बड़ा रेटिकुलेटेड अजगर मिला है, जिसकी लंबाई 23 फीट 8 इंच है। यह एक मादा अजगर है, जिसका शरीर एक बड़ी डिलिवरी ट्रक इतना लंबा है। इसकी लंबाई के चलते इस अजगर का नाम गिनीज बुक में शामिल कर दिया गया है।

कहां पाया गया था यह अजगर?

2025 में सुलावेसी के मारोस क्षेत्र में इस विशालकाय सांप को देखा गया था। इसके नाम दुनिया के सबसे लंबे ज्ञात सांप का विश्व रिकॉर्ड दर्ज हो गया है। बेहोशी की हालत में, जब उसका शरीर पूरी तरह से शिथिल होता है तो वह 10 प्रतिशत और लंबा हो सकता है। देखा जाए तो वास्तव में उसकी लंबाई 26 फीट के करीब होने की संभावना है। हालांकि, गिनीज बुक ने सुरक्षा के लिहाज से उसे बेहोश करके नहीं मापा है।

एक विशाल पांडा जितना है सांप का वजन

इस अनोखे सांप का नाम इबू बैरन रखा गया है, जिसका मतलब 'उच्च सामाजिक स्थिति वाली महिला' होता है। इसकी लंबाई के साथ-साथ इसका वजन भी देखा गया था, जो कि 96.5 किलो है। इसके लिए उन तराजू का इस्तेमाल किया गया था, जिनका उपयोग आमतौर पर चावल की बोरियों का वजन करने के लिए किया जाता है। इबू की देखरेख अब स्थानीय संरक्षणवादी बुडी पुरवांतो कर रहे हैं, जिन्होंने एक सांप अभयारण्य भी बनाया हुआ है।

शिकार निगलते समय और बड़ा हो जाता है इबू का शरीर

नुग्राहा और फ्रेंटियू ने इबू के बारे में सुनते ही सुलावेसी की टिकट बुक कर ली थीं। दोनों यह सुनिश्चित करना चाहते थे कि उसका उचित दस्तावेजीकरण हो। उन्हें उम्मीद है कि इससे भविष्य में इबू और उसके जैसी अन्य प्रजातियों की रक्षा करने में मदद मिलेगी। फ्रेंटियू ने इस सांप के बारे में कहा, उसकी हर मांसपेशी एक शक्ति का स्रोत है। ऐसे सांप की ताकत और विशाल शिकार को निगलते समय उसके फैलने की क्षमता प्रभावित करती है।

रोचक खबरें

घर सफेद...गाड़ियां सफेद, इस शहर में नहीं दिखाई देता कोई और रंग!

अश्गाबात। रंग सभी को अच्छे लगते हैं, रंग-बिरंगे घर, इमारतें हर किसी को अपनी ओर आकर्षित करती हैं लेकिन क्या आप जानते हैं कि दुनिया में एक शहर ऐसा भी है जहां हर चीज सिर्फ सफेद रंग की है। इस शहर को रंगीन कपड़े या रंगीन गाड़ियां नहीं भाती। जी हां, हम बात कर रहे हैं तुर्कमेनिस्तान की राजधानी अश्गाबात की जिसे व्हाइट मार्बल सिटी के नाम से जाना जाता है। यहां हर इमारत सफेद संगमरमर से बनी है। ये कोई आम बात नहीं, बल्कि यहां के नियम और कानून का हिस्सा है। यहां सड़कों पर आपको सिर्फ सफेद गाड़ियां दिखाई देंगी। ये सिर्फ शौक के लिए नहीं है, बल्कि इसके पीछे की सच्चाई आपके होश उड़ा देगी। अश्गाबात में जहां तक नजर जाए वहां सिर्फ सफेद रंग दिखाई देता है। यहां की हर बिल्डिंग, सड़क, फुटपाथ, बस स्टॉप हर चीज पर सफेद रंग की चादर चढ़ी है। जब सूरज की रोशनी इन संगमरमर की इमारतों पर पड़ती है तो ये किसी अजूबे से कम नहीं लगता। शहर की दमक से आंखें चमक उठती हैं। अश्गाबात का नाम गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में शामिल है। साल 2000 के बाद जब अश्गाबात ने खुद को सोवियत संघ के पुराने ढांचे से बाहर निकाला, तब यहां के तत्कालीन राष्ट्रपति ने शहर को सफेद संगमरमर से ढकने की ठान ली। 550 से ज्यादा नई इमारतें बनवाई गई, जिनमें व्हाइट मार्बल का ज्यादा से ज्यादा इस्तेमाल हुआ।

मगरमच्छ को मारकर भूख मिटाते हैं अफ्रीका की इस खूंखार जनजाति के लोग

डेल्टा तुर्काना। अफ्रीका महाद्वीप में कई ऐसी जनजातियां हैं जिनकी वाइल्डलाइफ दुनियाभर के लोगों का ध्यान अपनी ओर आकर्षित करती है। अफ्रीका की एक जनजाति दासानेच है जिनकी जीवनशैली आपको हैरान कर देगी। दासानेच समुदाय के लोग हजारों साल पुराने तरीके से अपना जीवन बिता रहे हैं। इस समुदाय के लोग भूख मिटाने के लिए मगरमच्छ का शिकार करते हैं। दासानेच जनजाति के लोगों को खूंखार माना जाता है इसी वजह से कोई इनके इलाके में भी नहीं जाता है। अफ्रीका महाद्वीप की दासानेच समुदाय के लोगों की जीवनशैली बहुत ही हैरान करने वाली है। दासानेच समुदाय के लोग केन्या के बॉर्डर के पास इथियोपिया की ओमो घाटी में रहते हैं। यह लोग यहां पर करीब 5000 सालों से भी अधिक पुरानी जीवनशैली के साथ अपना जीवन बिता रहे हैं। दासानेच समुदाय के लोग मुख्य रूप से ओमो नदी के डेल्टा तुर्काना के पास रहते हैं। दासानेच समुदाय के लोग इतने खतरनाक और खूंखार है कि, इनके इलाके में कोई नहीं जाता है। इन लोगों के लिए ओमो घाटी के सूखे में जिंदा रहना मुश्किल है इसलिए यह मांस के लिए अपने मवेशियों को मार देते हैं। इससे जब इनके भोजन की जरूरत पूरी नहीं होती है तो यह मगरमच्छ का शिकार करते हैं।

ग्रैंड कैनाल का रियाल्टो आर्क ब्रिज: हर फिल्ममेकर और आर्टिस्ट का फेवरिट, जानें क्यों है इतना खास

वेनिस। इटली के रोमांटिक शहर वेनिस की बात हो और रियाल्टो ब्रिज का जिक्र न आए, यह लगभग असंभव है। ग्रैंड कैनाल पर बना यह पुल न सिर्फ वेनिस की जान माना जाता है, बल्कि यह शहर की समृद्ध विरासत और अद्भुत इंजीनियरिंग का प्रतीक भी है। सैकड़ों वर्षों से यह पुल वेनिस के लोगों और यात्रियों के दिलों में एक खास जगह बनाए हुए है। आज रियाल्टो ब्रिज वेनिस आने वाले हर पर्यटक की सूची में सबसे ऊपर होता है। यहां से ग्रैंड कैनाल का नजारा देखने या गोंडोला की सवारी करने का अनुभव अद्भुत होता है। चार सदियों से यह पुल जिस मजबूती से खड़ा है, वह वेनिस की सुंदरता और उसके अटूट इतिहास का प्रतीक है।

इतिहास से जुड़ी रोचक कहानी

रियाल्टो ब्रिज का इतिहास 16वीं शताब्दी तक जाता है। आज जो शानदार पत्थर का पुल खड़ा है, उससे पहले यहां लकड़ी का पुल हुआ करता था। यह पुल व्यापारियों के लिए बेहद महत्वपूर्ण था क्योंकि यहीं से वेनिस के मुख्य व्यापारिक इलाके रियाल्टो मार्केट तक पहुंचा जाता था, लेकिन आग और ढहने की घटनाओं के कारण वह पुल बार-बार नष्ट होता रहा।

1000 साल पुरानी परंपरा

1588-1591 के बीच दोबारा पत्थरों से बनाया गया

बार-बार नष्ट होने के कारण 1588 से 1591 के बीच मशहूर वास्तुकार एंटोनियो दा पोंटे ने इस पुल को पत्थर से दोबारा बनाया। उस समय इस तरह का एक ही मेहराब वाला पुल बनाना एक बड़ा तकनीकी चमत्कार था। लोगों को डर था कि यह भारी पत्थर का पुल अपने ही वजन से गिर जाएगा, लेकिन आज 400 साल बाद भी यह मजबूती से खड़ा है।

रियाल्टो ब्रिज के पास स्थित रियाल्टो मार्केट वेनिस का दिल कहा जा सकता है। करीब हजार वर्षों से यह बाजार शहर की आर्थिक धड़कन रहा है। आज भी यहां ताजे फल, सब्जियां और समुद्री भोजन खरीदने के लिए स्थानीय लोग और पर्यटक आते हैं।

एक मेहराब वाला अनोखा डिजाइन

रियाल्टो ब्रिज की सबसे खास बात इसका डिजाइन है। यह एक सिंगल आर्च ब्रिज है- यानी इसमें केवल एक बड़ा मेहराब है जो ग्रैंड कैनाल के दोनों किनारों को जोड़ता है। पुल की लंबाई करीब 157 फीट और चौड़ाई लगभग 72 फीट है। पूरी तरह पत्थर से बने इस पुल के दोनों ओर छोटी-छोटी दुकानों की पंक्तियां हैं, जहां कांच के सामान, आभूषण, स्मृति-चिह्न और हस्तशिल्प बिकते हैं।

फिल्मों और पेंटिंग्स में अमर हुआ पुल

रियाल्टो ब्रिज सिर्फ एक ऐतिहासिक स्मारक नहीं, बल्कि एक सांस्कृतिक प्रतीक भी है। कई फिल्मों, पेंटिंग्स और साहित्यिक कृतियों में इसका चित्रण हुआ है। गोंडोला से जब पर्यटक इसके नीचे से गुजरते हैं, तो उन्हें लगता है जैसे वे किसी फिल्म के दृश्य में जी रहे हों। शाम के समय जब पुल पर सूरज की रोशनी सुनहरी चमक बिखेरती है, तो इसका नजारा मन मोह लेता है।

अतीत को वर्तमान से जोड़ता है

स्थानीय लोग कहते हैं, "रियाल्टो ब्रिज सिर्फ पत्थरों का ढांचा नहीं, बल्कि वेनिस की आत्मा है।" यह पुल न सिर्फ शहर के दो किनारों को जोड़ता है, बल्कि अतीत और वर्तमान के बीच का पुल भी बन गया है। यह हमें याद दिलाता है कि वास्तुकला केवल निर्माण नहीं, बल्कि संस्कृति और भावना का संगम होती है।

अब तक नीलामी में बिकने वाली सबसे महंगी घड़ियां, लाखों में नहीं करोड़ों में है कीमत

जिनेवा। घड़ियां अब केवल समय देखने के काम ही नहीं आतीं। ज्यादातर लोगों के लिए ये विलासिता, प्रतिष्ठा और सफलता का प्रतीक बन चुकी हैं। कई लक्जरी ब्रांड घड़ियां बनाते हैं, जो अपनी असाधारण कारीगरी के चलते लाखों में बिकती हैं। हालांकि, कुछ दुर्लभ घड़ियों को हासिल करने के लिए लोग लाखों क्या, करोड़ों रुपये खर्च करने से भी पीछे नहीं हटते हैं। इसी कड़ी में हम आपको नीलामी में बिकने वाली सबसे महंगी घड़ियों के बारे में बताने वाले हैं।

पाटेक फिलिप स्टेनलेस स्टील

इस सूची में चौथा स्थान भी पाटेक फिलिप की घड़ी का है, जो स्टेनलेस स्टील मॉडल है। इसे 2016 में जिनेवा में फिलिप नीलामी के दौरान 100 करोड़ रुपये की भारी कीमत पर बेचा गया था। इसके बाद कुछ समय तक यह दुनिया की सबसे महंगी घड़ी भी कहलाई थी। यह एक ऐसी घड़ी है, जिसमें शाश्वत कैलेंडर और क्रोनोग्राफ दोनों लगे हैं।

पाटेक फिलिप ग्रैंडमास्टर चाइम

इस सूची में पहला नाम पाटेक फिलिप कंपनी की ग्रैंडमास्टर चाइम घड़ी का है। फैशन हाउस की 175वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में 2014 में इस घड़ी का अनावरण किया गया था। हालांकि, 2019 की एक नीलामी में एक खास ग्रैंडमास्टर चाइम ने लोगों का ध्यान खींचा। यह स्टेनलेस स्टील से बनी एक मात्र ग्रैंडमास्टर चाइम थी, जो सबसे जटिल घड़ियों में से एक थी। इसे क्रिस्टीज नीलामीघर ने 281 करोड़ रुपये की भारी कीमत पर नीलाम किया था।

रोलेक्स पॉल न्यूमैन डेटोना

दिग्गज अभिनेता और मोटरस्पोर्ट के शौकीन पॉल न्यूमैन अपने रेसिंग करियर के दौरान एक दुर्लभ रोलेक्स डेटोना घड़ी पहनते थे। इसकी लोकप्रियता इतनी बढ़ी की इसे 'पॉल न्यूमैन' डेटोना नाम दे दिया गया। उनके द्वारा पहनी जाने वाली रोलेक्स डेटोना ने नीलामी में आते ही धूम मचा दी थी। इसे 26 अक्टूबर, 2017 को न्यूयॉर्क में नीलाम किया गया था। इसकी कीमत 160 करोड़ रुपये से ज्यादा लगी थी, जिसके बाद यह रोलेक्स की सबसे महंगी घड़ी बन गई।

11 महीने लापता पालतू बिल्ली माइक्रोचिप की बदौलत लौटी मालिक के पास

न्यूयार्क। जिनके घर पर पालतू जानवर होते हैं, वो ही उनसे बिछड़ने का दुख समझ सकते हैं। अगर वह एक पल के लिए भी आखों से ओझल हो जाए तो दिल बैठ जाता है। ऐसा ही अमेरिका के रहने वाले एक व्यक्ति के साथ हुआ था, जिनकी पालतू बिल्ली अचानक लापता हो गई थी। उनकी बिल्ली 11 महीनों से लापता थी और वह उसकी तलाश करते-करते थक चुके थे। हालांकि, बिल्ली में लगी माइक्रोचिप की बदौलत वह घर वापस लौट सकी।

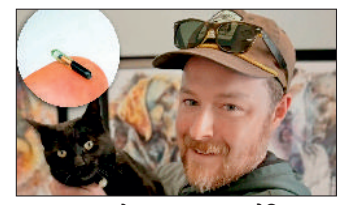

स्वास्थ्य जांच के बाद चला माइक्रोचिप का पता_ यह बिल्ली अमेरिका के मिसौरी राज्य की सड़कों पर बेबस घूम रही थी। तभी अचानक रेमोर पशु नियंत्रण केंद्र के एक कर्मचारी की उस पर नजर पड़ गई। बस फिर क्या था, वह उसे उठाकर अपने केंद्र ले गए और उसकी स्वास्थ्य जांच करवाई। स्कैन करने के बाद पाता चला कि बिल्ली के शरीर में एक माइक्रोचिप लगी हुई है।

माइक्रोचिप में रहीं मालिक की पूरी जानकारी

जब कर्मचारियों ने बिल्ली के शरीर में लगी माइक्रोचिप को निकाला तो उन्हें उम्मीद की किरण नजर आई। दरअसल, इसमें बिल्ली के मालिक की सारी जरूरी जानकारी मौजूद थी। इस छोटी-सी चिप में मालिक के नाम और नंबर के साथ-साथ उनका पता तक लिखा हुआ था। कर्मचारियों ने देरी न करते हुए तुरंत मालिक से संपर्क किया और उन्हें बिल्ली के बारे में बताया। 11 महीने के लंबे इंतजार के बाद मालिक अपनी बिल्ली से दोबारा मिल सके।

मंदिर से चोरी हुआ ये काला हीरा बना अभिशाप! तीन मालिकों की रहस्यमयी मौत, जानें अब किसके पास

नई दिल्ली। सोना-चांदी, हीरे और मोती संसार की कुछ दुर्लभ चीजों में से एक हैं, जिन्हें पाने के लिए हर इंसान सही या गलत रास्ता अपनाता है। आपने फिल्मों या किस्से-कहानियों में जरूर सुना होगा कि कोई चीज शापित हो गई है और जिसके पास भी वो होती है, उसके साथ बुरा होने लगता है। असल जिंदगी में भी ऐसे ही फ्रांसीसी दार्शनिक जीन डी ला ब्रूएर के जमाने में शायद ही किसी ने सोचा होगा कि एक दुर्लभ रत्न कभी

मौत और दुर्भाग्य का प्रतीक भी बन सकता है। इतिहास में कई ऐसे हीरे दर्ज हैं जिन पर 'शापित' होने का ठप्पा लगा, और उनमें से एक है रहस्यमयी ब्लैक ऑरलव डायमंड।

मंदिर से गायब हुआ 'ब्रह्मा का नयन' : ब्लैक ऑरलव डायमंड को 'आई ऑफ ब्रम्हा' यानी 'ब्रह्मा की आंख' भी कहा जाता है। 19वीं सदी की शुरुआत में दक्षिणी भारत में पुडुचेरी के पास स्थित एक मंदिर से भगवान ब्रह्मा की मूर्ति में जड़े एक काले हीरे की चोरी हुई। यह हीरा करीब 195 कैरेट का था।

हरिभूमि कम्यूनिकेशन्स प्राईवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक प्रियंक सिंह परिहार द्वारा हरिभूमि पब्लिकेशन्स, रिंग रोड नं. 2, गौरवपथ, बिलासपुर (छत्तीसगढ़)-495001 से मुद्रित एवं हरिभूमि कार्यालय, रिंग रोड नं. 2, गौरव पथ, बिलासपुर (छत्तीसगढ़)-495001 से प्रकाशित। प्रधान संपादक : डॉ. हिमांशु द्विवेदी, स्थानीय संपादक: प्रवीण शुक्ला। RNI No. CHHHIN/2001/03764, फोन : 07752-401050, फैक्स : 07752-401052. e-mail : bilaspur@haribhoomi.com